RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 140
नई दिल्ली, बुधवार, 25 मार्च, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

अमिताभ के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करेंगी कैटरीना!
विविध-12

आग की तरह फैलती कोरोना महामारी से मुकाबले के लिए ऐतिहासिक फैसला

21 दिन तक पूरा भारत बंद, घर से निकलने पर पूरी पाबंदी

संपूर्ण लॉकडाउन को एकमात्र विकल्प बताते प्रधानमंत्री ने की हाथ जोड़कर अपील- देश में जो जहां है वहीं रहे, दी चेतावनी-एक तरह से कर्फ्यू ही है, जनता कर्फ्यू से आगे और ज्यादा सख्त

- किया आगाह- 21 दिन (तीन सप्ताह) नहीं संभले तो 21 साल पीछे हो जाएगा देश, कई परिवार हो जाएंगे बर्बाद
- याद रखें-आपके घर के बाहर खींच दी है लक्ष्मण रेखा बाहर निकला एक भी कदम घर में बुला सकता है महामारी
- संपूर्ण लॉकडाउन (14 अप्रैल तक) के दौरान जरूरी सामानों की आपूर्ति बनी रहने का दिया आश्वासन जताया भरोसा-हर भारतवासी मानेगा निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूरी दुनिया में आग जितनी तेजी से फैल रही कोरोना वायरस की वैश्विक महामारी से मुकाबले के लिए अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक फैसला लेते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूरे देश में तीन सप्ताह के लिए संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की है यानी 21 दिन (14 अप्रैल तक) पूरा भारत बंद रहेगा।

इस दौरान हर किसी के घर से निकलने पर पूरी तरह पाबंदी होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हिंदुस्तान को बचाने के लिए आज रात 12 बजे से प्रत्येक राज्य- केंद्र शासित प्रदेश-जिले-शहर-कस्बे-गांव मुहल्ले और गली को लॉकडाउन किया जा रहा है। यह एक तरह से कर्फ्यू ही है- जनता कर्फ्यू से एक कदम आगे और कहीं ज्यादा सख्त। कोरोना से निर्णायक लड़ाई में यह कदम आवश्यक है। संपूर्ण लॉकडाउन को कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने का एकमात्र विकल्प अथवा रास्ता बताते प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार नागरिकों से हाथ जोड़कर अपील की कि देश में जो जहां है वहीं रहे। अपने घरों में बने रहें। मौजूदा हालात को देखते हुए लॉकडाउन तीन सप्ताह (21 दिन) का होगा। ये 21 दिन हर नागरिक और परिवार के लिए बेहद अहम हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना संक्रमण की चेन (साइकिल) को तोड़ने के लिए कम से कम 21 दिन चाहिए।

देशवासियों को इस अवधि के महत्व को समझाते प्रधानमंत्री मोदी ने आगाह किया कि यदि ये 21 दिन नहीं संभले तो देश और आपका परिवार 21 साल पीछे चला जाएगा और कई परिवार हमेशा के लिए बर्बाद हो जाएंगे। मोदी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के नाते नहीं बल्कि उनके परिवार के सदस्य के तौर पर यह आग्रह कर रहे हैं कि यह भूल जाएं

कोरोना वायरस के खिलाफ मंगलवार को देश में 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

कि बाहर निकलना क्या होता है। घर में रहें और एक ही काम करें कि घर में रहिये। लॉकडाउन ने आपके दरवाजे पर एक लक्ष्मण रेखा खींच दी है और याद रखना है कि बाहर निकला एक भी कदम कोरोना महामारी को आपके घर में बुला सकता है। इस बात को भी याद रखने की जरूरत है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति शुरुआत में बिल्कुल स्वस्थ लगता है इसलिए ऐहतियात बरतिये और घर में रहिये। घरों में रहकर सोशल मीडिया पर नए-नए तरीकों से खतरे के प्रति सावधान करने वालों का जिक्र करते प्रधानमंत्री ने एक बैनर भी दिखाया जिस पर लिखा था कोरोना-कोई रोड पर ना निकले।

संपूर्ण लॉकडाउन के असर की बात करते प्रधानमंत्री ने कहा कि निश्चित तौर पर इसकी बड़ी आर्थिक कीमत चुकानी पड़ेगी लेकिन, हर भारतवासी के जीवन की रक्षा करना स्वयं उनकी, केंद्र व राज्य सरकारों की जिम्मेदारी और पहली प्राथमिकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर किसी व्यक्ति को कोराना संक्रमण है तो उसके शरीर में लक्षण दिखने में कई रोज लग जाते हैं। इस दौरान जाने अनजाने में वह अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति को संक्रमित कर देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोना संक्रमित एक व्यक्ति हफ्ते 10 दिन के भीतर सैकड़ों लोगों में इस महामारी को फैला सकता है। प्रधानमंत्री के मुताबिक, यह संक्रमण आग जितनी तेजी से फैलता है जिसे जानने के लिए यह आंकड़ा महत्वपूर्ण है। दुनिया में संक्रमितों की संख्या एक लाख पहुंचने में 65 दिन लगे लेकिन उसके बाद सिर्फ 14 दिन में और एक लाख लोग संक्रमित हो गए यानी पूरे दो लाख मरीज। इससे भी भयावह बात यह है कि 2 लाख से 3 लाख लोगों के संक्रमित होने में मात्र 4 दिन लगे। यह इतनी तेजी से फैलता है कि रोकना कठिन हो जाता है। यही वजह है कि चीन, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, स्पेन, इटली, ईरान जैसे देशों में जब यह फैलना शुरू हुआ तो बेकाबू हो गया। याद रखें कि अमेरिका हो या इटली इन सभी देशों में स्वास्थ्य सुविधाएं दुनिया में बेहतरीन हैं इसके बावजूद ये देश कोरोना वायरस के प्रभाव को कम नहीं कर पाए। सवाल यह उठता है कि उम्मीद की किरण या उपाय क्या है।

वे बताना चाहते हैं कि उम्मीद की किरण उन देशों के अनुभव हैं जो इस महामारी को काफी हद तक नियंत्रित कर सके। इन देशों के नागरिक कई हफ्तों तक घरों से बाहर नहीं निकले और सरकार के निर्देशों को सौ फीसदी माना। प्रभावी सोशल डिस्टेंसिंग के बल पर ही ये देश कोरोना महामारी की चपेट से बाहर निकलने की ओर बढ़ रहे हैं। भारत के सामने भी बस यही एक रास्ता है। देशवासियों को घर से बाहर नहीं निकलना है चाहे जो भी हो जाए। प्रधानमंत्री लेकर हर कोई तब बचेगा जब लक्ष्मण रेखा नहीं लांघेगा। सबको मिलकर इस वैश्विक महामारी को फैलने से रोकना है, इसकी चेन को तोड़ना है। प्रधानमंत्री ने लोगों को डॉक्टर की सलाह लिए बगैर कोई भी दवा नहीं लेने की सलाह देते हुए ताकीद की कि इस तरह कोई भी खिलवाड़ उनके जीवन को खतरे में डाल देगा। साथ ही आश्वस्त किया कि 21 दिनों तक केंद्र -राज्य सरकारें मिलकर जरूरी सामानों की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगी। इस घड़ी में उन सबकी पहली प्राथमिकता हेल्थ केयर है। स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 15 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है ताकि कोरोना से निबटने के लिए हर आवश्यक सुविधा-उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। प्रधानमंत्री ने सोशल डिस्टेंसिंग पर जोर देते हुए कहा कि भारत उस स्थिति में हैं जहां आज उठाए कदम से तय होगा कि इस आपदा को कितना कम कर सकते हैं। यह समय अपने संकल्प को मजबूत करने और संयम बरतने का है। याद रखना होगा कि जान है तो जहान है। धैर्य और अनुशासन इसकी कड़ी है। लॉकडाउन का संकल्प-इसका वचन निभाना है। 21 दिन का लॉकडाउन लंबा समय है लेकिन जीवन रक्षा के लिए यही एकमात्र रास्ता है। उन्हें पूरा भरोसा है कि हर भारतवासी केंद्र, राज्य सरकारों व स्थानीय प्रशासन के निर्देशों को पूरी तरह मानेगा। आत्मविश्वास के साथ इसे लागू करें, भरपूर संयम बरतें और बंधन को स्वीकार करें। उन्हें यकीन है कि प्रत्येक हिंदुस्तानी डटकर इस महामारी का मुकाबला करेगा और विजयी होगा।

लॉकडाउन के दौरान दिशा-निर्देश

- उचित मूल्य की दुकानें और खाद्य, किराना, फल, सब्जियां, डेयरी, मांस, मछली, पशु चारे की दुकानें खुली रहेंगी।
- बैंक, बीमा कार्यालय, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया खुले रहेंगे।
- अस्पताल, नर्सिंग होम, पुलिस, दमकल केंद्र, एटीएम काम करते रहेंगे।
- लॉकडाउन के दौरान सभी परिवहन सेवाएं-सड़क, रेल और हवाई-स्थगित रहेंगी।
- अंतिम संस्कार के दौरान 20 से अधिक लोगों के जमा होने की अनुमति नहीं।
- एनपीआर की कवायद, जनगणना का पहला चरण अनिश्चिकाल के लिए स्थगित।
- सरकारी निर्देश का पालन न करने या झूठी सूचनाएं फैलाने पर एक साल तक की सजा हो सकती है।
- लॉकडाउन के दौरान कोई राहत पाने के लिए झूठे दावे करने पर दो साल तक की सजा हो सकती है।
- लॉकडाउन को लागू करने के लिए जिलाधिकारी द्वारा कार्यकारी मजिस्ट्रेट तैनात किए जाएंगे।

प्रथम शैलपुत्री

वन्दे वांछित लाभाय चन्द्रार्द्धकृतशेखराम्
वृषारुढ़ां शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम्

देवी दुर्गा के नौ रूप होते हैं। देवी दुर्गा के पहले स्वरूप को माता शैलपुत्री के नाम से जाना जाता है। ये ही नवदुर्गाओं में प्रथम देवी हैं। शैलराज हिमालय के घर पुत्री रूप मे उत्पन्न होने के कारण इनका नाम शैलपुत्री पड़ा। नवरात्र पूजन में प्रथम दिवस इन्हीं की पूजा और उपासना की जाती है।

देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या 519 हुई

- 470 अस्पतालों में भर्ती 40 हुए ठीक, 10 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 519 हो गई। मंत्रालय की ओर से मंगलवार शाम पांच बजकर 45 मिनट पर अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस समय अस्पतालों में 470 मरीज भर्ती हैं जबकि 40 लोग ठीक हो चुके हैं या प्रवास कर चुके हैं। मंत्रालय के मुताबिक संक्रमितों में 43 विदेशी हैं और अबतक दस मरीजों की मौत कोरोना वायरस की वजह से हुई है। पश्चिम बंगाल और हिमाचल प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत सोमवार को कोरोना वायरस

कन्याकुमारी में एक युवती की स्वास्थ्य जांच करती चिकित्साकर्मी

से हुई जबकि सात मौतें पहले महाराष्ट्र (दो मौतें), बिहार, कर्नाटक, दिल्ली, गुजरात और पंजाब में दर्ज की गई थीं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि 65 वर्षीय कोरोना वायरस से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत सोमवार शाम को हो गई। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस मौत को अपने आंकड़ों में शामिल नहीं किया है। केरल में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 95 मामले सामने आए हैं जिनमें आठ विदेशी शामिल हैं जबकि तीन विदेशियों सहित 89 संक्रमितों के साथ महाराष्ट्र दूसरा सबसे (शेष पेज 9)

डॉक्टरों को निकाल रहे मकान मालिक, शाह ने की पुलिस आयुक्त से बात

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली के पुलिस आयुक्त एसएन श्रीवास्तव से उन डॉक्टरो की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा जो कोरोना वायरस के संकट के दौर में कुछ लोगों के खराब बर्ताव का सामना कर रहे हैं। शाह को कई डॉक्टरों को उनके मकान मालिकों द्वारा प्रताड़ित किए जाने की घटनाओं की जानकारी दी गई थी। मकान मालिक ये दावा करके किराएदार डॉक्टरों के साथ रूखा व्यवहार कर रहे हैं कि उनसे कोरोना वायरस का संक्रमण फैल सकता है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इसके बाद गृह मंत्री ने पुलिस (शेष पेज 9)

नोएडा में तीन और लोगों में मिला कोरोना वायरस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मंगलवार को कोविड-19 वायरस से संक्रमण के तीन नए मामले सामने आए हैं। इन तीनों मरीजों में एक पति-पत्नी और एक 33 साल का युवक शामिल है। इसके साथ ही जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़कर 11 तक पहुंच गई है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के तीन और लोगों में मंगलवार को कोरोना वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई हैं। इनमें से दो मामले नोएडा सेक्टर.137 स्थित लॉजिक्स ब्लॉसम ग्रुप हाउसिंग और एक ग्रेटर नोएडा के जीटा वन सेक्टर का है। नोएडा के सेक्टर 137 में मिले दो मरीजों पति-पत्नी शामिल हैं, जबकि ग्रेटर नोएडा के बीटा वन सेक्टर में रहने वाले एक 33 साल के युवक को भी इस बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया है। इन तीनों मरीजों को आइसोलेशन में रखा गया है। साथ ही इनकी सोसाइटी में नजर रखी जा रही है। कोरोना वायरस की शिकार हुई महिला दिल्ली की एक कंपनी में काम करती है।

कंपनी में ही किसी विदेशी युवक के संपर्क में आने से उसमें कोरोना वायरस का संक्रमण पाए जाने की बात कही जा रही है। उस महिला से उसके पति को भी कोरोना होने का अंदेशा है। इन दोनों की ही हाल फि लहाल में विदेश यात्रा की कोई जानकारी नहीं है। जिलाधिकारी (शेष पेज 9)

मजदूरों को पांच हजार रुपये देगी केजरीवाल सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्माण कार्यों में लगे मजदूरो को पांच हजार रुपये देने का दिल्ली सरकार ने ऐलान किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के चलते विनिर्माण कार्यों में लगे मजदूरों की जीविका प्रभावित हो रही है। ऐसे में दिल्ली सरकार हर मजदूर को पांच-पांच हजार रुपए देगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पिछले चालीस घंटे में कोरोना का कोई नया मरीज सामने नहीं आया है। तीस मरीजों में से कुछ इलाज के बाद ठी क होकर घर चले गए हैं। अरविंद केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अगर दिल्ली कोरोना वायरस महामारी के तीसरे चरण में पहुंचने की स्थिति में जाती है तो उससे कैसे निपटा जाए, (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	25,981	3,935
निफ्टी	7,610	1,135
सोना	/10g	
चांदी	/kg	

क्विक न्यूज

कोरोना के बाद चीन में हंता वायरस से व्यक्ति की मौत

बीजिंग। कोरोना वायरस के वैश्विक महामारी का रूप अख्तियार करने के बीच चीन के दक्षिण पश्चिम युन्नान प्रांत में चूहों से फैलने वाली बीमारी हंता वायरस से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सोमवार को एक चार्टर्ड बस से पूर्वी शानडोंग प्रांत से लौटते समय एकव्यक्ति की मौत हो गई। बस के 32 अन्य लोगों की भी जांच की गई है। अमेरिका के अग्रणी राष्ट्रीय लोक स्वास्थ्य संस्थान बीमारी रोकथाम और नियंत्रण केंद्र के मुताबिक, हंता वायरस विषाणुओं का परिवार है जो कि चूहों से फैलता है और दुनिया भर में इससे कई तरह की बीमारी हो सकती है।

आठ माह बाद हिरासत से रिहा हुए उमर अब्दुल्ला

- जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री पर से पीएसए के तहत लगे आरोप भी हटाए गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लगभग आठ महीने बाद मंगलवार को हिरासत से रिहा कर दिया गया। उन पर जनसुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत लगाए गए आरोप भी हटा लिए गए हैं।

पिछले साल पांच अगस्त को जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद, उमर को ऐहतियातन हिरासत में ले लिया गया था लेकिन 5 फरवरी को उन पर पीएसए लगा दिया गया। हिरासत में उन्होंने 232 दिन गुजारे। मंगलवार को रिहाई के बाद उनके आवास के बाहर मास्क लगाए मीडियाकर्मी और समर्थक उनका इंतजार करते दिखे। उमर पर पीएसए के तहत लगाए गए आरोप हटाने का आदेश गृह सचिव शालीन काबरा की ओर से जारी किया गया। आदेश में कहा गया कि सरकार ने उमर की हिरासत तत्काल प्रभाव से खत्म कर दी है। उमर की रिहाई की खबर मिलने के बाद अस्थाई हिरासत केंद्र में सबसे पहले पहुंचने वालों में उनकी मां थीं। उमर को उनके आधिकारिक आवास से थोड़ी दूर स्थित सरकारी अतिथि निवास हरि निवास में (शेष पेज 9)

राज्यसभा के चुनाव स्थगित, लोस-रास सचिवालय बंद हुआ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण से बनी संकट की स्थिति को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 55 सीटों पर होने वाले चुनाव को स्थगित कर दिया है। ये सीटें अप्रैल में रिक्त होंगी। आयोग ने 25 फरवरी को आयोग 17 राज्यों की 55 राज्यसभा सीटों के लिए 26 मार्च को चुनाव कराने की घोषणा की थी। मतदान और मतगणना की नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी। इस बीच, लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है। राज्यसभा कार्यालय शुक्रवार तक और लोकसभा कार्यालय 31 मार्च तक बंद रहेगा और इस दौरान किसी को भी आने की अनुमति नहीं होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने अपना एक माह का वेतन कोरोना के खिलाफ जंग के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष में देने का ऐलान किया है। (शेष पेज 9)

सरकार ने आम लोगों और उद्योग धंधों को दी राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के कारण लगाए गए लॉकडाउन से अपने घरों में बंद आम लोगों और उद्योग धंधों को आयकर और जीएसटी रिटर्न के लिए 31 मार्च को समाप्त हो रहे वित्त वर्ष की अंतिम तिथि के मामले में सरकार ने कई राहतों की घोषणा की है। सरकार ने आयकर रिटर्न दाखिल करने और जीएसटी रिटर्न भरने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी है।

इसी प्रकार कंपनियों को ऋण शोधन कार्यवाही से बचाने के लिए आईबीसी नियमों में भी कुछ राहत दी गई है। लोगों को उनके घर के पास स्थित एटीएम से नकद निकासी की सुविधा देने के लिए दूसरे बैंकों के एटीएम से नकद निकासी पर लगने वाले शुल्क को 30 जून तक के लिए समाप्त कर दिया गया है। यानी अब कोई भी डेबिट कार्ड धारक किसी भी बैंक के एटीएम से कितनी भी बार नकदी की निकासी बिना शुल्क दिए कर सकता है। यह सुविधा 30 जून

पत्रकारों को संबोधित करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर

- आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून की गई
- 30 जून तक किसी भी बैंक के डेबिट कार्ड से किसी भी बैंक की एटीएम से कितनी भी बार लेनदेन करने पर शुल्क नहीं

तक दी गई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को इन राहतों की घोषणा करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 की आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि तीन माह बढ़ाकर 30 जून 2020 कर दी गई है। इसके साथ ही स्थानीय खाता संख्या (पैन) को बायोमेट्रिक पहचान संख्या आधार के साथ जोड़ने की अंतिम तिथि को भी 30 जून तक बढ़ा दिया गया है। पिछले वित्त वर्ष के लिए माल एवं सेवाकर (जीएसटी) की वार्षिक रिटर्न भरने की अंतिम तिथि को भी 31 मार्च से आगे बढ़ाकर जून 2020 के अंतिम सप्ताह तक कर दिया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कंपनियों द्वारा कर्ज की किस्त नहीं लौटाए जाने और उसे चूककर्ता घोषित किए जाने की सीमा को मौजूदा एक लाख रुपए से बढ़ाकर एक करोड़ रुपए कर दिया गया है। पहले जहां एक लाख रुपए से अधिक के कर्ज डिफाल्ट पर कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्वाई शुरू हो सकती थी अब एक करोड़ रुपए तक के कर्ज लौटाने में चूक के बाद ही यह कार्वाई शुरू हो सकेगी। उन्होंने कहा कि यदि मौजूदा स्थिति 30 अप्रैल 2020 के बाद भी जारी रहती है तो सरकार दिवाला एवं रिण शोघन अक्षमता कानून (आईबीसी) 2016 की धारा सात, नौ, और 10 को छह माह के लिए निलंबित भी कर सकती है ताकि बड़ी संख्या में कंपनियों को दिवाला प्रक्रिया (शेष पेज 9)

लॉकडाउन का उल्लघंन करने पर 12 वाहन जब्त, 32 के चालान

एसडीएम व डीएसपी ने किया मार्केट का दौरा

आवश्यक वस्तुओं को छोड़कर अन्य दुकानों को कराया बंद

पुलिस ने बिना उचित कारण के घूमने वाले वाहन चालकों के काटे चालान

मार्केट का दौरा करते एसडीएम संजय कुमार। बाइक चालक को समझाते एसडीएम व डीएसपी।

रणबीर सिंह रोहिल्ला। गन्नौर

एसडीएम डॉ. संजय कुमार ने डीएसपी संदीप कुमार को साथ लेकर गन्नौर में लॉकडाउन का जायजा लिया। उन्होंने मार्केट का दौरा करते हुए आवश्यक वस्तुओं के अलावा खुली हुई अन्य दुकानों को बंद कराया। डीएसपी संदीप कुमार ने बताया कि लॉकडाउन की उल्लंघना के चलते आज 12 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही करीब 32 लोगों के चालान भी किये हैं।

एसडीएम डॉ. संजय कुमार व डीएसपी संदीप कुमार ने लॉकडाउन का गंभीरता से निरीक्षण किया। उन्होंने एक साथ शहर का निरीक्षण किया। विशेष रूप से मार्केट में दुकानों की जांच की। उन्होंने राशन, किराना और दूध आदि आवश्यक वस्तुओं की दुकानों के अलावा शेष दुकानों को बंद करा दिया। साथ ही उन्होंने वाहन चालकों की भी जांच कराई। बिना किसी उचित कारण के इधर-उधर घूम रहे दोपहिया वाहन चालकों के चालान भी कराये गये।

एसडीएम डॉ. संजय कुमार ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान राशन, किराना की दुकान, फल, सब्जी, दूध-डेयरी, अस्पताल, मेडिकल स्टोर, पेट्रोल पंप व गैस एजेंसी, एटीएम, बैंक और मीडिया, पुलिस व प्रशासन कर्मियों को ही अनुमति दी है।

उन्होंने कहा कि पांच से अधिक व्यक्तियों का एकत्रित होना बंद कर दिया है। अकारण घर से बाहर नहीं निकल सकते। फैक्ट्री, वर्कशॉप, गोदाम, शॉपिंग मॉल, रैस्टोरेंट, टैक्सी, ई-रिक्शा, मेला, जुलूस, धार्मिक एवं सामाजिक उत्सव आदि पर रोक रहेगी।

झूठे संदेश व अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम डॉ. संजय कुमार ने लोगों का आह्वान किया कि वे सावधान रहें और घरों में रहें। ऐसा करके वे सुरक्षित रहेंगे। नोवल कोरोना वायरस-19 को फैलने से रोकने लिए जन सहयोग अपेक्षित है।

प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें

उन्होंने कहा कि गंभीर संक्रमण को रोकने लिए जरूरी है कि स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की विदेश यात्रा की जानकारी प्रशासन से छिपानी नहीं है। मास्क और सैनेटाइजर का नियमित रूप से उपयोग करें। उपमंडल प्रशासन ने कंट्रोल रूम की स्थापना की है, जिसके नंबर- 0130-2460810 पर संपर्क कर संबंधित जानकारी दी जा सकती है। इस दौरान डीएसपी संदीप कुमार ने बताया कि लॉकडाउन की उल्लंघना के चलते आज 12 वाहनों को जब्त किया गया है। साथ ही करीब 32 लोगों के चालान भी किये गये हैं।

रादौर में लॉकडाउन का नहीं दिखा असर, बेखौफ घूमते नजर आए लोग

कॉलेज रोड पर दुकानें बंद कराते एसडीएम कंवरसिंह।

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

कोरोना वायरस को लेकर सरकार द्वारा प्रदेश में लॉकडाउन किये जाने का असर मंगलवार को शहर कुछ खास देखने को नहीं मिला। लॉकडाउन के दौरान शहर में जरूरी सामान की दुकानें खुली रहीं। इस दौरान लोगों ने बड़ी संख्या में किरयाने की दुकान से सामान खरीदा। शहर में दवा, सब्जीवाला, डेरी व अन्य जरूरत के सामान की दुकानें खुली रहीं। लॉकडाउन के दौरान सुबह शहर के मेन बाजार में कपड़े वाले, मनियारी, मोबाइल व अन्य दुकानदारों ने अपनी दुकानें खोल रखी थीं।

एसडीएम रादौर कंवर सिंह ने शहर के मेन बाजार का दौरा कर पुलिस को ऐसी दुकानें बंद करने के आदेश दिए जो नियमों का उल्लंघन करके खोली गई थीं। पुलिस ने ऐसी दुकानों को तुरंत बंद करा दिया। एसडीएम रादौर कंवर सिंह ने दोपहर के समय अपने कार्यालय में शहर के दवाई और किरयाना दुकानदारों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने दवा विक्रेताओं को आदेश दिये कि वे नियमों के अनुसार तय दाम पर मास्क व सैनेटाइजर बेचने का काम करें। ग्राहकों से अधिक दाम लेने पर प्रशासन उनके विरुद्व कड़ी कार्रवाई करेगा। दुकानदारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि लॉकडाउन के दौरान कालाबाजारी करने की कौशिश की तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दुकानदार सरकार व प्रशासन के दिशानिर्देश अनुसार कार्य करे।

बिना वजह सड़कों पर घूमते देखे गए लोग

मंगलवार को लॉकडाउन के दौरान शहर व क्षेत्र के लोगों को बाजारों में बाइक व कारों से बिना वजह इधर-उधर घूमते देखा गया। बड़ी संख्या में लोग लॉकडाउन का उल्लघंन करते देखे गये। शहर में पुलिस सुरक्षा न के बराबर देखी गई। असमाजिक तत्व बाइकों से सड़कों पर मंडराते रहे। जिनके ऊपर मानो कोरोना वायरस की बीमारी का कोई भय न हो।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम ने पार्षदों को बाटने के लिए दिए आठ हजार मास्क

रादौर। मंगलवार को एसडीएम रादौर कंवरसिंह ने शहर के पार्षदों को अपने-अपने वार्ड में लोगों को बांटने के लिए आठ हजार मास्क प्रदान किये। जिन्हें शहर के सभी 13 पार्षद अपने अपने वार्डों में वितरित करेंगे। एसडीएम ने शहर के पार्षदों की बैठक लेते हुए कहा कि पार्षद अपने अपने वार्ड के लोगों को कोरोना वायरस की बीमारी को लेकर जागरूक करें। वार्ड के लोगों से अपील करें कि वे लॉकडाउन के दौरान अपने घरों से बाहर न निकलें और केवल जरूरी सामान लेने के लिए ही घर से बाहर निकलें। प्रशासन की ओर से मंगलवार से ही धारा 144 लगाई जा रही है। जिसके बाद पांच लोग से ज्यादा एक जगह इक्कठा नहीं हो पाएंगे। नियमों का उल्लघंन हुआ तो प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। दोपहर बाद शहर के पार्षदों ने अपने-अपने वार्ड में घर-घर जाकर लोगों को मास्क वितरित किए।

हरियाली युवा संगठन ने मास्क बांटे

इंद्री। हरियाली युवा संगठन द्वारा गांव जोहड़ माजरा में कोरोना वायरस के प्रति जागरुकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर बच्चों और महिलाओं को मास्क बांटे गए। अभियान की अगुवाई संगठन पदाधिकारी केहर सिंह एव नीरु देवी ने की। केहर सिंह ने कहा कि कोरोना महामारी को पराजित करने में हर वर्ग नि:स्वार्थ भाव से आगे आकर सहयोग करे। यह एक सराहनीय व देशहित की सोच है। उन्होंने कहा कि हमारे बुलंद इरादों से कोरोना की हार होगी और इस विश्व संकट की परीक्षा में सफल होंगे। केहर सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस को लेकर किसी भी प्रकार की अफवाहें मत फैलाएं, अपने आसपास साफ सफाई रखें और आवश्यकता पड़ने पर ही घर से बाहर निकले। बार-बार साबुन या सैनेटाइजर से हाथ धोए और हाथ जोडकर एक-दूसरे का अभिवादन करें। खांसते और छीकते समय रुमाल या कोहनी का उपयोग करें। वैश्विक महामारी को फैलने से रोकने में एकजुट होकर सहयोग दें। विशेषकर युवा वर्ग इस ओर ध्यान दें। अनावश्यक इधर-उधर नहीं घूमें। सरकार व प्रशासन के कोरोना वायरस के प्रति जागरुकता मुहिम में सभी सहयोग करें। इस मौके परसन्नी, राहुल, जयसिंह, अमित, अनमोल, बंटी, गुलाब सिंह, पूर्ण चन्द्र, बाबूराम,बीरबान, मुकेश, अखिल, सागर, हरिराम, कमला, कोमल, ओमबति, केला, सुनिता, संतोष, सोना, भति, राजकुमारी, रितिका, कशिश, संतोष आदि मौजूद रहे।

पवन कुमार सिंगला मंदिर सुधार सभा इंद्री के प्रधान बने

इंद्री। मंदिर सुधार सभा इन्द्री के सदस्यों की एक मींटिग देवी मंदिर के कार्यालय में संपन्न हुई जिसमें मौजूदा प्रधान पवन कुमार सिंगला को अगले दो वर्षो के लिये फिर से प्रधान बनाया दिया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए पवन कुमार सिंगला ने बताया कि उन्हें जो जि मेवारी फिर से सौंपी गई है वो उस पर खरा उतरने का पुरजोर प्रयास करेगें ओर पूरी ईमानदारी से सभी को साथ लेकर अपनी जि मेवारी को निभायेगें। उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी में जय ड्क्षसह नंबरदार व संत लाल खुराना को उपप्रधान, रमेश सिंगला को सचिव, मुकेश मंगला को सह सचिव, जय भगवान जिंदल को खंजाची, राहुल सिंगला को सह खंजाची, जय प्रकाश बंसल को प्रैस प्रवक्ता, नीरज गर्ग को आड़िटर तथा सुभाष जिंदल, सतीश मित्तल, आनंद जिंदल, सचिन गोयल व राजीव गोयल को सलाहकार बनाया गया है।

हत्या की घटना में शामिल चार आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना शहर गोहाना पुलिस ने हत्या की घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी बलजीत, अरूण, रितिक व अमित निवासी खंदराई जिला सोनीपत के रहने वाले है। पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि गत 13 मार्च को सुमित निवासी खंदराई ने थाना शहर गोहाना में शिकायत दी थी कि संदीप, जयभगवान व 7-8 व्यक्तियों ने उसे जान से मारने की नियत से लोहे की राड मारकर घायल कर दिया। बाद में रोहतक पीजीआई में उपचार के दौरान सुमित की मौत हो गई। अनुसंधान टीम ने संदीप, जयभगवान व रामेहर निवासी खंदराई को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ करने पर बताया था कि पहले हुई कहासुनी की रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया था। अनुसंधान टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल चार और आरोपियों बलजीत, अरूण, रितिक व अमित निवासी खंदराई को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त फरसा व डंडा भी बरामद कर लिया गया है। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

प्रेरणा वृद्धाश्रम के वृद्धों में भी है कोरोना को हराने का जज्बा

कुरुक्षेत्र। प्रेरणा वृद्धाश्रम में वृद्धों का जज्बा देखकर लगता है कि कोरोना वायरस को भी यहां के लोगों की हिम्मत और जागरूकता देखकर मुंह की खानी पड़ेगी। सरकार और प्रशासन की तरह ही सवयंसेवी संस्थाएं भी इस विपदा की समय में आगे आई हैं और दिनरात विशेष कर गरीब और असहाय लोगों की सेवा में जुटी हैं। इन्हीं में कुरुक्षेत्र के प्रेरणा संस्था के वृद्धों एवं गांव अमीन की उम्मीद संस्था की ग्रामीण महिलाओं द्वारा जरूरत मंद लोगों द्वारा अपने संसाधनों से ही दिनरात मास्क बनाने का कार्य किया जा रहा है। प्रेरणा वृद्धाश्रम में वृद्धों द्वारा सिलाई मशीनों पर मास्क बनाने का नजारा ही अलग है। प्रेरणा के संस्थापक जयभगवान सिंगला ने कहा कि जिस समय पूरा विश्व कोरोना वायरस की महामारी से लड़ रहा है तो स्वयंसेवी संस्थाओं को आगे आकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संस्थाओं को लोगों में जागरूकता पैदा करनी होगी तथा पैनिक को फैलने से रोकना होगा। सिंगला ने बताया कि प्रेरणा वृद्धाश्रम की वृद्ध महिलाएं गरीब और असहाय लोगों को मास्क एवं सैनेटाइजर उपलब्ध करवाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हमे इस समय भारतीय संस्कृति का पालन करना है। तभी जरूरतमंद लोगों की सेवा करके कोरोना के दानव को हरा सकते हैं। प्रेरणा संस्था की अध्यक्षा रेणु खुंगर ने कहा कि आश्रम की महिलाएं बाजार कपड़ा लेकर पहले डिटोल और सर्फ से धोती हैं और फिर मास्क सिलती है। मास्क के तैयार होने के बाद उसे फिर से दोबारा धोया जाता है। प्रतिदिन आश्रम में तैयार हुए मास्कों को जरूरतमंद व गरीब लोगों को वितरित किया जाता है, तांकि कोरोना से लड़ा जा सके और उसे हराया जा सके। इसी तरह आश्रम में रहने वाली वृद्धा सुधा गुप्ता ने बताया कि कोरोना वायरस से डरने की आवश्यकता नहीं है बल्कि आवश्यकता है कि अपने आप को सावधान करके उससे सामना करना है तथा कोरोना को हराना है। उन्होंने बताया वृद्धाश्रम की महिलाओं द्वारा प्रतिदिन करीब दो सौ से अढाई सौ मास्क तैयार किये जाते है। इन तैयार मास्कों को जरूरतमंद लोगों में वितरित किया जाता है। इसी प्रकार गांव अमीन की रुपाली ने बताया कि गांव की महिलाओं द्वारा मास्क तैयार कर के गरीब लोगों के लिए भेजा जा रहा है।

निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में पांच गिरफ्तार

कुरुक्षेत्र। निषेधाज्ञा का उल्लघन करने पर पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने राज्य में धारा 144 या अन्य कानूनी प्रावधानों के अनुसार आम लोगों के अवागमन पर रोक लगाई जाएं, ताकि कोरोना वायरस का संक्रमण एक-दूसरे व्यक्ति तक ना जा सके। हरियाणा सरकार ने कोरोना वायरस के सम्बंध में सभी जिलों में धारा 144 लागू की है। इस बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

लॉकडाउन : घर से बाहर निकले लोगों को पुलिस ने भेजा वापस

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

कोरोना वायरस को लेकर हरियाणा सरकार द्वारा किया गया लॉकडाउन पूरी तरह सफल रहा। हालांकि सडक़ों पर कुछ लोग नजर जरुर आए, लेकिन वे भी या तो बीमार थे या फिर सरकारी कर्मचारी। हालांकि उन्हें पुलिस द्वारा की जा रही जांच का सामना जरुर करना पड़ा। अपने-अपने विभाग के आईकार्ड दिखाने पर नाकों पर खड़े पुलिस कर्मचारियों ने उन्हें जाने दिया। इस तरह मंगलवार को पहले दिन लॉकडाउन का पूरा असर दिखाई दिया। पुलिस के साथ प्रशासन की टीम लगातार लॉकडाउन को प्रभावी बनाने में लगी रही।

शहर पूरी तरह से बंद रहा और बाजार में सिर्फ खाद्य पदार्थ की दुकानें ही खुली रहीं। शहर को सील कर आने-जाने वाले लोगों को रोककर पुलिस पूछताछ करती रही। इसके अलावा पब्लिक ट्रांसपोर्ट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। ऑटो व थ्री-व्हीलर चालकों को पुलिस ने शहर में घूसने तक नहीं दिया। इस दौरान सिर्फ आवश्यक सामान की दुकानों को ही खोला जा रहा है, जिसके चलते पूरा बाजार बंद हो गया है। रेलवे रोड मार्किट, मेन बाजार, सेक्टरों की मार्किट हर जगह दुकानें बंद रही। सुबह के समय से ही खाद्य पदार्थों के सामान की दुकानों पर लोग दिखाई दिए। लोगों ने खाद्य पदार्थों के साथ ही दूध-दही व अन्य सामान की खरीददारी की। मार्किट में परचून की दुकानों पर लोगों का आवागमन लगा रहा। पुलिस ने दुकानों पर भीड़ एकत्रित नहीं होने दी। पुलिस लोगों को भीड़ नहीं जुटाने पर आगाह करती रही। जिले में लॉकडाउन की घोषणा के बाद मंगलवार को शहर के कई दुकानदार चोरी छिपे दुकान खोलते दिखे। जिसकी सूचना पाकर पुलिस ने मोर्चा संभाला और शहर में दुकानें खोलने वालों को चेतावनी दी कि वह दुकानें बंद करें। सिर्फ जरूरी सामान वालों को ही यह छूट दी गई है। जिसके बाद दुकान बंद कर दी गई।

लॉकडाउन के दौरान घर से निकले लोगों से पूछताछ करते पुलिस कर्मचारी।

पुलिस प्रशासन का कहना है कि लोगों को लॉकडाउन में सिर्फ जरूरी सामान की दुकान खोलने की अनुमति मिलेगी। अन्य दुकान खोलेगा तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। वही कुछ लोगों ने भी आने वाले दिनों में होने वाली परेशानी को देखते हुए अपने घरों में राशन स्टॉक करना शुरू कर दिया है। ऐसे लोगों को दो से तीन थैलों में दैनिक जीवन मे उपयोग होनी वाली सामग्री को खरीद कर अपने घरों में ले जाते देखा गया।

एसडीएम सुमित सिहाग ने दिखाई सख्ती, कई वाहनों का किया चालान

पायनियर समाचार सेवा। इंद्री

कोरोना महामारी को लेकर पूरे प्रदेश में लॉकडाउन लागू किया गया है इसी के चलते इंद्री में भी आज कुछ जरूरी वस्तुओं की दुकानों को छोड़कर सभी दुकानें बंद रहीं लेकिन सड़कों पर वाहनों और लोगों का आवागमन जारी रहा।

इंद्री के एसडीएम सुमित सिहाग ने डीएसपी रणधीर सिंह, बीडीपीओ अंग्रेज सिंह मोर व थाना प्रभारी सतपाल को साथ लेकर शहर के बाजारों में गश्त लगाई ओर बिना मतलब चल रहे वाहनों व अनावश्यक रूप से बाजारों में घूम रहे लोगों को समझाया और कुछ एक वाहन मालिकों के चालान भी किए। इस बारे में जानकारी देते हुए एसडीएम सुमित सिहाग ने बताया कि सरकार के आदेशों के अनुसार पूरे प्रदेश में लाकडाउन लागू किया गया है। केवल दवाइयों, चिकित्सकों, सब्जी व किराने की दुकानों को छोड़कर कोई भी दुकानदार अपनी दुकानें न खोलें। अगर कोई दुकानदार कानून का उल्लघंन करता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल जरूरी हो तभी घर से बाहर निकले। ज्यादातर घर में ही रहें। एक-दूसरे से बातचीत में एक मीटर की दूरी बना कर रखें। सिहाग ने कहा कि यदि किसी के घर में कोई शादी या कोई कार्यक्रम है तो उसमें केवल पांच लोग ही शामिल हो सकते हैं। उन्होंने सभी शहरवासियों से इस कार्य में प्रशासन का पूर्ण सहयोग करने की अपील की।

अज्ञात वाहन ने दो मासूम बच्चियों को कुचला, मौत

सोनीपत। जिले के कस्बे गोहाना में तेज रफ्तार के कहर से दो मासूम बच्चियों की मौत हो गई। गोहाना-महम रोड पर गांव कथूरा के पास सडक़ पार कर रही दो मासूमों को एक अज्ञात वाहन ने अपने चपेट में ले लिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों बच्चियां ईंट भट्ठे पर परिवार के साथ रहती थी और दोनों की उम्र करीब 10 व 8 साल है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद बरोदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों लड़कियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोहाना के नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। जांच अधिकारी ने बताया कथूरा गांव के पास अज्ञात वाहन ने दो लड़कियों को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सामान्य अस्पतालों में उपकरण खरीदने के लिए सांसद ने दिए 50 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

कोरोना से लड़ाई के चलते करनाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद संजय भाटिया ने अपने संसदीय क्षेत्र में स्थित करनाल व पानीपत के सामान्य अस्पतालों में आवश्यक उपकरणों की खरीद हेतु सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास स्कीम से 50 लाख रुपये की राशि देकर एक सराहनीय कदम उठाया है।

इस संबंध में सांसद की ओर से जारी पत्र में दोनों जिलों के अतिरिक्त उपायुक्त को आज ही 25-25 लाख रुपये की राशि का पत्र भी जारी कर दिया गया है। संकट की इस घड़ी में सांसद ने सभी लोगों से संयम बरतने और अपने घर पर रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए जिस तरह से मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और डाक्टरों की ओर से लगातार एडवाईजरी जारी की जा रही हैं, उनका पालन करना जरूरी है। अपनी और दूसरों की रक्षा के लिए अच्छे स्वच्छता शिष्टाचार का अनुसरण करें।

सांसद ने अपने हल्के की तमाम जनता से कहा कि बचाव में ही बचाव है। एक व्यक्ति दूसरे से दूरी रखे, बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश और सिरदर्द के लक्षण कोरोना के लक्षण हो सकते हैं। इनसे बचाव के लिए अपने हाथ साबुन से धोएं, सैनिटाईजर हमेशा अपने पास रखें। मास्क का प्रयोग करें, बिना हाथ धोए अपनी आंख, मुंह व नाक को ना छुएं। भोजन, पेय पदार्थ एक-दूसरे के साथ साझा करने से बचें।

मोबाइल लूटने की घटना में शामिल दो गिरफ्तार

सोनीपत। थाना सिविल लाईन ने मोबाईल लूटने की घटना में शामिल दो युवकों को गिरफ्तार किया है। युवक शेखर निवासी पांची व समुन्द्र निवासी राजलूगढ़ी जिला सोनीपत के रहने वाले है।

पुलिस प्रवक्ता जगजीत सिंह ने बताया कि पूर्ण निवासी कुशनगर मध्यप्रदेश हाल ढाबा बहालगढ़ ने थाना सिविल लाईन में शिकायत दी थी कि शेखर निवासी पांची व समुन्द्र निवासी राजलूगढ़ी ने ओल्ड डीसी रोड़ की सीमा से उसका मोबाइल छीनकर लिया।

अनुसंधान टीम ने घटना में शामिल उक्त युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। युवकों के बताये अनुसार लूटा गया मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है। युवकों को न्यायालय में पेशकर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया है।

इक्विटी मार्केट्स में तेज गिरावट

बाजार का ताजा हाल - सुश्री ज्योति वासवानी, मुख्य निवेश अधिकारी, फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हाल के दिनों में पूरी दुनिया में इक्विटी मार्केट्स में तेज गिरावट देखी गयी है। यह अभूतपूर्व समय है और हर ओर डर छाया हुआ है। इस लेख में हम बाजार की चाल की व्याख्या और बाजार के बारे में अपने विचार रखने की कोशिश कर रहे हैं।

बाजारों ने चाल क्यों बदली है ?

विगत कुछ सप्ताहों में वैश्विक और भारतीय इक्विटी बाजार में अभूतपूर्व दौर देखने को मिल रहा है। माहौल में विश्वास के संकट के कारण पूरी दुनिया में चरम अधोगामी संशोधन देखने को मिला है। बाजार में इस तेज गिरावट की उत्पत्ति कोविड-19 के नाम से प्रचलित, नोवेल कोरोनावायरस के प्रकोप में हुई है। चीन के वुहान शहर से आरम्भ होने वाला नोवेल कोरोनावायरस अब 160 से अधिक देशों में फैल चुका हैं, जिनमें कोरिया, इटली, ईरान और स्पेन सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। हालांकि, कोविड की वैश्विक स्थिति अभी भी अस्थिर है जैसा कि वायरस पूरी दुनिया में फैलकर एक विश्वव्यापी महामारी बन रहा है, किन्तु यह बड़ी राहत की बात है कि इसके केंद्र चीन में नए मामलों में तेजी से कमी आ रही है। इससे किसी भी गंभीर परिस्थिति पर मानव प्रजाति के विजय प्राप्त करने का सामर्थ्य प्रदर्शित होता है। हालांकि यह स्पष्ट है कि विश्वव्यापी महामारी के भय से विश्व स्तर पर बाजार सिकुड़ रहे हैं, हम मानते हैं कि कोरोना वायरस को लेकर जो शोर है वह काफी हद तक जायज है, किन्तु इसके साथ ही इसमें डर और अति प्रतिक्रिया का प्रभाव ज्यादा है। हम सभी जानते हैं कि अतिप्रितिक्रिया पूंजी बाजार पर मानव व्यवहार का संभवत: सबसे सामान्य प्रभाव होता है। डर और लालच की स्थिति में लोग उत्तेजक प्रतिक्रिया करने लगते हैं। यह सोच इस तथ्य से पैदा होती है कि संक्रमण के कथित 2,50,000 मामलों में मृत्यु का अनुपात लगभग 11,000 की संख्या के साथ 4 प्रतिशत के दायरे में है। यह दर्शाता है कि यह वायरस एचआइवी, चेचक, इबोला, स्वाइन फ्लू, आदि जैसी महामारियों, जिनमें मौतों की संख्या काफी ज्यादा थी।

जेसीआई करनाल सिटी ने नि:शुल्क मास्क बांटे

करनाल। कोरोना से बचाव के प्रयासों के चलते मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था जेसीआई की करनाल सिटी शाखा ने एक अच्छी पहल कर सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय परिसर में सैनेटाइजर और मास्क बांटे।

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार आयुष विभाग ने इसमें सहयोग दिया जबकि अतिरिक्त उपायुक्त अनीश यादव ने सरकारी कर्मचारियों को सैनेटाइजर देकर शुरुआत की। आयुष विभग के जिला अधिकारी डॉ. सतीश खटकड़, डॉ. राजबीर लांगियान और जेसीआई करनाल सिटी के प्रधान अनूप भारद्वाज भी थे। इस अवसर पर अनीश यादव ने जेसीआई के प्रयासों की सराहना की और कहा कि संकट की घड़ी में पूरा विश्व कोरोना महामारी को लेकर चिंतित है और इससे बचाव के लिए प्रयास कर रहा है।

सरकारी आदेशों की अवहेलना करने पर एरोमैटिक कंपनी के निदेशक व इंचार्ज गिरफ्तार

सरकारी आदेशों की अवहेलना करने वालों पर होगी कार्रवाई

सोनीपत। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए हरियाणा सरकार व स्वास्थ्य मंत्रालय के आदेश की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने लॉकडाउन के चलते सरकारी आदेशों की अवहेलना करने व 500 से ज्यादा व्यक्तियों को एकत्रित करने पर एरोमैटिक कंपनी के निदेशक व इंचार्ज आशीष निवासी गंगाना हाल निदेशक एरोमैटिक कंपनी लिवासपुर जिला सोनीपत व ब्रिजेश निवासी रामगवार जिला सरस्वती यूपी का रहने वाला है। पुलिस अधीक्षक जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि पुलिस को सूत्रों से सूचना मिली थी लिवासपुर स्थित एरोमैटिक कंपनी में 500 से अधिक व्यक्ति एकत्रित हुये है। पुलिस टीम द्वारा छानबीन करते हुए उक्त आशीष व ब्रिजेश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के विरुद्ध थाना राई में मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि आदेशों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना वायरस को लेकर भारत सरकार व हरियाणा सरकार ने लॉकडाउन घोषित किया है। जिला प्रशासन द्वारा कोरोना वायरस से संक्रमित चिंहित व्यक्ति अगर बाहर घुमता हुआ दिखाई दे तो तुरन्त इसकी सूचना पुलिस कंट्रोल रूम सोनीपत न0 0130-2222903 या संबंधिक थाना क्षेत्र व स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें।

शाहीन बाग से हटाए गए प्रदर्शनकारी

छह महिलाओं से समेत 9 हिरासत में, तीन माह से जारी था सीएए विरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस खतरे के कारण राजधानी में लॉकडाउन के बीच दिल्ली पुलिस ने शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन पर बैठे लोगों को मंगलवार सुबह वहां से हटा दिया। पुलिस ने वहां लगे तंबू, टेंट,पोस्टर आदि भी हटा कर सड़क को इमरजेंसी सेवाओं को खोल दिया। पुलिस उपायुक्त आर पी मीणा ने बताया कि छह महिलाओं समेत कुल नौ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है। शाहीन बाग खाली कराने की खुशी में स्थानीय लोगों ने डीसीपी मीणा समेत अन्य पुलिस अधिकारियों को दिए गुलाब का फूल देकर उनका स्वागत किया। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में गत सौ0 दिन से ज्यादा समय से चल रहा था विरोध। इनमें अधिकांश महिलाएं शामिल थीं।

आरपी मीणा ने कहा कि कोरोना वायरस प्रकोप के कारण लॉकडाउन लागू किए जाने के बाद शाहीन बाग में प्रदर्शन स्थल को खाली करने का अनुरोध किया गया था। जब प्रदर्शनकारियों ने जगह खाली नहीं की तो कार्रवाई की गई। जिस समय प्रदर्शन स्थल को खाली कराया गया, उस समय वहां कई प्रदर्शनकारी थे। प्रदर्शन स्थल पर एक कार्यकर्ता ने नाम जाहिर नहीं किए जाने का अनुरोध करते हुए कहा कि पुलिस को अपील के बाद अधिकतर प्रदर्शनकारियों ने जगह खाली कर दी लेकिन कुछ ने जाने से मना कर दिया। तब पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। कोरोना वायरस को लेकर बने हालात के काबू में आने के बाद प्रदर्शन फिर से शुरू करने के बारे में फैसला किया जाएगा। रविवार को जनता कर्फ्यू के दौरान शाहीन बाग में केवल पांच महिलाएं थीं वहीं अन्य लोग उनके साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए अपनी चप्पलें छोड़ गए थे। एक कार्यकर्ता ने बताया कि कोरोना वायरस के खतरे के बीच प्रदर्शनकारी महिलाएं पूरी सावधानी बरत रही थीं और वहां सैनिटाइजन की भी व्यवस्था की गई थी।

इस बीच दक्षिण दिल्ली के हौज रानी में भी मंगलवार सुबह दिल्ली पुलिस की अपील के बाद प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि प्रदर्शन स्थल को मंगलवार सुबह करीब सात बजे खाली करा लिया गया। सीएए के खिलाफ यहां केवल दो-तीन प्रदर्शनकारी धरने पर बैठे थे और उनकी अपील के बाद वे वहां से चले गए।

शाहीनबाग में प्रदर्शनकारियों को हटाती दिल्ली पुलिस। फोटो : रंजन डिमरी

मौसम का बदला मिजाज, जारी रहेगी बादलों की लुकाछिपी

नई दिल्ली। हिमालय क्षेत्र में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के कारण मंगलवार को दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश और तेज हवाओं के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव ने बताया कि पिछले कई घंटों में पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के कारण मंगलवार को दिल्ली एनसीआर में हल्की बारिश के साथ हवा की गति में इजाफा दर्ज किया गया।

डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि मौसम के रुख में बदलाव के कारण तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने का अनुमान है। इस सप्ताह अगले चार दिनों तक मौसम के रुख में इसी तरह का उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हिमालय क्षेत्र में एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण दिल्ली व आसपास के इलाकों में कुछ दिनों में हल्की बारिश, तेज हवाएं और धूल भरी आंधी आने की संभावना है।

आपात सेवाओं के लिए बनाई अलग लेन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लॉकडाउन को कारगर बनाने के लिए सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहने के दौरान दिल्ली से सटे नोएडा को जोड़ने वाले मार्गों पर दिल्ली पुलिस आपात वाहनों के लिए अलग लेन बनाई हैं ताकि इमरजेंसी सेवाओं से जुड़े लोगों के वाहनों का आवागमन आसानी से हो सकें।

कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सोमवार से लॉकडाउन घोषित होने के बाद दिल्ली को नोएडा से जोड़ने वाले मार्गों पर पुलिस द्वारा वाहनों के आवागमन को रोकने के दौरान आपात सेवाओं में लगे कर्मियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा था। दिल्ली नोएडा संपर्क मार्गों पर इस संबंध में पोस्टर भी लगा दिया गया है। इस लेन का इस्तेमाल डॉक्टर, मीडिया, एंबुलेंस, पुलिस और अन्य आपात सेवाओं से जुड़े कर्मियों के वाहनों को यहां से आने जाने की छूट देने की जानकारी दी गई है।

पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त जसमीत सिंह ने ट्वीट कर बताया कि आपात सेवाकर्मियों के वाहनों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए दिल्ली नोएडा बॉर्डर पर अलग लेन बनाई गई है। पुलिस ने लॉकडाउन के पिछले चौबीस घंटों के दौरान लोगों को हुई परेशानी के मद्देनजर यह कदम उठाया है।

सोशल मीडिया पर लॉकडाउन से जुड़े सवालों का जवाब देगी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में लॉकडाउन के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब सोशल मीडिया के जरिए दिल्ली पुलिस देगी।उसने अपने आधिकारिक ट्वविटर हैंडल पर लिखा कि लोग मंगलवार शाम पांच बजे से छह बजे के बीच लोग लॉकडाउन यानी बंद के बारे में अपने सवाल पूछ सकते हैं। पुलिस उनके सवालों का जवाब देगी। इसके साथ ही पुलिस ने लोगों को बीमारी से दूर रहने के लिए घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी है।

आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए पुलिस ने कहा दिल्ली वाले अगर लॉकडाउन को लेकर आपके कोई सवाल हैं तो वे शाम पांच से छह बजे के बीच आधिकारिक ट्विर हैंडल पूछ सकते हैं। हम आपके सवालों के जवाब देंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना वायरस के प्रसार पर काबू के लिए इकतीस मार्च तक राष्ट्रीय राजधानी में पूर्ण बंद की रविवार को घोषणा की थी। दिल्ली पुलिस ने उसी दिन निषेधाज्ञा लागू कर दी थी और विरोध प्रदर्शनों तथा अन्य कार्यक्रमों पर इस माह के अंत प्रतिबंध लगा दिया था।

प्रशासन की सख्ती के बावजूद बाज नहीं आ रहे लोग

गाजियाबाद। जिला प्रशासन द्वारा विश्वव्यापी बीमारी कोरोना वायरस के खिलाफ किए जा रहे लॉकडाउन पर सख्ती के बावजूद कुछ लोग फिर भी बाज नहीं आ रहे और वह छोटे-छोटे कामों के लिए बाहर निकल रहे हैं। वहीं कुछ युवक मौज मस्ती के लिए इधर-उधर घूम रहे हैं।

इसे लेकर पुलिस ने अपना सख्त रवैया अपनाया है। एसएसपी गाजियाबाद कलानिधि नैथानी ने बताया कि जिला गाजियाबाद में कोराना वायरस को लेकर चलाए जा रहे शटडाउन के अंतर्गत नियम तोड़ने वालों पर पुलिस प्रशासन सख्त है और इस सिलसिले में जिले में अब तक 110 एफआईआर 494 लोगों को नामजद करते हुए दर्ज की गई है।

नोएडा में सैनेटाइज करने में प्राधिकरण ने झोंकी पूरी ताकत

साढ़े चार हजार से ज्यादा स्थाई और अस्थाई कर्मी काम में जुटे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

प्राधिकरण की पचास से अधिक टीमों को शहर सैनेटाइजेशन के काम में लगा दिया है। नोएडा के करीब साढ़े चार हजार स्थाई और अस्थाई कर्मचारी इस काम में जुटे हुए हैं। कोरोना वायरस को सोडियम हाईपोक्लोराइड एवं एल्कोहल बेस में आईसोप्रोपाइल को पानी के टैंकर में मिलाकर छिड़काव करते हुए डिसइफेक्टेड किया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक सलिल यादव ने बताया कि मंगलवार को भी शहर और गांवों में सफ़ाई कार्यों को सुचारु रूप से चलाया गया। सैनेटाइजेशन के कार्यों पर प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी लगातार समीक्षा करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि पानी के टैंकरों के अलावा मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों में भी पानी की उपलब्धता रहती है। ऐसे में इन दोनों माध्यम से पानी का छिड़काव शहर के कोने-कोने में किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 31 मार्च तक रहेगी।

गौरतलब है कि एक सप्ताह से संक्रमण मुक्त कराने का अभियान चलाया जा रहा है। सीईओ रितु माहेश्वरी ने ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह ने शहर के तमाम क्षेत्र का निरीक्षण भी किया और करीब दो घंटे तक घूमकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। ओएसडी इंदु प्रकाश ने बताया कि सीईओ ने जायजा लेकर देखा कि निर्देश के तहत पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी व पानी टैंकर उपलब्ध हैं या नहीं। सभी लोग काम करते हुए मिले। उन्होंने 100 हैंड स्प्रे मशीन खरीदने के आदेश दिए हैं। अभी विभाग के पास ऐसी 45 मशीनें हैं।

विभाग के कर्मचारी पीठ में इस मशीन को डालकर उन गलियों तक में छिड़काव करेंगे जहां पर पानी के टैंकर नहीं जा पा रहे हैं। इसके अलावा टैंकर के जरिए छिड़काव के समय पाइप के आगे नोजल लगाई जाएगी। इससे दोगुनी क्षमता के साथ पानी का छिड़काव हो सकेगा। व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्र बंद पड़े हुए हैं। ऐसे में आवासीय क्षेत्र को ठीक ढंग से कवर कर संक्रमण मुक्त बनाया जाए।

शहर के 726 पार्कों में टहलने पर लगी रोक

नोएडा। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने और इस पर जल्द से जल्द काबू पाने के लिए नोएडा अथॉरिटी ने मंगलवार को शहर के सभी 726 पार्कों में लोगों के टहलने और घूमने पर रोक लगा दी है। जानकारी के अनुसार, नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने निर्देश जारी कर शहर में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए नोएडा के सभी 726 पार्कों में टहलने एवं एकत्रित होने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। उन्होंने लोगों से खुद ही लॉकडाउन का पालन करने की अपील की है।

दूधिया बनकर बाइक से घूम रहा था युवक, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लॉकडाउन का उल्लंघन करने के लिए लोग कई गलत तरीके अपना रहे हैं। विजय नगर पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो दूध क डिब्बा लेकर सड़क पर घूम रहा था। जब पुलिस ने तलाशी ली तो पता चला कि दूध का डिब्बा खाली है और उसमें जंग लगी है।

विजयनगर थाने के एसएचआइ इमाम जैदी ने बताया कि वह टीम के साथ क्रॉसिंग रिपब्लिक में बैरिकेडिंग लगाकर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान काले रंग की नई स्प्लेंडर बाइक पर सवार हो बम्हैटा निवासी विक्रम नाम का युवक आया और दूध की सप्लाई के लिए बैरिकेडिंग हटाने को कहा। इमाम जैदी के मुताबिक बाइक बिल्कुल नई थी, जैसी आम दूधियों की नहीं होती। डिब्बा और इसे बाइक पर लटकाने का तरीका भी अलग था।

पुलिस के कहने पर विक्रम ने डरते-डरते डिब्बा खोला। डिब्बे के अंदर देख मौके पर मौजूद पुलिस वाले भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए, क्योंकि डिब्बे में अंदर पूरी तरह जंग लगी हुई थी। एसएचओ नागेंद्र चौबे ने बताया कि पुलिस पूछताछ में विक्रम लॉकडाउन के दौरान बाहर निकलने की कोई भी सही वजह नहीं बता पाया। उसके मुताबिक वह दूधिया बनकर घूमने निकला था।

नोएडा में आने जाने के लिए बनेंगे पास

नोएडा। पुलिस आयुक्त गौतम बुद्ध नगर आलोक सिंह ने कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम हेतु जिले में शासन के निर्देशों के अनुरूप किए गए लॉकडाउन के दौरान मीडिया, आईटी कंपनियों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं को सुचारू रखने तथा किसी भी स्थान पर वाहनों, व्यक्तियों की भीड़ न लगने देने के उद्देश्य से आवागमन के संबंध में पास निर्गत किए जाने की व्यवस्था की है।

इसके लिए डीसीपी प्रथम संकल्प शर्मा को नोडल अधिकारी नामित किया है तथा इनके सहायतार्थ रुचि गुप्ता एसीपी महिला सुरक्षा प्रथम सेक्टर 6 कार्यालय गौतम बुद्ध नगर को संबद्ध किया गया है। इसके लिए हेल्पलाइन व व्हाट्सएप नंबर 8851 066 533 है।

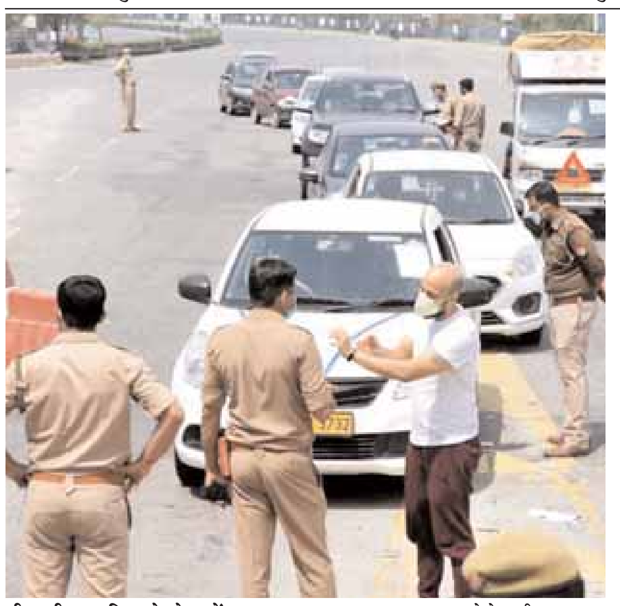
डीएनडी पर पुलिस से नोकझोंक करता एक युवक। फोटो : दीपक यादव

लॉकडाउन का उल्लंघन 30 पर एफआईआर

नोएडा। नोएडा में लॉकडाउन के उल्लंघन पर एक्शन में आई पुलिस प्रशासन ने 30 से भी ज्यादा लोगों पर एफ आईआर दर्ज की हैं। वहीं कई जगह वाहनों की बड़ी संख्या में चालान भी काटे गए हैं।

नोएडा के थाना 24 क्षेत्र के 12.22 चौराहे पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कई वाहनों का चालान काटा। नोएडा पुलिस ने दिल्ली के सभी बार्डर को पूरी तरह सील किया। केवल आवश्यक कार्य से जाने वाले लोगों को ही प्रवेश दिया गया। वहीं मंगलवार को कुछ लोगों की शहर के बॉर्डर क्षेत्र में जमकर पुलिस से नोंकझोंक भी हुई।

बुग्गी में शव ले जाने को मजबूर हुए परिजन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर इलाके में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर आप भी सोचने को मजबूर होंगे। दरअसल, यहां पर एक वृद्ध की मौत हो गई। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने को कोई वाहन नहीं मिला तो मजबूरन पजिन शव को भैंसा-बुग्गी में ले गए।

मिली जानकारी के अनुसार मोदीनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले बुजुर्ग बीमार चल रहे थे। जिन्हें नगर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। उधर, सोमवार को पूरी तरह लॉक डाउन किया हुआ था। जिसके कारण वृद्ध के परिजनों को उनका शव ले जाने के लिए कोई वाहन नहीं मिला। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से भी वाहन मंगाने का आग्रह किया लेकिन, वहां से भी उन्हें कोई मदद नहीं मिली। इसके अलावा उन्होंने 108 नंबर पर भी कॉल की तो वहां से भी उन्हें कोई वाहन उपलब्ध नहीं हो पाया। जिसके बाद वह परेशान हो परिजनों को शव बुग्गी में ले जाना पड़ा। हालांकि प्रशासन द्वारा भी आवश्यक कार्यों के लिए वाहनों के निकलने में छूट प्रदान की गई थी लेकिन, एक तरफ कोरोना वायरस का खौफ दूसरी तरफ लॉकडाउन के कारण उन्हें शव ले जाने के लिए वाहन नहीं मिल पाया।

● लॉक डाउन के चलते नहीं मिला कोई वाहन

संक्षिप्त समाचार

ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सैनेटाइजर का इस्तेमाल कराते एसएसपी।

पुलिसकर्मी करते रहें सैनेटाइजर का उपयोग : नैथानी

गाजियाबाद। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने जिले के हर चेकिंग नाके पर जाकर व्यवस्था का जायजा लिया और लॉकडाउन के अनुपालन को निर्देश दिए। मंगलवार को जब वह जायजा लेने क्षेत्र में गए तो उन्होंने व्यवस्था में तैनात अधिकारियों व पुलिसकर्मियों का मनोबल भी बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने नसीहत भी दी कि वो चेकिंग के दौरान सैनिटाइजर व मास्क का उपयोग करने के साथ-साथ सफाई का भी ख्याल रखें। नैथानी ने खुद भी पुलिसकर्मियों के हाथों पर सैनेटाइजर डालकर उनके हाथों को सैनेटाइज कराया। इसके अलावा कप्तान ने लोगों से भी अपील की कि लोग अपने व परिवार को सुरक्षित रखने के लिये बेवजह बाहर न निकलें।

पुरानी सब्जीमंडी में खरीदारी करते लोग।

फल–सब्जी के दामों में आया उछाल

गाजियाबाद। लॉकडाउन में एक ओर जहां जिला प्रशासन लगातार कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा हैं, वहीं दूसरी ओर फल-सब्जी के दामों में अत्याधिक वृद्धि ने आम जन को बेहाल कर दिया है। सामान्य दिनों में बीस से तीस रुपए किलो बिकने वाला आलू थोक सब्जी बाजार में साठ रुपए किलो तक पहुंच गया है। इतना ही नहीं फलों के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। आज से नौ दिन के नवरात्र शुरू होने जा रहे हैं। ऐसे में फल-सब्जी के दामों में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। आलम यह है कि केला के दाम पचास रुपए, अंगूर सौ रुपए और संतरा के दाम साठ रुपए किलो तक पहुंच गए हैं।

केसीके अवार्ड के लिए ऑनलाइन प्रविष्टि शुरू

नई दिल्ली। राजस्थान पत्रिका समूह की ओर से समूह के संस्थापक कर्पूर चंद्र कुलिश की स्मृति में स्थापित केसी कुलिश इंटरनेशनल अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन जर्नलिज्म के लिए शुक्रवार को उनकी जयंती (20 मार्च) से ऑनलाइन प्रविष्टि की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्ष 2018 (12वें) व 2019 (13वें) दोनों वर्षों के पुरस्कारों के लिए प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 मई रखी गई है। पुरस्कार व प्रविष्टि संबंधी जानकारी वेबसाइट *http://kckawards.patrika.com/* पर उपलब्ध है। इसी पर ऑनलाइन आवेदन का लिंक दिया गया है। वर्ष 2018 के अवार्ड के लिए एक जनवरी से 31 दिसंबर 2018 और वर्ष 2019 के लिए एक जनवरी से 31 दिसंबर 2019 तक दुनिया के किसी भी समाचार पत्र अथवा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय न्यूज मैगजीन में प्रकाशित समाचार या समाचार अभियान पात्र होंगे। दोनों वर्ष के लिए अलग-अलग प्रविष्टि भेजनी होगी।

महिला ने गाजियाबाद के युवक से ठग लिए 30 लाख रुपए

● पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा किया दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना मसूरी इलाके के एक युवक से यूएस आर्मी की फर्जी अधिकारी बनकर एक युवती द्वारा 30 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। एसएसपी के आदेश पर मसूरी पुलिस ने यूएस आर्मी की फर्जी अधिकारी समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

मसूरी क्षेत्र के इंदरगढ़ी डासना देहात में रहने वाले सरफराज से यह ठगी हुई है। फेसबुक पर उसकी यूएस में रहने वाली एक युवती से दोस्ती हो गई। युवती ने अपनी फेसबुक आईडी पर आर्मी अधिकारी के रूप में फोटो लगाई हुई थी। उसने सरफराज को अफगानिस्तान में मिला डेढ़ मिलियन डॉलर से भरा बैग कोरियर करने का झांसा दिया। साथ ही सरफराज से उसके खाते में 30 लाख की रकम डलवाई। इसके बाद 32 लाख रुपए और मांगे जाने पर सरफराज को शक हुआ। इस पर उसने एसएसपी से शिकायत की।

सरफराज का कहना है कि युवती ने कोरियर खर्च के नाम पर उससे 77 हजार रुपये खाते में डलवाए। इसके बाद मोनू नाम की लड़की ने कोरियर आने की बात कहकर कस्टम चार्ज के नाम पर एक लाख 98 हजार रुपये खाते में डलवाए। तीसरी कॉल क्रिश बिलियन नाम के व्यक्ति की आई। उसने कोरियर देने से पहले ही टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लेने की बात कही और इसकी एवज में 4 लाख 95 हजार रुपये ऐंठ लिए। कुल मिलाकर सरफराज से इस तरह 29 लाख 97 हजार ठग लिए गए।

एसपी देहात नीरज कुमार जादौन ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर यूएस में रहने वाली लोरा, मोना व कृष बिलियन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

आर्थिक मदद देने को डाटा तैयार करेगा नगर निगम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना वायरस को गंभीरता से लेते हुए सरकार द्वारा गाजियाबाद को पूरी तरह लॉकडाउन किया गया है। इस दौरान रेहड़ी-पटरी, रिक्शा एवं ठेले वालों को अपने परिवार के लिए भरण-पोषण की बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इन लोगों की परेशानी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कहा गया है कि इनके भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह 1000 रुपये खाते में पहुंचाए जाएंगे। इसके लिए प्रशासन अब पूरी तैयारी में जुट गया है। जनपद के सभी रेहड़ी, पटरी, रिक्शा और ठेले वालों का डाटा तैयार किया जा रहा है ताकि आर्थिक मदद पहुंचाई जा सके। इसके लिए निगम द्वारा एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है जो कि 27 मार्च तक पूरा डाटा तैयार कर सरकार को उपलब्ध कराएंगे।

बुजुर्ग के लिए फरिश्ता बनी नोएडा पुलिस, पहुंचाया सामान

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में बुधवार से लॉकडाउन हो जाएगा। जबकि गौतम बुद्ध नगर समेत कई जिलों में पहले ही लॉकडाउन लागू है। इस बीच केवल जरूरत का सामान लेने के लिए घर से निकलने की इजाजत दी जा रही है।

इस बीच पुलिसकर्मी भी लोगों के लिए फरिश्ते बन रहे हैं।ऐसा ही एक मामला नोएडा के सेक्टर 24 थाना क्षेत्र में सामने आया है। यहां सेक्टर 22 में रहने वाली एक बुजुर्ग महिला को पुलिस ने दवा और राशन पहुंचाया। इस बारे में पुलिस ने ट्वीट भी किया है। पुलिस के अनुसार, गया से एक बंदोपाध्याय से उनको जानकारी मिली थी कि वह वहां पर फंस गए हैं। घर पर उनकी बीमार पत्नी को दवा व राशन की जरूरत है। इसके बाद पुलिस ने सेक्टर 22 स्थित उनके घर पर दवा व राशन पहुंचाया।

वृद्ध महिला को सामान देते पुलिसकर्मी।

कोरोना वायरस : यमुना एक्सप्रेसवे को किया गया बंद

पुलिस ने कई वाहन चालकों का काटा चालान, आगरा और मथुरा का संपर्क रोका

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

कोरोना वायरस के कहर को रोकने के लिए, आगरा तक जाने वाले यमुना एक्सप्रेस.वे को लॉकडाउन के कारण बंद कर दिया गया है। सोमवार को देर रात, मंगलवार को दिन में यमुना एक्सप्रेस.वे से गुजरने वाले कमर्शियल वाहनों का चालान किया गया। 165 किलोमीटर लंबा यमुना एक्सप्रेस.वे गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा और आगरा जिले की सीमा से होता हुआ गुजरता है।

वहीं नहीं, यमुना एक्सप्रेस.वे से आगे बढ़कर लखनऊ आगरा एक्सप्रेस.वे भी जुड़ता है जहां अब लोग नहीं जा सकेंगे। यमुना एक्सप्रेस.वे बंद होने के बाद दिल्ली से लखनऊ जाने वाला एक मुख्य सड़क मार्ग कट गया है।

दरअसल, सोमवार सुबह से लेकर रात तक लॉकडाउन का उल्लंघन कर सैकड़ों की संख्या में वाहन यमुना एक्सप्रेस वे से बेधड़क गुजरे। हालांकि रात होते-होते लॉकडाउन का असर यमुना एक्सप्रेस वे पर दिखने लगा और देर रात यमुना एक्सप्रेसवे को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। यमुना एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में आगरा से नोएडा को जोड़ता है।

ऐसे में अब यमुना एक्सप्रेसवे को बंद किए जाने के बाद सिर्फ आपातकालीन वाहनों को अनुमति दी जाएगी। कोरोना के संकट को देखते हुए यमुना एक्सप्रेसवे से पुलिस वाहन और एंबुलेंस को जाने की अनुमति होगी, आम वाहन इस रास्ते से नहीं जा सकेंगे।

मंगलवार को बंद किया गया यमुना एक्सप्रेसवे। फोटो : दीपक यादव

● आवश्यक सेवाओं के लिए एक्सप्रेसवे पर सफर की छूट

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

संभलिए...देहांत से बेहतर एकांत में रहिए

घरों में रहकर कोरोना से लड़ने को सरकार, प्रशासन का हथियार बनें

जिन्दगी की पहली ऐसी दौड़ जिसमें रुकने वाला जीतेगा, दौड़ने वाला हार सकता है

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

कोरोना वायरस को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल कुछ संदेश।

देहान्त से बेहतर एकान्त है, एकान्त में रहिए। बने रहो कुटिया में, वरना नजर आओगे लुटिया में। भीड़ में खोने से अच्छा है एकान्त में खो जाएं। हमारे पास तीन च्वॉयस हैं-घर में रहना, अस्पताल में रहना, फोटो फ्रेम में रहना। कोरोना वायरस कोविड-19 से बचाव को कुछ इस तरह की दार्शनिक पोस्ट हम सबके वाट्सअप, ट्विटर, इंस्टाग्राम आदि सोशल साइट्स के जरिए दिनभर आती-जाती हैं। अब सवाल यह है कि जितने लोग दार्शनिक बन रहे हैं, क्या इन बातों पर खुद अमल कर रहे हैं।

कोरोना वायरस जैसी जानलेवा बीमारी को लोगों द्वारा हल्के में लेने पर से देश के कई राज्यों में सरकारों को कर्फ्यू लगाने जैसा कड़ा कदम उठाना पड़ रहा है। जो मेनपावर, जो प्रशासनिक अमला कर्फ्यू के हालातों में लगेगा, उससे इस बीमारी को संभालना भी कहीं न कहीं प्रभावित होगा। अगर जनता समझदार हो और अपने घरों में क्वारंटाइन (14 दिनों के लिए सबसे अलग) हो जाए तो सरकार, प्रशासन को कोरोना वायरस जैसी भयानक बीमारी से लड़ाई में हम हथियार का काम कर सकते हैं।

गुरुग्राम में भी बहुत हैं समाज के दुश्मन

बाकी शहरों की तरह गुरुग्राम शहर में भी ऐसे लोगों, समाज के दुश्मनों की कमी नहीं है, जिन्होंने लॉकडाउन को मजाक में ले लिया है। यहां सुबह से ही लोग घरों से अपने दुपहिया, चारपहिया वाहन लेकर निकल पड़े। ऐसा ही एक युवक हमें यहां सदर बाजार में मिला। जब उससे पूछा कि लॉकडाउन में बाहर क्यों निकले हैं तो उसका जवाब था-लॉकडाउन देखने आया हूं। बताइए...ऐसे लोगों का क्या इलाज है।

फिर बात वही आती है लातों के भूत बातों से नहीं मानते। आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी यह कहना ही पड़ा कि लॉकडाउन का पालन कराने को राज्य सरकारें कड़े कदम उठाएं।

लाशें उठाने से बेहतर है लाठी उठा लें...

सोशल मीडिया पर यह संदेश भी प्रसारित हो रहा है कि-लाशों को उठाने की स्थिति आने से पहले ही प्रशासन लाठी उठा ले तो बेहतर है। मतलब हमारे बीच से ही यह सलाह भी दी जा रही है कि हम लोग बातों से नहीं समझेंगे। रिक्वेस्ट हमें समझ नहीं आ रही। इसके अलावा लोगों की आदत को नोटबंदी से जोड़कर लिखा गया है कि-मौत सामने होने पर भी आज घरों में वही लोग नखरे दिखा रहे हैं, जिन्हें नोटबंदी के समय लाइन में लगने में भी मौत दिखाई दे रही थी।

घर में रहना आईसीयू से बेहतर

एक पोस्ट में मास्क व घर में रहने को कुछ इस तरह से डिफाइन किया गया है कि-यह मास्क पहनना वेंटिलेटर मास्क पहनने से अच्छा है। घर में रहना आईसीयू में रहने से बेहतर है। अपने हाथ धोना जिन्दगी से हाथ धोने से बेहतर है। तेरह दिन लोग आपके घर बैठने आएं, इससे बेहतर है आप तेरह दिन अपने घर में बैठे रहें।

एक बार इटली के पीएम का वीडियो देख लें...

कोरोना वायरस का मजाक बनाने वाले एक बार इटली के प्रधानमंत्री जिएसेपे कॉन्टे की वह तस्वीर, वह वीडियो देख लें, जिसमें वे अपने देश के हालत देखकर रो रहे हैं। कोरोना वायरस की वजह से अपनी जनता को अपनी आंखों के सामने मरता देख रहे हैं, मगर कुछ कर नहीं पा रहे। क्योंकि इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है। वे बेबस हैं। बेशक हमारी बोली, संस्कृति, रहन-सहन अलग हो, लेकिन जीने-मरने की खुशी और दुख सबके एक जैसे हैं। हम एक दिन का जनता कर्फ्यू लगाकर जश्न मनाने निकल पड़े। जोश और नासमझी में जनता कर्फ्यू का मतलब ही भूला बैठे। बहुत दुख की बात है। यह जिन्दगी की पहली ऐसी दौड़ है, जिसमें रुकने वाला जीतेगा और दौड़ने वाला हार सकता है। अब फैसला आप सबके हाथ है कि जीतना है या हारना।

लोग सड़कों पर रहेंगे तो मजबूरी में लगाना पड़ेगा कर्फ्यू : मो. अकील

गुरुग्राम में पत्रकारों से बात करते सीपी मोहम्मद अकील।

गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर ने लोगों को दी चेतावनी

लॉकडाउन में घरों में ही रहने की अपील

अभी तक लॉकडाउन में बेवजह बाहर आए 33 के खिलाफ किए हैं केस दर्ज

गुरुग्राम। गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर मोहम्मद अकील ने बुधवार को कहा कि लॉकडाउन के महत्व और गंभीरता को लोग समझ नहीं रहे हैं। कोरोना जैसी महामारी को गंभीरता से लेने के साथ हमें प्रशासन और सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों को भी गंभीरता से लेना होगा। इसी में लॉकडाउन है। लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे और बेवजह बाहर घूम रहे 33 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं। अगर लोग नहीं माने तो मजबूरी में हमें कर्फ्य लगाना पड़ेगा।

यहां अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करके सीपी मोहम्मद अकील ने कहा कि गुरुग्राम में लोग लॉकडाउन का सही पालन नहीं कर रहे। बिना किसी काम के भी लोग सड़कों पर देखे जा सकते हैं। पुलिस और प्रशासन खूब समझा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों में रहें। यह उनकी भलाई के लिए ही है। कोरोना के कर्मवीरों की सहायता करने का भी यह माध्यम है कि लोग अपने घरों में रहें। अपने घरों ज्यादा महफूज रहेंगे। यह अभी अनुरोध है और अगर अनुरोध से जनता ने सहयोग नहीं किया तो फिर पुलिस को सख्ती करनी ही पड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुश्किल की घड़ी में किसी भी तरह की अफवाह मौखिक रूप से, सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाने से बचें।

पहली बार हरियाणा में लॉकडाउन

सीपी मोहम्मद अकील ने कहा कि हरियाणा में पहली बार लॉकडाउन हुआ है। उन्होंने पहली बार यहां ऐसा होते देखा है। लॉकडाउन की स्थिति कितनी गंभीर परिस्थिति है, यह भी समझना चाहिए। यहां मेडिकल इमरजेंसी लागू है। गुरुग्राम प्रदेश की आर्थिक राजधानी है। इसलिए यहां ज्यादा संभलने की जरूरत है। जिनको बंद करने के आदेश हैं वे अपने संस्थान बंद रखें। बाकी जरूरत की चीजें सभी को मिल रही हैं। किसी तरह की कोई परेशानी नहीं है। लोगों की सुविधा के लिए ही यह सुरक्षा है। आदेशों की पालना नहीं करने पर अब तक पुलिस ने 33 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किए हैं। अगर फिर भी लोग नहीं मानते हैं तो यहां मजबूरी में कर्फ्यू लगाना पड़ेगा।

दवा के साथ कहीं नई बीमारी घर न ले जाएं लोग

गुरुग्राम। सोशल डिस्टेंस यानी सामाजिक दूरी इसलिए जरूरी है कि हम एक-दूसरे के संपर्क में आकर नई बीमारी की चपेट में ना आ जाएं। वह बीमारी कोरोना वायरस भी हो सकता है। फिलहाल तो उसी की आशंका अधिक जताई जा रही है। शहर में दवा की दुकानों पर लम्बी-लम्बी लाइनें लग रही हैं। यहां सोशल डिस्टेंस ना के बराबर है। इसलिए स्वास्थ्य विभाग को यहां भी ध्यान देना होगा। कहीं ऐसा ना हो कि हम दवा के साथ नई बीमारी को घर ले जाएं।

शहर की बड़ी दवा की दुकानों पर दवाइयां खरीदने के लिए लोगों की खूब भीड़ लग रही है। रेलवे रोड पर कई छोटे-बड़े अस्पताल, क्लीनिक हैं और उनके आसपास कई मेडिकल स्टोर भी हैं। इसके अलावा न्यू रेलवे रोड, राजीव नगर, गुरुग्राम गांव, भीम नगर में भी कई मेडिकल स्टोर हैं। दवाइयां लेने को लोग सुबह से ही इन मेडिकल स्टोर्स पर लोगों की लाइन लगनी शुरू हो जाती है। खासकर बड़ी दुकानों पर। यहां ओल्ड

रेलवे रोड स्थित गुप्ता मेडिकल स्टोर पर तो इतनी भीड़ होने लगी कि लोगों की सुविधा के लिए उन्हें सड़क किनारे टेंट लगवा दिया है।

सोशल डिस्टेंस को सीरियस नहीं ले रहे लोग

यह ठीक है कि दवाइयां लेनी जरूरी है। लोग एक-दूसरे को कॉपरेट करते हुए यहां दवाइयां लेने को लाइन में भी लग रहे हैं, लेकिन दुकान तक पहुंचकर वही भीड़ लगा लेते हैं। एक साथ सटकर खड़े हो जाते हैं। इसे सोशल डिस्टेंस कतई नहीं कहा जा सकता। लोग सोशल डिस्टेंस को सीरियस नहीं ले रहे। यह उसी तरह हो रहा है जब जनता कर्फ्यू के दिन लोग दिनभर घरों में रहे और शाम पांच बजते ही सड़कों पर आ गए।

क्वारंटाइन लोगों के घरों से दूर रहने को लगाए नोटिस

नगर निगम गुरुग्राम ने ऐसे सभी घरों के बाहर चस्पाए नोटिस

विदेशों से आने वालों को अब सीधे क्वारंटाइन किया जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना वायरस से ऐहतियात बरतने को हरियाणा की आर्थिक राजधानी गुरुग्राम में सख्त निर्देश दे दिए गए हैं कि जो लोग विदेशों से यहां आ रहे हैं या आ चुके हैं, वे बिना देरी के खुद को क्वारंटाइन (14 दिनों के लिए सबसे अलग) कर लें। इसके लिए वे अपने घर का उपयोग भी कर सकते हैं।

जिन घरों में खुद को क्वारंटाइन करने यानी अलग रहने की सुविधा नहीं है, ऐसे लोगों के लिए प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग ने क्वारंटाइन स्थल तैयार किए हैं। वहीं शहर में जिन लोगों ने खुद को अपने घरों में क्वारंटाइन किया है, अब उनके घरों के बाहर पम्पलेट्स लगाकर लोगों को आगाह किया जा रहा है कि वे इन घरों से दूर रहें, अंदर प्रवेश ना करें। क्योंकि यह स्वस्थ लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी बात है।

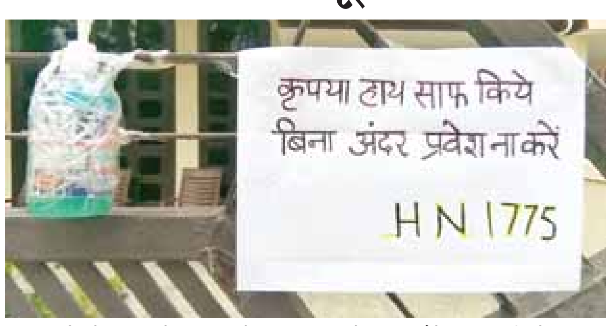

गुरुग्राम के सेक्टर-4 में एक घर के बाहर लगा नोटिस व सैनेटाइजर की बोतल।

ऐसे पता चलेगा क्वारंटाइन होने का

आप सोचते होंगे कि घर में क्वारंटाइन होने का आखिर कैसे पता चलेगा। तो आपको बता दें नगर निगम गुरुग्राम ने खुद को क्वारंटाइन करने वाले लोगों के घरों के बाहर नोटिस चस्पाने शुरू कर दिए हैं। नोटिस के ऊपर लिखा गया है कोविड-19, यह घर क्वारंटाइन है। इसमें प्रवेश ना करें। बकायदा इस पर क्वारंटाइन के 14 दिनों की तारीख भी लिखी जा रही है।

क्वारंटाइन किए गए व्यक्ति नाम और पता भी लिखा है। इसके बाद क्वारंटाइन किए गए व्यक्तियों की संख्या लिखी है। सबसे नीचे म्यूनिसिपल कारपोरेशन गुरुग्राम यानी नगर निगम गुरुग्राम लिखा गया है। घरों के साथ-साथ नगर निगम व आरडब्ल्यूए ने शहर की पार्कों में भी नोटिस लगाकर कहा है कि कोरोना वायरस तेजी से फैल रहा है। कृपया करके पार्कों में आना-जाना बंद करें।

घरों के बाहर सैनेटाइजर भी

नगर निगम के क्वारंटाइन वाले नोटिसों के अलावा लोगों ने व्यक्तिगत तौर पर भी अपने घरों के बाहर नोटिस लगाने शुरू कर दिए हैं। नोटिस पर अपने मकान का नंबर लिखने के साथ लिखा जा रहा है कि कृपया हाथ साफ किए बिना अंदर प्रवेश ना करें। ऐसे नोटिसों के साथ ही घर की दीवार पर लगी ग्रील पर सैनिटाइजर की बोतल भी लगाई गई है। हर किसी को ऐसा करना चाहिए।

कोरोना वायरस से बचने को यह सब जरूरी

गुरुग्राम के सेक्टर 4-7 स्थित कई घरों के मुख्य द्वारों पर इस प्रकार के संदेश व सैनेटाइजर की बोतलें लगी देखी जा सकती हैं। यहां एक मकान में रहने वाले एडवोकेट क्षितिज मेहता का कहना है कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे। सैनेटाइजर का इस्तेमाल करना बहुत ही जरूरी है। हालांकि बहुत से लोगों ने तो अपने घरों में दूसरों को बुलाना या फिर दूसरों के घरों पर जाना ही बंद कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सोहना में लॉक डाउन व 144 धारा पूर्णत : लागू

सोहना। मंगलवार को सोहना शहर में लॉक डाउन का पूर्णरूप से सफल रहा। पुलिस ने सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों पर पूरी तरफ से लगाम लगाई हुई है। मंगलवार को पुलिस की सर्तकता आम लोगों के लिए फायदेमंद रही। क्योंकि मंगलवार को सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों की संख्या कम रही। शहर में दूध, किराना, सब्जी, दवा की दुकानों के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की दुकानों के शटर तक नहीं उठाए गए। होटल, ढाबे, पटवरी पर लगने वाली ब्रैड पकौड़ा, फल, मशाले आदि सामान की रेहड़ियों पर पूर्णरूप से रोक लगा दी गई। जो मंगलवार को सड़कों पर नजर नहीं आई। मंगलवार सुबह रोजी रोटी कमाने के लिए लेबर चौक पर पहुंचे एक सौ के करीब मजदूर बैरंग अपने घरों को लौट आए। जिन्हें अपने निर्माण कार्य के लिए मजदूरी कराने को कोई लेकर नहीं गया। बिहार निवासी रामबक्स ने बताया कि करीब दो घंटे तक लेबर चौक पर बैठने के बाद अपने घर को लौट आया।

सगे भाइयों पर हवा में फायरिंग करने वाला जेल गया

सोहना। सोहना सदर थाना पुलिस ने दो सगे भाइयों पर हवाई फायरिंग करने वाले मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सोहना सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतेन्द्र कुमार ने बताया कि गांव सांचौली में विकास शर्मा व उसके भाई पर रात्रि के समय हवाई फायरिंग करने के आरोपी प्रवीन को रविवार शाम गिरफ्तार किया था। प्रवीन गांव सांचौली का निवासी है। इंस्पेक्टर सतेन्द्र कुमार ने बताया कि अन्य नामजद आरोपियों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान यदि अन्य आरोपियों की किसी प्रकार से साजिश मिलने पर गिरफ्तार किया जाएगा।

सफाई के साथ सामाजिक दायित्वों की भी पूर्ति कर रहा इको ग्रीन

गुरुग्राम। कोरोना वायरस के प्रकोप के बीच शहर से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने में इको ग्रीन किसी भी प्रकार का समझौता नहीं कर रही। नियमित तौर पर और बेहद ही सावधानी के साथ लोगों के घरों से कूड़ा उठाया जा रहा है। कूड़े की गाड़ियों को भी दिन में तीन बार सैनिटाइज किया जा रहा है, ताकि वायरस फैलने का कोई अंदेशा ना रहे। इसके साथ ही सामाजिक दायित्वों की पूर्ति भी इको ग्रीन कर रहा है। अपने काम को लेकर विस्तार से जानकारी देते हुए कंपनी के जीएम ऑपरेशंस शिवेन्दू एवं राजेश कुरूप ने बताया कि इको ग्रीन के कूड़ा ट्रांसफोर्मेशन सेंटर की बात हो या फिर डंपिंग स्टेशन की, हर जगह पर कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा कोरोना वायरस को लेकर पूरी गंभीरता और सावधानी बरती जा रही है।

नागरिक अस्पताल की ओपीडी 31 मार्च तक बंद

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नागरिक अस्पताल की मंगलवार से ओपीडी को 31 मार्च तक बंद कर दिया है। नागरिक अस्पताल के आपातकाल वॉर्ड, गायनी और लेबर वॉर्ड को ही चालू रखा जाएगा।

सोहना के नागरिक अस्पताल में रोगियों की भीड़ न लगे, इसे देखते हुए मंगलवार से ओपीडी को बंद कर दिया है। आपातालकाल वार्ड में आने वाले रोगी के साथ एक मात्र सहायक होगा। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि अमरजेंसी वार्ड में एक्सीडेंट या अन्य गंभीर हालत में आने वाले रोगी का ही उपचार किया जाएगा। सामान्य रोगी को अमरजेंसी वार्ड में उपचार नहीं दिया जाएगा।

सोहना नागरिक अस्पताल के अमरजेंसी वार्ड को सेनेटाइजर करते हुए नगरपरिषद की टीम।

विदेश घूमकर आई डॉक्टर की छुट्टी

सोहना के नागरिक अस्पताल में अस्थाई रूप से तैनात डॉक्टर संतोष डागर की छुट्टी कर दी गई है। डॉक्टर संतोष डॉगर हाल ही में अपने श्रीलंका हनीमून पर गई थी। जिसने हनीमून से वापस आने के बाद दो दिन नागरिक अस्पताल में ओपीडी में रोगियों की जांच पड़ताल भी की थी, लेकिन यह राज डॉक्टर संतोष ने किसी को नहीं बताया। जैसे ही एसएमओ डॉक्टर नवलकिशोर को मालूम हुआ और उन्होंने तुरन्त प्रभाव से कार्रवाई करते हुए डॉक्टर को हटा दिया गया है। जिसकी सूचना विभाग के उच्चाधिकारियों को भी दे दी गई है।

विदेशों से लौटने वाले अपने घरों पर ही रहेंगे

सोहना। स्वास्थ्य विभाग ने विदेश से लौटे दंपति सहित तीन चार लोगों को अपने-अपने घरों में आइसोलेशन पर रहने की चेतावनी दी है। विभाग द्वारा चिन्हित करके ऐसे सदस्यों को बाहरी लोगों से मुलाकात न करने की चेतावनी के पर्चे घरों के बाहर चश्पा दिए हैं। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि वार्ड चार का मूलनिवासी पुर्तगाल से आया था। सोहना नगरपरिषद के वार्ड-7 के गांव लाखूवास निवासी युवक को भी अपने घर में रहने के लिए कहा गया है। जो कजाकिस्तान से घूमकर लौटा है। सोहना के वार्ड-14 में निवासी दंपति मालदीप गया था। एसएमओ ने बताया कि सभी के टेस्ट नेगेटिव पाए गए हैं। इसके बावजूद सभी को 14 दिन तक अपने ही घर में आइसोलेशन पर रहने की चेतावनी दी है।

नवरात्रों में सूने रहेंगे मां के दरबार नहीं मिल रहा पूजा-पाठ का सामान

गुरुग्राम। कल बुधवार से नवरात्रे शुरू हो रहे हैं और दूसरी तरफ देश में लॉकडाउन व कर्फ्यू लग रहे हैं। देश के प्रमुख शहर गुरुग्राम में भी लॉकडाउन के चलते सब कुछ बंद है। सिर्फ जरूरी सामान को छोड़कर कुछ भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में नवरात्रों में मां के दरबार सूने रहेंगे। मां का श्रृंगार नए वस्त्रों से नहीं हो पाएगा।

नवरात्रों के एक दिन पूर्व मंगलवार को अनेक श्रद्धालु श्रृंगार व पूजा का सामान खरीदने को भटकते रहे, लेकिन कहीं नहीं मिला। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण अंचल में भी स्थिति यही है। गांवों में भी पुलिस प्रशासन ने सभी छोटी-बड़ी दुकानों को बंद करवा दिया है, ताकि वहां पर ग्रामीणों की भीड़ न लगे। गांव गढ़ी-हरसरू में मां के नवरात्रों की तैयारियों में जुटी गृहिणी भारती देवी, अनीता, रामरती देवी और नेहा आदि महिलाओं का कहना है कि अगर मां का श्रृंगार ही नहीं हो पाया तो फिर नवरात्रों का मतलब क्या। मां का श्रृंगार करके ही पाठ-पूजा की जाती है।

नहीं पता था ऐसे हालात होंगे

दुकानदार हरीशचंद्र, सुभाष शर्मा ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि ऐसे हालत हो जाएंगे। नहीं तो वे एक महीने पहले ही सामान का लाकर बेच देते। दुकानों को वे खोल नहीं सकते। थोड़ा बहुत सामान रखा है तो वे बेच नहीं सकते। पुलिस गांव में चक्कर लगाती रहती है। अब नवरात्रों में मां के दरबार बिना सजाए ही श्रद्धालुओं को पाठ पूजा करनी पड़ेगी। यह सबकी मजबूरी है। सच्ची श्रद्धा और भावना से मां को नमन करें।

सोहना में किराना व सब्जी दुकानदारों ने चार घंटे दुकानें खोलीं

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मंगलवार को सोहना के किराना, सब्जी दुकानदारों और आढ़तियों ने दस बजे तक दुकानें खोली। मंडी में खरीदारों की भीड़ लगी रही। मंगलवार को शहर में लॉक डाउन व 144 धारा का असर दिखाई दिया। शहर की सब्जी मंडी में छोटें दुकानदारों, आढ़तियों और परचून दुकानदारों ने दस बजे तक अपनी दुकानें खोली।

सोहना व्यापार मंडल संघ और व्यापार मंडल प्रधानों ने सोशल मीडिया पर मैसेज डालकर शहरवासियों, ग्रामीण क्षेत्र में मार्केट सुबह पांच बजे से दस बजे तक की खुले रहने की सूचना दे दी गई थी। मंगलवार सुबह सब्जी मंडी और किराना दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ लगी रही।

छोटे दुकानदारों ने कम खरीद की

सोमवार को व्यापार मंडल संघ और व्यापार मंडल के आदेशों की जानकारी सब्जी विक्रेताओं को दे गई थी। मंगलवार को सब्जी के छोटे दुकानदारों ने आढ़तों से 30 से 40 फीसदी सब्जी की खरीद कम की।

पटवारी पर लगी पूजा सामग्री की दुकानें बंद

बुधवार से शुरू हो रहे नवरात्रों की पूजा-अर्चना का सामान बेचने के लिए सड़क किनारे बैठे दुकानदारों ने भी दस बजे तक बिक्री की। कड़वा, सराई, धूप, नारियल और चूंनरी का सामान लेकर सड़क पर बैठी पूजा ने बताया कि पिछले नवरात्रों की अपेक्षा आज पहले दिन नाम मात्र ग्राहक ही घरों से निकले हैं। इस बार उनके द्वारा खरीदा गया सामान की कीमत भी वसूल नहीं होगी।

सोहना की सब्जी मंडी में मंगलवार सुबह किसानों द्वारा लाई गई सब्जी खरीदारों की लगी भीड़।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं	कर्जदार/सह-कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि /सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	ओमवीर सिंह, शशि बाला, मकान नंबर 709, गली नंबर 1, मेन श्याम पार्क, साहिबाबाद, गाजियाबाद, खाता नंबर – एलबीडीईएल00001043825	प्लॉट नंबर 87, गली नंबर 1, श्याम पार्क मेन, साहिबाबाद, गाजियाबाद	11-02-2020 रू. 6,48,886.36/-	05/06/2019
2.	लक्ष्मीनरसिंहन एन आर, एल. वैजन्ती, 1332 ए प्रथम तल, सेक्टर-29, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फरीदाबाद, खाता नंबर – एलबीडीईएल00000370533	एमआईजी-ए, 1332, प्रथम तल, सेक्टर-29, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, फरीदाबाद, हरियाणा	11-02-2020 रू. 1,90,535.7/-	05/11/2019
3.	प्रदीप कुमार, डी-12/4, कोयला विहार, आरडी सिटी, गुड़गांव, हरियाणा, खाता नंबर – एलबीडीईएल00001655298	दुकान नंबर यूजी-246-डी, परिमाप क्षेत्रफल 272 वर्ग फीट एवं यूजी-218-डी, परिमाप क्षेत्रफल 272 वर्ग फीट, ब्लॉक-बी, सुशांत शॉपिंग आर्केड, सुशांत लोक-1, गुड़गांव, हरियाणा	07-02-2020 रू. 19628820/-	30/08/2008

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जहां कहीं लागू है) को बकाया राशि का भुगतान धारा 13(2) के अधीन सूचना जारी करने की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, जिसमें विफल रहने की स्थिति में, आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 25-03-2020
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
प्रत्याभूत क्रेडिटर

कोरोना का खौफ : मंदिर बंद, घरों में करें नवरात्रों की पूजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना वायरस को महामारी घोषित होने के बाद प्रशासन की तरफ से शहर में जहां एक तरफ तरफ सभी सार्वजनिक स्थानों के साथ साथ मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थालों को भी बंद करवा दिया। शहर में लॉकआउट के कारण सभी मंदिर बंद है। इस स्थिति को देखते हुए पायनियर ने मंदिर कमेटियों के पदाधिकारियों और पुजारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि इस बार नवरात्रों की पूजा लोग घरों में ही करें तो बेहतर होगा।

प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पुजा

एनआईटी पांच नंबर स्थित राधा सर्वेश्वर मंदिर के संस्थापक मुनिराज ने बताया कि नवरात्रों में मां अपने अलग-अलग रूपों के अनुरूप भक्तों को आर्शीवाद देती है। उन्होंने बताया कि बुधवार के दिन पड़े पहले नवरात्रे के दिन मां शैलपुत्री की पुजा की जाती है। उन्होंने बताया कि शास्त्रों के अनुसार मां भगवती सती एक बार अगस्त ऋषि के आश्रम में सत्संग के लिए गई थी। उस दौरान वहां सती ने ईश्वर की अवेहलना की थी। जिसके कारण भगवान द्वारा उन्हें श्राप दिया गया था। इस श्राप के कारण से उन्होंने हिमालय की पुत्री बनकर जन्म लिया। जिसके बाद आशुतोष भगवान शिव के साथ विवाह कर अपना जीवन व्यतीत किया। जिसके कारण उन्हें शैलपुत्री अथवा पार्वती के रूप में जाना जाता है। वह अपने एक हाथ में पुस्तक लिए बैल पर सवार होकर भक्तों को धन व शांति देती है। मुनिराज जी ने बताया कि प्रथम दिवस कलश की स्थापना के साथ शैलपुत्री का पूजन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि कुंवारी लड़कियों को वर प्राप्ति का वरदान मांगना है तो वह आज संकल्प धारन कर दही का भोग मां को लगाकर वर की मांग कर सकती है। उन्होंने बताया कि वह मां को बलि के रूप में नारियल फोड़ कर चढ़ा सकती है।

घरो में करें पूजा

चैत्र नवरात्रे बुधवार से शुरू हो गए है। शहर में लॉकआउट के कारण मंदिरों में लोगों के जाने पर पाबंदी है। जिस पर एनएच-पांच स्थित राधा सर्वेश्वर मंदिर के संस्थापक मुनिराज जी ने कहा कि पहले ब्राह्मण को बुलाकर या मंदिरों में जाकर लोग पूजा अर्चना करते थे। लेकिन अब मंदिरों की बजाय लोगों को घर पर ही पूजा करनी होगी। उन्होंने कहा कि पहले की तरह विधि विधान से पूजा करें। यमुना रेत लेकर उस पर कलश स्थापित करें। उन्होंने कहा कि यदि कलश न मिले, तो लोटा लेकर उसके ऊपर आम के पत्ते पर नारियल रखकर स्थापना करे। जौं को बो दें। वहीं पूरे दिन मैया का किर्तन या भजन करते हुए मां से कोरोना वायरस के प्रकोप से देशवासियों व विश्व को मुक्ति दिलवाने की मांग करते रहे। उन्होंने बताया कि नवरात्र पूरे नौ दिनों के है। आगामी दो अप्रैल को रामनवमी है।

झरोखे से माँ दर्शन

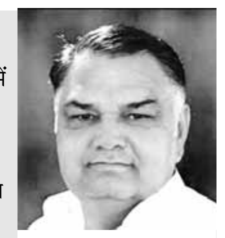

तिकोना पार्क स्थित माता श्रीवैष्णवों देवी मंदिर में भी लॉकआउट के कारण भक्तों के जाने पर पाबंदी है। मंदिर कमेटी के प्रधान जगदीश भाटिया ने कहा कि मंदिर के बाहर झरोखा लगा रखा है। जिससे दर्शन किए जा सकते है। लेकिन भक्तों को अंदर नहीं आने दिया जाएगा। तरफ उन्होंने कहा कि सबसे बेहतर तो यह है कि लोग घरों में सुरक्षित रहकर कोरोना से बचाव करते हुए पूजा घर पर ही करें तो बेहतर होगा। क्योंकि भीड़ तो मंदिर के बाहर नहीं कर सकते। अगर मंदिर के बाहर भीड़ लग जाएगी, तो वह मंदिर के द्वार बंद करवा कर एहतियात बरतेंगे। लोगों को जागरूक करेंगे। ताकि लोग घरों में रहकर पूजा अर्चना के साथ कोरोना से बचाव के लिए भगवान से प्रार्थना करे। घरों में पूजा पाठ करने से घर का माहौल भी शांतिमय होगा।

कोरोना के चलते नहीं मनाया क्षयरोग दिवस : शीला भगत

कविता। फरीदाबाद

कोरोना के कारण विश्व टीबी रोग दिवस पर जिले में कोई कार्यक्रम मंगलवार को नहीं हुआ। जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. शीला भगत ने कहा कि विश्व क्षयरोग दिवस पर कोरोना वायरस के चलते जहां शहर को लॉकआउट किया गया है। धारा 144 होने लगने से इस बार विभाग जागरूकता अभियान नहीं चला रहा है। लेकिन क्षयरोगियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें एक महीने की दवाईयां उपलब्ध करवा रहे है।

उन्होंने बताया कि हर वर्ष जागरूकता रैली निकालने के साथ स्कूली बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता होती थी। जिले में टीबी के अभी 8850 मरीज हैं। वर्ष 2019 में 7700 लोग सामने आए थे। वहीं जनवरी में 400, फरवरी में करीब 500 और मार्च में करीब 150 लोग अब तक क्षयरोग पोजिटिव पाए गए है।

डॉ. भगत ने कहा कि टीबी की जांच व इलाज सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर होता है। वहां कोई भी नि:शुल्क इलाज करा सकता है। टीबी के मुख्य लक्षण में दो सप्ताह से अधिक खांसी, हल्का बुखार, छाती में दर्द, वजन कम होने के साथ भूख कम लगती है। टीबी रोगियों को सेहत व खानपान पर ध्यान देने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग की ओर से 500 रुपये दिए जाते हैं।

यह लिया है निर्णय

उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण जहां लॉक आउट हुआ है, वहीं मरीजों को घरों से बुलवाकर उन्हें पार्क में एक-एक मीटर की दूरी पर खड़ा करके दवाईयां उपलब्ध करवाई गई। जिसमें क्षयरोगियों को एक-एक माह की दवाई दी गई। वहीं ओएसटी सेंटर में आए लोगों को एक-एक हफ्ते की पूडियां देकर समझाया गया कि दवाईयों को जरूर खाए। ताकि आने वाले समय में वह किसी भी बीमारी से लड़ने लायक हो सके।

यह बरते उपाय

डॉ. शीला भगत ने कहा कि घर में अगर कोई टीबी का मरीज है तो घर के बाकी सदस्यों को भी अपना चेक-अप एवं इलाज कराना चाहिए। क्योंकि टीबी अन्य लोगों में ज्यादातर मरीज के साथ रहने से फैलती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाये रखें।

धूम्रपान एवं शराब के सेवन से बचें। शुगर को नियंत्रित रखें। किडनी की समस्या होने पर किडनी रोग विशेषज्ञ से मिलें। अगर दो हफ्ते ज्यादा से बुखार, खांसी है या बिना वजह शरीर का वजन कम हो रहा है तो टीबी की जांच अवश्य कराएं, क्योंकि ये टीबी के मुख्य लक्षण हैं।

कोरोना के कारण नवरात्रों पर पड़ी महंगाई की मार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नवरात्र के लिए बाजारों में भी दुकाने खुलने लगी है। सुबह से ही बाजारों में पूजा के सामान खरीदने वालों की भीड़ रही। लोगों ने अपने-अपने हिसाब से खरीदारी की। नवरात्र को लेकर शहर के बाजारों में चुनरी, नारियल, कलश की खरीदारी शुरू हो गई। इस बार लॉकआउट के कारण महंगाई की मार व्रतियों पर भी पड़नी शुरू हो गई है। फलाहार से जुड़ी सामग्री के दाम एकाएक बढ़ गए हैं। सप्ताह भर के भीतर ही मेवे के दामों में उछाल देखा गया है। वहीं आढ़तियों का कहना है कि शीघ्र ही फलों के रेट में भी तेजी आ सकती है। फिलहाल फलो के रेट कुछ हद तक बढ़े है।

बढ़ गए रेट

नवरात्र में व्रत रखने वाले लोग मुख्य रूप से भोजन में साबूदाना, सिंघाड़ा, कुट्टू का आटा एवं मेवे से बनने वाली खाद्य सामग्री का सेवन करते हैं। वहीं आलू और मौसमी फलों की मांग भी बढ़ जाती है। आलू से लेकर फलों के दाम आसमान छुने लगे है। वहीं सिंघाड़े का आटा करीब 200 रुपये प्रति किलो में बिक रहा है। इसी तरह मखाने के दाम में भी करीब 150 रुपये प्रति किलो तक का उछाल आया है। इसके अलावा बादाम, काजू, किशमिश, चिरौंजी आदि के दाम में भी वृद्धि हुई है। आमतौर पर 20 से 25 रुपये में मिलने वाला नारियल भी 50 रुपये तक में मिल रहा है। वही सेब और केले के दाम भी 20 प्रतिशत तक बढ़ गए है। आने वाले दिनों में अन्य फलों के दामों में भी बढ़ोत्तरी हो सकती है।

जमकर हुई खरीदारी

नवरात्र को लेकर मंगलवार को शहर के बाजारों में जमकर भीड़ रही। चुनरी, कलश, पूजन के सामान, नारियल आदि की जमकर खरीदारी हुई। बाजारों में महिलाओं की अपेक्षा इस बार पुरुष खरीदारी को पहुंचे। बाजारों में सजीं फलों की दुकानों पर भी भीड़ देखी गई। आम दिनों की अपेक्षा फलों के दाम में उछाल रहा। वहीं केरल से पूजा के नारियल न आने के कारण इसके दाम भी बढ़े हुए पाए गए। चुनरी बेचने वाले दुकानदार अनिल ने बताया कि इस बार बाजार में माता की चुनरी के रेट अलग-अलग है। उनकी दुकान पर चुनरी के रेट सौ रुपये से लेकर ढ़ाई हजार तक के है।

लॉकआउट से लोग परेशान, नहीं मिल रही स्वास्थ्य सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्वास्थ्य विभाग कोरोना वायरस के प्रति सर्तकता बरतने के लिए मात्र मरीजों को दवा देकर घर भेज रहा है और उन्हें अपने कमरे में बंद रहने को कह रहा है। वहीं विभाग की तरफ से उनके घरों के बाहर खतरे के पोस्टर लगा दिए है। ऐसे में लोग उन्हें देखकर घबराकर स्वास्थ्य विभाग को कॉल कर रहे है। लेकिन विभाग यहां आने वाले फोनों पर ध्यान नहीं दे रहा है। जिससे शहर में ऐसे मरीज घरों में खुद को कैद करके रहने को मजबुर है। वहीं दुसरी तरफ अब तक 488 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया गया है।

488 यात्री सर्विलांस पर

डिप्टी सिविल सर्जन एवं कोरोना के जिला नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिला में अब तक 488 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 42 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 446 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 487 होम आइसोलेशन पर है तथा एक संदिग्ध पॉजिटिव महिला को अस्पताल में दाखिल किया गया है। अब तक 26 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 12 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 13 की रिपोर्ट आनी शेष है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए जिला में सरकारी व निजी अस्पतालों में 12 आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं।

कॉल पर सुनवाई कम

घरों में बंद लोगों का कहना है कि वह लगातार स्वास्थ्य विभाग को कॉल कर रहे है। लेकिन स्वास्थ्य अधिकारी इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे है। उन्हें बस कमरे में अलग बंद होकर रहने का कहा जा रहा है। वहीं बुखार, जुकाम और खांसी होने पर फिवर या फिर एंटीबायटिक्स लेने की सलाह दी जा रही है। ऐसे में लोग परेशान हो रहे है और खुद ही घरो से निकलकर इलाज करवाने को पहुंच रहे है। लेकिन निजी अस्पतालों में उन्हें चिकित्सक ही नहीं मिल रहे। बीके पहुंच रहे है, तो यहां उन्हें डॉक्टरी इलाज के लिए लाइनों में लग कर इंतजार करना पड़ रहा है।

चिकित्सक बोले

डॉ. रामभगत ने कहा कि लोगो को ध्यान रखना चाहिए कि खांसी व छींकते समय रूमाल या तौलिया का उपयोग अवश्य करें। हाथों को बार-बार साबुन व पानी से धोते रहें। जब तक बहुत जरूरी न हो, घर से बाहर न निकलें। सार्वजनिक स्थलों व सभाओं में जाने से बचें। जिन लोगों ने हाल ही में कोरोना प्रभावित देशों की यात्रा की है, उन्हें राष्ट्रीय, राज्य या जिला हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना देनी चाहिए। उन्हें भारत में आगमन की तारीख से 28 दिनों के लिए सभी से अलग रहना है और किसी से भी स्पर्श करने से बचना है, भले ही उसमें कोई लक्षण न हों।

मजदूरों के वेतन की उठाई मांग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेंटर आफ इंडियन ट्रेड यूनियंस जिला कमेटी ने राज्य सरकार से विभिन्न कारखानों और छोटी-छोटी वर्कशॉप में काम करने वाले हजारों कैजुअल मजदूरों को भी लाक डाउन अवधि के दौरान का वेतन देने के लिए आदेश जारी करने की मांग की। सीटू के जिला अध्यक्ष निरंतर पराशर, जिला सचिव लाल बाबू शर्मा और जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने बताया कि फरीदाबाद के अधिकांश कारखानों में स्थाई मजदूरों की छटनी करके इनके स्थान पर कैजुअल वर्करों से काम लिया जाता है। इनकी हाजरी नहीं लगती है।

कारखाने के मालिकों के पास इनका कोई रिकॉर्ड नहीं मिलता है। जिसकी वजह से अचानक दुर्घटनाएं होने पर इन्हें मेंटेनेंस एक्ट के तहत मुआवजा भी नहीं मिल पाता है। ऐसी हालत में जबकि फरीदाबाद में कोरोना वायरस के चलते पूर्ण रूप से बंद है। कच्चा मजदूर ड्यूटी पर नहीं आ सकता क्योंकि बंद के दौरान आने जाने के लिए परिवहन के साधन नहीं मिलते हैं। और न ही पुलिस प्रशासन किसी भी वर्कर को आने की अनुमति देता है। ऐसी परिस्थितियों में कैजुअल मजदूरों के आगे सबसे बड़ा मुद्दा उनका जीवन यापन करने का बनता है। जहां राज्य सरकार ने रेगुलर वर्करों को बंद अवधि के दौरान का वेतन देने के निर्देश दिए हैं। वही पूर्ण रूप से कच्चे मजदूरों के लिए किसी भी प्रकार की घोषणा नहीं की गई है। इसलिए सीटू मांग करता है कि सभी कारखानों वर्कशॉप, निजी अस्पतालों, निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों, के अलावा सरकारी विभागों में कैजुअल मजदूरों को भी नियमित वर्करों की तरह बंद अवधि के दौरान का वेतन का भुगतान करना चाहिए। सीटू के जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के चलते इसका सबसे बुरा असर मजदूरों व कामकाजी लोगों पर पड़ रहा है।असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे मजदूरों, भवन निर्माण के श्रमिकों, भट्ठा मजदूरों, रेहड़ी-पटरी के मजदूरों, रिक्शा-ऑटो रिक्शा के चालकों व स्वरोजगार में लगे मजदूरों पर इसके सबसे बुरे असर पड़ने वाले हैं। उद्योगों में काम करने वाले कच्चे मजदूरों जिनकी संख्या नियमित मजदूरों से सतर प्रतिशत से भी ज्यादा है, उनके हालात काफी खराब होने जा रहे है।

सतयुग दर्शन में नहीं मनेगा रामनवमी पर्व

फरीदाबाद। गांव भूपानी स्थित सतयुग दर्शन वसुंधरा में हर वर्ष मनाए जाने वाला रामनवमीं उत्सव कोरोना के चलते नहीं मनाया जाएगा। प्रतिवर्ष यह उत्सव विशाल स्तर पर रामनवमीं के उपलक्ष्य में मनाया जाता था। लेकिन इस कुल विश्व में फैले ष्टश्1द्बस्र-१९ के संक्रमण के संदर्भ मे एहतियात के तौर पर उठाए जा रहे तमाम प्रशासनिक नियमों को दृष्टिगत रखते हुए निरस्त कर दिया गया है और देश-विदेश में संस्था के साथ जुड़े समस्त श्रद्धालुओं व आम जनता को वसुन्धरा न आने की हिदायत दी गई है। इस संदर्भ में सभी को प्रसन्नतापूर्वक घरों में ही प्रभु का नाम जपने व पाठ करने का निर्देश दिया गया है ताकि वायुमंड़ल में फैले संक्रमण के प्रभाव को कम कर शुद्ध किया जा सकें और प्रशासन को भी ट्रस्ट की ओर से समुचित सहयोग दिया जा सके। अत॰ फरीदाबाद व आस-पास, एन सी आर से आने वाले भक्त जन इस बात का ध्यान रखें और वसुन्धरा न पधारें। सरकार के निर्देशानुसार 31 मार्च 2020 तक सतयुग दर्शन वसुन्धरा के मुख्य द्वार सब के लिए बंद कर दिए गए हैं।

नवरात्रों में व्रत रखने से बचे रोगी व गर्भवती महिलाएं

ऐसे में गर्भवती महिलाएं भी व्रत करती हैं और वे ये भूल जाती हैं कि उन्हें व्रत करने से परेशानी भी हो सकती।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नवरात्रों में उपवास रखने की परम्परा काफी समय से चली आ रही है और इस भक्तिमय माहौल में कुछ मरीज व गर्भवती महिलाएं भी पूरे नौ दिनों और कुछ सिर्फ पहला और आखिरी व्रत करते हैं। वह व्रत को ही भगवान के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने का सबसे सरल तरीका मानते हैं। ऐसे में गर्भवती महिलाएं भी व्रत करती हैं और वे ये भूल जाती हैं कि उन्हें व्रत करने से परेशानी भी हो सकती।

डॉक्टरों द्वारा रोगियों, वरिष्ठजनों और गर्भवतियों को व्रत न रखने की सलाह दी जाती है। इस बारें में बीके अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञा डॉ. प्रोनिता अहलावत ने बताया कि व्रत के दौरान कुछ लोग निर्जला व्रत करते हैं जो कि शरीर के लिए नुकसानदेय होता है। कुछ लोग वजन कम करने के लिए भी व्रत करते हैं, जबकि इससे कुछ लोगों का वजन बढ़ता है। नवरात्र में पूरे दिन भूखा रहने और रात के समय भारी खाने का सेवन करने से सिर दर्द होना, चक्कर आना, बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना जैसी समस्याएं शुरू हो जाती है।

बचाव करें

डॉ. प्रोनिता ने कहा कि पहले लोगों को अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हर दो घंटे के अंतराल में कुछ न कुछ फल, जूस या सलाद का सेवन करते रहना चाहिए। ये डिहाइड्रेशन से बचाते हैं। थोडी-थोड़ी देर बाद पानी पीते रहना चाहिए। तरल पदर्थों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करना चाहिए। सुबह उठने के बाद ज्यादा देर तक भूखा रहने से एसिडिटी और पूरे दिन भोजन न करने या सिर्फ पानी पर निर्भर रहने से लो ब्लड़ प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसलिए समय-समय पर फलाहार करते रहना चाहिए।

मेटाबॉलिज़्म प्रभावित

डॉ. अहलावत ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को खासकर इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उन्हें अपने साथ-साथ अपने गर्भ में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना चाहिए।

पूरा दिन भूख रहने से न केवल शरीर का मेटाबॉलिज़्म प्रभावित होता है, बल्कि शरीर में वसा की मात्रा में बढ़ जाती है। पूरा दिन भूखा रहकर रात को हाई कैलोरी युक्त खाना खाने का न केवल गर्भवती महिला बल्कि उसके गर्भ में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा पाचनतंत्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। व्रत के दौरान कुछ न खाने के कारण शुगर लेवल कम होने का खतरा बना रहता है।

डायबिटीज़ रोगी लें सलाह

फिजिशियन डॉ. योगेश गुप्ता ने कहा कि अगर डायबिटीज़ रोगी व्रत रखते हैं तो उन्हें कठिन और लंबे व्रत नहीं करने चाहिए। न ही पानी की मात्रा को कम होने देना चाहिए। समय-समय पर पानी का सेवन करते रहने से डिहाइड्रेशन नहीं होता। नमकीन दही, छाछ, नारियल पानी व रसीले फलों का सेवन करें। ताकि शरीर में हो रही पानी की कमी की पूर्ति हो सकें। किसी भी डायबिटीज़ के रोगी को व्रत रखने से पहले अपने डॉक्टर से जांच एवं सलाह जरूर लेनी चाहिए। ताकि डॉक्टर मरीज को सही दिशा-निर्देश दे सके। उन्हें व्रत के दौरान भी अपने शुगर लेवल की जांच कराते रहना चाहिए। व्रत के दौरान शुगर लेवल कम या ज्यादा होने पर व्रत छोड़ देने चाहिए और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

पड़ोसी ने घर में घुसकर किया किशोरी से दुष्कर्म

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ की एक कालोनी में रहने वाली 15 साल की किशोरी के साथ पड़ोसी युवक ने घर में घुसकर दुष्कर्म किया। आरोपी युवक लगातार नौ माह से धमकी देकर दुष्कर्म कर रहा था। गतदिवस लड़की ने अपने परिजनों को बता दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बल्लभगढ़ महिला थाना में दर्ज मामले के मुताबिक एक कालोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसकी 15 साल की बेटी एक स्कूल में पढ़ रही है। जून 2019 में पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसके घर में आ गया। उस समय लड़की घर पर अकेली थी। तभी आरोपी युवक बहाने से उसके घर में घुस आया और उसने आते ही लड़की को काबू कर लिया। शोर मचाने पर आरोपी ने लड़की को जान से मारने की धमकी दी। जिस पर लड़की बुरी तरह से सहम गई। आरोपी ने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद युवक ने किसी को बताए जाने पर जान से मारने की धमकी दी। जिसके बाद आरोपी उससे डरा धमका कर दुष्कर्म करता आ रहा था। आरोपी की हरकतों से तंग आकर लड़की ने इस बारे में अपने परिजनों को बताया। परिजनों ने पुलिस को शिकायत दी। लड़की का मेडिकल कराने के बाद पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

वायरस पर नियंत्रण

वैक्सीन पर शोध आवश्यक

भारत ने कोरोना संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए लाकडाउन का रास्ता अपनाया है। इससे दवा का विकास होने तक कुछ समय मिल जाएगा। यह दुनिया भर के डाक्टरों व वैज्ञानिकों द्वारा एक युद्ध है। सुरक्षा व प्रयोग में विलम्ब के कारण लगता है कि वाणिज्यिक प्रयोग के लिए दवा जल्दी उपलब्ध नहीं होगी। उत्पादन के लिए दवा की कीमत भी उचित होनी चाहिए। कोरोनावाइरस की चुनौती और गंभीर है क्योंकि कोई इसका चरित्र, परिवर्तन की गति तथा इसकी संक्रमण क्षमता के बारे में कुछ नहीं जानता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने शोध के मामले में एकजुटता की मांग की है। वर्तमान समय में स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर रोगी को वर्तमान औषधियां दी जा रही हैं क्योंकि नई औषधियां विकसित करने में समय लगेगा। एचआईवी के खिलाफप्रयोग होने वाली औषधियां पहले से उपलब्ध हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय प्रयोग होने वाली मलेरिया औषधि के साथ ही इबोला में प्रयोग होने वाली एंटी-वाइरल औषधि का प्रयोग भी हो रहा है। दर्जनों देशों में हजारों रोगियों को इनसे लाभ हो सकता है। डब्लूएचओ रोगियों का एक ग्लोबल डेटाबेस बना रहा है जिसका प्रयोग रोगियों पर विभिन्न दवाओं के प्रयोग की जांच के रूप में किया जा सकता है।

ईमानदारी से कहा जाए तो वर्तमान औषधियों के प्रयोग से एक कारगर समाधान निकाला जा सकता है क्योंकि वे अन्य बीमारियों के लिए संस्तुत और सुरक्षित हैं। कुछ विशेषज्ञ कोरोना वाइरस के पुराने स्ट्रेनों के खिलाफ कारगर गैर-संस्तुत दवाओं का प्रयोग करने के पक्ष में हैं जो जानवरों पर

अध्ययन में ठीक पाई गई हैं। इनमें सार्स और मर्स शामिल हैं। इन औषधियों का प्रयोग स्वास्थ्यरक्षा कर्मियों के लिए भी किया जा सकता है जिनको संक्रमण का खतरा बहुत अधिक है। इनसे इलाज का समय भी घटाया जा सकता है जिससे महत्वपूर्ण चिकित्सा ढांचे पर ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा। थाईलैंड व भारत के जयपुर में एचआईवी औषधियों का प्रयोग लाभदायक पाया गया है। मलेरिया की औषधि क्लोरोक्वीन श्वसन तंत्र पर कारगर पाई गई है। इससे शरीर पर वाइरस संक्रमण रोकने में सहायता मिल सकती है। भले ही यह सीधे वाइरस पर कारगर न हो, पर शरीर को मजबूत बना कर वाइरस संक्रमण से बचाव में कारगर है। विश्वास किया जाता है कि इससे न्यूमोनिया जैसी जटिलताओं से बचने में सहायता मिलती है। इसके साथ ही क्लोरोक्वीन के तत्वों की प्रभावशीलता संक्रमण के पहले या बाद में समाप्त नहीं होती है। कुल मिला कर कहें तो ये सारे उपाय चिकित्सा के बजाय निवारक किस्म के हैं तथा कोरोनावाइरस से निपटने के लिए वैश्विक शोध व लगातार फंडिंग जरूरी है। जैविक-युद्ध रणनीति के बारे में षडयंत्र जैसी बातें भी हो रही हैं और बड़ी दवा कंपनियों की इसमें संलिप्तता बताई जा रही है। लेकिन कोविड-19 ने बता दिया है कि ऐसे युद्धों में कोई भी सुरक्षित नहीं रहा सकता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था नीचे गिर रही है और पूरी मानवजाति पर संकट है। सहयोगी शोध के माध्यम से सरकारों ने अच्छी शुरुआत की है। हालांकि, एक चीज स्पष्ट है कि यदि कोई वाइरस मानवजाति को इतने संकट में डाल सकता है तो हमें अजेय व सबसे अच्छी नस्ल समझने का घमंड छोड़ देना चाहिए। हमें केवल मनुष्यों व भारतीयों की तरह व्यवहार करते हुए लाकडाउन व सामाजिक दूरी बनाए रखने पर कठोरता से अमल करना चाहिए। याद करें कि दुबई से लौटी दिल्ली की रोगी नं. 10 ने सारे पड़ोसियों को संक्रमित किया क्योंकि उसने किसी मानक का पालन नहीं किया था।

कोरोना संघर्ष के लिए मूलभूत बदलाव जरूरी

हम ऐसे ऐतिहासिक समय में हैं, जब राष्ट्रीय नेतृत्व का परीक्षण इस बात से होगा कि वह कितनी सद्भावना, गति व व्यापक आयाम प्राप्त कर पाता है। हमें सामूहिक रूप से इस समस्या से निपटना होगा।

बिंदू डालमिया
लेखिका नीति आयोग से संबद्ध हैं)

इस रविवार, 22 मार्च को शाम के ठीक पांच बजे हमें एक विरली घटना देखने को मिली, जब पूरा देश अपनी बालकनियों व छतों पर एकत्र होकर उन वीर लोगों का तालियां, थालियां व शंख आदि बजा कर अभिनन्दन कर रहा था जिन्होंने बाकी लोगों के लिए अपना जीवन खतरे में डाल दिया है। यह किसी उत्सव जैसा लगा जैसे हम किसी मध्ययुगीन समय में पहुंच गए हों। सामूहिक रूप से घंटियों और शंखों की आवाज से कोविड-19 जैसी काली शक्ति के खिलाफ युद्ध घोषणा सुनाई दी जिसने हमारे जीवन व आजीविका पर अभूतपूर्व भयावहता से हमला किया है।

2020 की यह विभीषिका 26-11 के आतंकी हमले, 1929 की महामंदी, 2008 के वित्तीय संकट या किसी अन्य समय के झटके से बहुत अधिक गंभीर है जिसने मानव जीवन व वित्तीय संसाधनों को झकझोर दिया हो। वैश्विक महामारी के विस्तार ने चिकित्सा समुदाय व नीति-निर्माताओं को संकट में डाल दिया है कि वे इतने व्यापक आयाम वाली समस्या से कैसे निपटें। इस राक्षसी जीव का विस्तार बहुत है और यह अर्थशास्त्र के किसी नियम में नहीं बंधा है। हालांकि, आज सारी मानवजाति एकजुट है और उम्मीद करनी चाहिए कि अब से 6 महीने बाद यह कष्टदायक दौर भी बीत जाएगा।

हम इस समय ऐसे क्षण में हैं, जब हमें व्यक्तिगत अलगाव की सीमाओं से आगे जाकर आत्माभिव्यक्ति के लिए नई रणनीति बनानी होगी। हम अर्थव्यवस्था में तेजी से आ रही गिरावट से कैसे निपटेंगे, स्वयं को बीमारी के प्रभाव से बचाने के लिए अलग कैसे रखेंगे, बेरोजगारी के आसन्न संकट से कैसे निपटेंगे और सबसे बुरी बात है कि भयानक खतरे में घिरे होने तथा मौत के इतने करीब होने की भावना से कैसे मुक्ति पाएंगे? 87 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बस एक सिद्धान्त पर चलती है कि 'एक व्यक्ति का खर्च दूसरे की आमदनी' होता है और यह किसी बिजनेस गतिविधि का सिद्धान्त है। बंद होती दुनिया में सामाजिक दूरी के वर्तमान आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन आसान नहीं है क्योंकि जीवन का ऐसा संकट वित्तीय संकट

में परिलक्षित हो रहा है जिससे चिकित्सकीय रूप से निपटने में कम से कम एक साल लगेगा।

भौतिक आवागमन सीमित होने के कारण मांग-सप्लाई की अर्थव्यवस्था चक्रीय सुस्ती या मंदी की तुलना में बहुत अधिक प्रभावित हुई है तथा वैश्विक वृद्धि दर के 1.25 प्रतिशत तक गिरने की आशंका प्रकट की जा रही है। दो प्रतिशत से कम वृद्धि को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष-आईएमएफ 'मंदी' के रूप में परिभाषित करता है। इसमें औद्योगिक उत्पादन में कमी, व्यापार में कमी, पूंजी प्रवाह में जटिलता, तेल का उपभोग घटना, बेरोजगारी दर बढ़ना तथा प्रति व्यक्ति निवेश व उपभोग घटना शामिल है।

आशा की किरण केवल स्वास्थ्यरक्षा व दवा उद्योग, ई-कामर्स मंचों तथा किसी डिजिटल बिजनेस के लिए है जो ग्राहकों को घर पर आनलाइन उत्पाद व सेवायें उपलब्ध कराते हैं। वीडियो स्ट्रीमिंग सेवायें नेटफ्लिक्स, आनलाइन किराना स्टोर, एडटेक, ई-हेल्थ व फिनटेक् आदि इनमें शामिल हैं। वैश्विक महामारी कोविड-19 आने के बहुत पहले से रियल इस्टेट, एयरलाइनें व टेलीकाम जैसे क्षेत्र संकट का सामना कर रहे थे और पहले के कुछ मुनाफे वाले क्षेत्र भी हाशिए पर पहुंच गए थे। इन सबसे भारत का बैंकिंग संकट और गहराएगा तथा सकारात्मक संपदा के भी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों-एनपीए में बदलने का खतरा रहेगा। बाकी दुनिया के साथ भारत को भी वित्तीय विस्तार के बारे में सोचना होगा, जबकि इसके साथ-साथ राजस्व वसूली का लक्ष्य अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका होगा। अब इस कमी को विनिवेश लक्ष्यों से पूरा करना भी मुश्किल होगा, हालांकि तेल के दाम गिरने के कारण लगभग 50 बिलियन डालर की बचत हो सकती है। यदि 2008 के वित्तीय संकट ने एक दशक की वैश्विक वृद्धि व आमदनी को बरबाद कर दिया था तो कोविड-19 वैश्विक रूप से राष्ट्रीय व व्यक्तिगत उपलब्धियों को और गहरी व लंबी चोट पहुंचाएगा। इससे ऐतिहासिक रूप से संप्रभु व कार्पोरेट कर्ज सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच जाएगा।

लेकिन सारी दुनिया को किसने 'क्वैरेंटीन' में रख दिया है? स्थितियां सुधरने तथा रोग का इलाज मिलने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ द्वारा चीन को जवाबदेह ठहराये जाने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार संस्थायें भी जिम्मेदार हैं क्योंकि उन्होंने कीमती पांच सप्ताह का समय बरबाद किया जब महामारी पर लगाम लगाई जा सकती थी। दुनिया को उस समय सक्रिय कदम उठाने चाहिए थे। सर्वोच्च न्यायालय के वकील जीवी राव के अनुसार, 'अंतरराष्ट्रीय व घरेलू कानूनों का सिद्धान्त है कि प्रदूषक ही जिम्मेदार है। इस कारण चीन को मजबूर किया जाना चाहिए कि वह वाइरस से प्रभावित सभी देशों को मुफ्त चिकित्सा सहायता दे तथा आर्थिक मुआवजे का भुगतान करे।'

ऐसा खासकर इसलिए है क्योंकि सारे देशों में चीन ने वैश्विक व्यापार का सबसे ज्यादा लाभ उठाया है। इस प्रकार दोषी देश के रूप में उस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा कर उसे आर्थिक अलगाव में डाला जाना चाहिए। कोरोना वाइरस के भयानक संक्रमण तथा उसके और विस्तार के सामने नरसंहार या आतंकवाद के कृत्य भी फीके पड़ जाते हैं।

यह गंभीर बात है और मेरे बिंदु पर पुन: गौर करें। मेरा कहना है कि चीन द्वारा इस मुद्दे पर जानबूझ कर बरती गई लापरवाही व्यापक नरसंहार के समान है। हालांकि, घातक महामारी का जन्म किसी देश से हो सकता है, पर उस देश की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह तथ्यों के बारे में झूठ न बोले तथा पूरी मानवता को संकट में न डाले। चीनी अर्थव्यवस्था इस संकट से सबसे पहले मुक्ति पा कर सुधरने लगेगी अत: उसे विश्व व्यवस्था में प्रभुत्व जमाने का मौका मिल जाएगा। हमें किसी एक देश से औषधीय या एलेक्ट्रानिक्स वस्तुओं की सप्लाई पर अति-निर्भरता से बचना होगा। आदर्श रूप से युद्ध जैसे अपराध के लिए दोषी को आर्थिक रूप से अलगाव में डाला जाना चाहिए।

यह भारत सरकार के लिए परीक्षा का समय है कि वह जीवन व बिजनेस सुगमता कैसे संभव बनाती है। कनाडा व अमेरिका तथा अन्य अधिकांश देश अब सार्विक मूलभूत आय के प्रस्ताव की ओर बढ़ रहे हैं। अब नीति-निर्माताओं के लिए राजकोषीय घाटा बढ़ना चिन्ता का विषय नहीं होना चाहिए। उनको पुराने आर्थिक सिद्धान्त छोड़ कर वित्तीय सहायता से आजीविका संबंधी मामलों का समाधान करना होगा। अमेरिका जैसी सर्वाधिक विकसित अर्थव्यवस्था ने सभी वयस्कों को 1000 डालर देने का निर्णय किया है जिसे लोग अपनी जरूरतों पर खर्च करेंगे तथा कुछ हिस्सा बचा लेंगे। लेकिन इससे मांग नहीं बढ़ेगी।

वित्त मंत्रालय को सर्वाधिक प्रभावित असंगठित क्षेत्र, होटल एवं पर्यटन पर ध्यान देना चाहिए जिनमें 40 मिलियन लोगों को रोजगार मिलता है। रेस्तराओं में 7.3 मिलियन व उड्डयन में 3,50,000 कर्मचारियों को काम मिलता है। इसके साथ ही टैक्सी सेवाओं में 5 मिलियन से अधिक ड्राइवरों तथा सिनेमा व मनोरंजन उद्योग व आनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों में 5,00,000 लोगों को रोजगार मिला है। कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार देने वाले रियल इस्टेट क्षेत्र को 35 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका है।

लेकिन सरकार का मूल काम प्रतिक्रिया की गति बढ़ाते हुए तरलता सरल बनाना है ताकि एनबीएफसी व एमएसएमई क्षेत्रों को सहायता मिले। इसके साथ ही हाकरों, वेंडरों व दैनिक वेतनभोगियों को नकद भुगतान तथा असंगठित क्षेत्र व संकटग्रस्त तबकों को भोजन वितरण व शरणस्थल सुनिश्चित किए जाने चाहिए। इन तबकों को तत्काल वित्तीय सहायता जरूरी है। कार्यकारी पूंजी का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित करने के साथ ही सरकार को संकट से प्रभावित बिजनेसों के लिए एक गारंटर की भूमिका निभानी चाहिए, कर्ज का विस्तार करना चाहिए, छोटी फर्मों के डूबे कर्जों के मानक बदलने चाहिए तथा जनधन योजना व मनरेगा मजदूरों को प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण करना चाहिए।

इतिहास का यह क्षण राष्ट्रीय नेतृत्व की परीक्षा है कि वह कितनी तेजी से सद्भावना व व्यापक आयाम प्रदर्शित करते हुए सहायता करता है। यह समय हमें अपनी प्राथमिकतायें पुन: तय करने तथा जमीनी स्तर से पुन: शुरुआत करने का है। हमें व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से संकट-पूर्व स्तर तक पहुंचने के प्रयास करने होंगे और स्वयं को युद्धकाल जैसे नुकसान के बावजूद इस आशा और विश्वास से भरे रखना होगा कि फिर आर्थिक समृद्धि का समय आएगा।

कोरोना महामारी का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

"चूंकि कोरोनावायरस का हमला विनिर्माण क्षेत्र पर भी हुआ है इसलिए सरकार की नीति अब अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने पर केंद्रित होनी चाहिए।"

संजीब पोहित
(लेखक एनसीएईआर में प्रोफेसर हैं)

2014 के बाद से सरकार द्वारा बेहतर प्रयास किए जाने के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र वृद्धि देश में गति नहीं पकड़ पाई है। कोविड-19 महामारी के चलते अर्थव्यवस्था पर हुए आघात के कारण निकट भविष्य में भी संभावना नहीं नजर आ रही है। इस परिदृश्य में, कृषि क्षेत्र का निकट भविष्य में भारत की जनसंख्या के 59 प्रतिशत हिस्से की आजीविका का मुख्य स्रोत बने रहने की उम्मीद है। इसलिए एक ऊर्जावान कृषि क्षेत्र भारत में रोजगार तथा आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, नरेंद्र मोदी सरकार में 2014 के बाद से इस ओर उद्देशित कई योजनाओं के बावजूद कृषि क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण सुधार देखने को नहीं मिला है। अनेक योजनाओं एवं धन संबंधी बाधाओं के चलते, वर्ष दर वर्ष प्राथमिकताएं बदलती हैं और नई योजनाएं अनवरत रूप से और ज्यादा धन जुटाती हैं, जबकि पुरानी योजनाएं लड़खड़ाती रहती हैं। क्रियान्वयन के लिए किसी योजना को सुझाने एवं मंजूरी देने से पहले जमीनी स्तर पर शोध का स्वाभाविक रूप से अभाव बना रहता है। उदाहरण के लिए नदियों को जोड़ने की योजना को ही ले लीजिए जिसमें आगाज़ के समय 87 अरब डॉलर की लागत बताई गई थी। एक बार भारत की सबसे बड़ी 60 नदियों को जोड़ने का काम पूर्ण हो जाता है, तो इससे किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम होने में मदद मिलने, खेती योग्य लाखों हेक्टेयर जमीन के सिंचाई के दायरे में आने एवं हजारों मेगावाट बिजली पैदा होने की उम्मीद है। यद्यपि जल को संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-17 में प्रविष्टि-17 के तौर पर सूचीबद्ध किया गया है, राजग ने बेतवा और केन नदी को जोड़ने का काम प्रारम्भ किया जो उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से होकर जाती हैं। काम लगभग पूरा हो चुका है लेकिन यह कोई नहीं बता रहा कि कब चालू होगा।

असलियत में, अन्य नदियों को जोड़ने का काम प्रारम्भ करने हेतु धन आवंटित नहीं किया गया है। निश्चित रूप से, गोदावरी और कावेरी नदियों को जोड़ने की बात राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन परियोजनाओं के अधीन आर्थिक मामलों के विभाग के कार्य बल की रिपोर्ट में कही गई है लेकिन दृष्टिकोण प्रपत्र में अन्य नदियों जैसे ब्रह्मपुत्र को जोड़ने का उल्लेख नहीं है।

किसानों की आय दोगुनी करना केंद्र द्वारा प्रारम्भ की गई एक और योजना है जिसे केंद्रीय बजट में घोषित किया गया, वित्तमंत्री ने इसके लिए 16 सूत्रीय योजना की घोषणा की थी। इसमें ट्रेनों (किसान रेल) व उड़ानों (कृषि उड़ान) के द्वारा उत्पादकों को दूरस्थ बाजारों तक पहुंच मुहैया कराने के उपाय शामिल हैं। यहां भी, योजना में लघु एवं मध्यम स्तरीय जोतों वाले किसानों की प्रचुरता को दृष्टिगत नहीं रखा गया, जिनकी एकमात्र चिंता व्यापारियों के शोषण से बचने एवं निकट की बाजारों में उत्पादों के उचित मूल्य प्राप्त करना है। डीएफआई समिति ने 2022 तक अपने लक्ष्य हासिल करने के लिए बहुत सी सिफारिशें की हैं लेकिन इनमें से अधिकतर अनुदेश केंद्र सरकार के स्तर पर शीर्ष से निचले स्तर तक भेजने वाले दृष्टिकोण का परिणाम है, यद्यपि अधिकतर नीतिगत निर्णय राज्य सरकारों द्वारा लागू किए जाने की आवश्यकता है।

इसके अतिरिक्त, इनमें से कुछ ही सिफारिशें विषिष्ट राज्यों के लिए हैं और इनकी पहचान जमीनी स्तर पर परीक्षण के बाद की जानी है, जिस पर समिति ने ध्यान नहीं दिया है। अंतत:, यद्यपि समिति की रिपोर्टें डीएफआई के लिए आवश्यक निवेशों के आक्क्लन मुहैया कराती हैं, धन की आवश्यकताओं का अनुक्रम निर्धारित करने के प्रयास नहीं किए गए हैं। आखिरकार, निवेश एवं समय की सीमाओं के लिए मौद्रिक बाधाओं को देखते हुए, शीर्ष प्राथमिकता डीएफआई के लिए बाध्यकारी बाधाओं की राज्यवार पहचान किए जाने एवं उसके अनुरूप धन आंवटित किए जाने की है। धन की सीमाओं के चलते, केंद्र सरकार भी इनमें से कु छ ही सिफारिशों को स्वीकार कर पाई है। असलियत में, 2020-21 के लिए कृषि बजट की 75,000 करोड़ की विशाल राशि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में खप गई, जो किसानों को नकद सहायता देने हेतु प्रारम्भ की गई एक नवीन योजना है। पिछले वर्ष, केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन का आगाज़ किया था जिसके अंतर्गत सभी ग्रामीण परिवारों को 2024 तक पाइप लाइन से जलापूर्ति सुनिश्चित कराने की उम्मीद की गई है। निस्संदेह, यह देखते हुए कि ग्रामीण जनसंख्या जल व दूषित जल से पैदा बामारियों की शिकार है, यह यक सराहनीय योजना है। हालांकि, भारत में जल की समस्या को देखते हुए, यह स्पष्ट नहीं है कि आपूर्ति कहां से की जाएगी। याद करें, नीति आयोग ने हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत न केवल इतिहास के सबसे बुरे जल संकट का सामना कर रहा है, यह समय के साथ और बढ़ेगी। 2030 तक, देश में जल की मांग उपलब्ण आपूर्ति से दोगुनी हो जाने की संभावना है, जिसका अर्थ है कि सैकड़ों लाख लोगों के लिए गंभीर जलाभाव की स्थिति पैदा होगी और देश के जीडीपी में छह प्रतिशत से अधिक नुकसान होगा।

इसके अतिरिक्त, जो राज्य जल संकट से सबसे ज्यादा आहत होंगे उनका योगदान हमारे कृषि निर्गत में 20-30 प्रतिशत के लगभग है। आदर्श रूप में, संभावित जल संकट को ध्यान में रखते हुए, सरकार को उनको और अधिक प्रोत्साहन देने चाहिए जो जलाभाव वाले राज्यों में कम जल खपाने वाली फसले उगाते हैं। हालांकि, ऐसे कोई कदम नहीं उठाए गए हैं यद्यपि डीएफआई समिति ने इसकी वकालत की है। क्योंकि जल मीटर की अनुपस्थिति एवं कृषि क्षेत्र को मुफ्त बिजली के कारण जल का अंधाधुंध उपयोग करते हैं, ऐसे में इस संकट से निबटने के केवल दो तरीके हैं। अल्पकाल में, कम जल आवश्यकता वाली फसलें उगाने वाले किसानों को अधिक प्रोत्साहन दिए जाएं और दीर्घकाल में, प्रति बूंद अधिक फसल, योजना का विस्तार करने के लिए तकनीक का प्रयोग करते हुए बड़े निवेश किए जाएं। सरकार को महसूस करना होगा कि लाभ पाने के लिए कम ही योजनाओं पर निर्भर रहना बेहतर होगा।

कोविड-19 महामारी के माप्त होने के पश्चात, संभव है कि अर्थव्यवस्था मंदी के दौर से गुजरेगी। चूंकि कृषि आजीविका का अहम स्रोत है, ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह कृषि आय बढ़ाए क्योंकि इससे मांग बढ़ाने एवं अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में मदद मिलेगी।

आप की बात

नगरों को हरा-भरा बनाएं

नगरीय वानिकी एक विचित्र किस्म की सामाजिक वानिकी है, जिसने जबर्दस्त क्षमता दर्शायी है और यह वृक्षों को लेकर सामाजिक चेतना का एक और संकेतक है। आज इसकी आवश्यकता है। नगरीय वन का मुख्य उद्देश्य छाया, स्क्रीनिंग और आनंद है। नगरीय नवीकृत भूक्षेत्र भी एक सामाजिक स्तर होता है। आर्थिक रूप से उपयोगी प्रजातियां चुनी जाती हैं, जैसे कि मोरिंगा, नीम, जामुन, यूकेलिप्टिस, मलिन बस्तियोंअथवा निम्न आय वाले क्षेत्रों के लिए। मलिन बस्तियों में रहने वाले लोग आमतौर से उन्हें उनकी अस्थायीदुकानों व घरों के लिए चारा अथवा छाया उपलब्ध कराने वाली कुछ प्रजातियों को छोड़कर पेड़ों की चिंता नहीं करते। समृद्ध इलाकों के नगरीय वन आमतौर से सुनियोजित व बेहतर वृक्षों से परिपूर्ण होते हैं। नगरीय वृक्ष नगरवासियों को लाभ देने, जलवायु सुधार एवं इंजीनियरिंग, वास्तु एवं मनोविनोद जैसे इस्तेमाल के चलते महत्वपूर्ण होते हैं। मगर कुछ शहरों को छोड़कर, नगरीय क्षेत्रों का प्रबंधन आमतौर से कौशल व अनुभव के अभाव को परिलक्षित करता है, साथ में वित्तीयन व उचित निगरानी का व निश्चित रूप से जानकारी, शिक्षा एवं साझीदारों में प्रशिक्षण का भी अभाव रहता है।

– **अमित राजपूत**, कानपुर

राजनीति का सच

वर्तमान में सक्रिय राजनीतिकों की वर्तमान पीढ़ी में से अधिकतर, अनेक स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के उपरांत भारत को प्राप्त हुई स्वतंत्रता के बाद पैदा हुए हैं। उन आरम्भिक वर्षों में, भ्रष्टाचार घुमंतू पशु की तरह होता था। जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, भ्रष्टाचार की एक मालूली सी मात्रा भी किसी के लिए पद से हाथ धो बैठने के लिए पर्याप्त होती थी, चाहे वो नौकरशाह हो या नेता। नेहरू व उनके उत्तरवर्ती लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद, भारत का प्रशासन अल्प नेताओं के हाथों में चला गया। ऐसे लोग अपने चाटुकारों की मंडली से परे देख नहीं पाते थे। यह स्थिति आज भी जरी है, खासकर तब जबकि बात सेवानिवृत्ति पशाचत प्राप्त होने वाले पदों की आती है, चाहे नेता हों या नौकरशाह। इस तरह नियुक्त होने वाले लोगों को अपने राजनीतिक आकाओं या भावी आकाओं को खुश करना होता है। वे प्रशासन को तिलांजलि दे देते हैं और अपने आका को प्रसन्न करने पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। कथित अति विशिष्ट व्यक्तियों में से बहुतों में खामियां हैं। देश के प्रति वफादारी उनके मस्तिष्क से बहुत दूर है। यही आज की राजनीति का सच है।

– **कपिल श्रीवास्तव**, सुल्तानपुर

सावधानी जरूरी है!

कोरोनावयरस की महामारी से निबटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों के बावजूद कु छ जाहिल किस्म के लोग मान नहीं रहे हैं। कहीं शाहीन बाग कहीं अन्य जगहों पर वे कहते हैं कि कोरोना उनका कुछ नहीं करेगा। यह बेहद मूर्खतापूर्ण बात है। उन्हें पता नहीं कि जमावड़ा लगार वे किना भयावह खतरा अपने व अपने परिवार के लिए पैदा कर रहे हैं। लाकडाइन और जनता कर्फ्यू के दौरान बिहार में लोगों को बसों पर लदा देखा गया। इस पर फौरन रोक लगनी चाहिए। बेहतर होगा कि प्रशासन उन शहरों व जिलों में कर्फ्यू लगा दे जहां लोग शहरबंदी का पालन नहीं कर रहे हैं। यह लाकडाउन उनका जान बचाने के लिए किया गया है। लेकिन लोगों पर जब तक सख्ती न की जाए वे बाज नहीं आते हैं। सरकार को जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिउ मगर शहरबंदी को सख्ती से लागू करना चाहिए। यदि भारत में भी ज्यादा संख्या में संक्रमण फैल गया तो स्थिति संभाले नहीं संभलेगी। इसलिए सावधानी जरूरी है।

– **सविता पांडे**, कानपुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

बहुत से लोग अभी भी लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपया स्वयं को व अपने परिवार को बचाएं। निर्देशों का गंभीरता से पालन करें।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

वेंटीलेटरों व सर्जिकल मॉस्क का पर्याप्त भंडार रखने के बजाय सरकार ने उनके आयात की मंजूरी क्यों नहीं दी। क्या यह आपराधिक साजिश नहीं?

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

मैं आभारी हूं कि बहुत से मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन को गंभीरता से लिया है। उन्हें आगे बढ़कर अपने राज्य के सभी शहरों व कस्बों को बंद करना चाहिए।

– **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

चार कमेटियां गठित, रखेंगी हर व्यवस्था पर नजर

प्रदेश में पान-मसाला गुटका पर लगेगा प्रतिबंध, कालाबाजारी करने वालों पर होगी एनएसए की कार्रवाईः अवनीश अवस्थी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस से संक्रमण के मद्देनजर योगी सरकार प्रदेश में गुटका-पान मसाला पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने जा रही है। इसके साथ ही पानसमाला खाकर गन्दगी करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी मंगलवार को लोकभवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने दी। इसके साथ ही श्री अवस्थी ने कहा कि लॉक डाउन के चलते लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने, कालाबाजारी रोकने व उन्हें आवश्यक वस्तुओं की किल्लत का सामना न करना इसको सुनिश्चित करने के प्रदेश सरकार ने उच्च अधिकारियों की अध्यक्षता में चार कमेटियों का गठन किया है। इन कमेटियों की अध्यक्षता क्रमशः मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, आईआईडीसी व अपर मुख्य सचिव गृह करेंगे।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी ने कहा कि कोरोना जैसी समस्या से निपटने के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। जनता को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं होने पाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में यदि कहीं भी किसी भी स्तर से कालाबाजारी की सूचना मिलती है तो दोषी व्यक्ति के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की जाएगी। श्री अवस्थी ने कहा कि कोरोना के नियंत्रण व जनता की आवश्कताओं की पूर्ति के लिए जिन चार कमेटियों का गठन किया गया है। पहली कमेटी मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनी है जो कि प्रशासनिक कार्य के साथ-साथ सभी जिलों के अधिकारियों के सामन्जस्य बनाकर कार्यों की निगरानी करेगी। जबकि दूसरी कमेटी कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में बनी है जो कि खाद्य सामग्री, आवश्यक वस्तु, सिविल डिफेंस स्वयंसेवक संगठन आदि की सहायता से कार्य करेगी। नवरात्र के लिए अगर जरूरत पड़ी तो जगह-जगह पूजा की सामग्री पहुंचाई जा सकती है। तीसरी कमेटी आईआईडीसी की अध्यक्षता में बनी है जो कोरोना के चलते बंद हुई फैक्ट्रियों के कारण घर बैठे कर्मचारियों का वेतन दिलवाने, श्रमिकों के खाने पीने की व्यवस्था देखने के साथ ही औद्योगिक इकाइयों के संबंधित मामलो को देखेगी। चौथी कमेटी अपर मुख्य सचिव गृह की अध्यक्षता में बनी है जोकि प्रदेश के डीजीपी के साथ समन्वय बनाकर मौजूदा परिस्थितियों पर नजर रखेंगे, कानून व्यवस्था, लॉक डाउन, पुलिस प्रशासन आदि से संबंधित व्यवस्थाओं का आकलन करेंगे एवं अन्य प्रशासनिक व्यवस्था व समन्वय बनाकर कार्य करेंगे, कर्फ्यू आदि के लिए निर्देश पुलिस फोर्स की तैनाती आदि के लिए भी इस कमेटी को अधिकार दिए गए हैं। इसके साथ ही अपर मुख्य सचिव श्री अवस्थी ने बताया जिन जनपदों में लॉक डाउन है वहां धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है यह केवल इसलिए की जा रही है ताकि लोगों को समझाया जाए कि आप अगर कार्यवाही से बचना चाहते हैं तो घर से ना निकलें, उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में 15 शहर लाकडाउन की व्यवस्था थी फिर 16 जनपदों में हुई और अब 17 जनपदों में लॉकडाउन की व्यवस्था लागू है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्रथम चरण में अब पूरे प्रदेश में 25, 26, 27 मार्च को लॉक डाउन की स्थिति रहेगी। इस स्थिति में कोई भी घर बाहर न निकलें। बेवजह बाहर निकलने पर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश सरकार ने सभी जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि हर जरूरी चीज आम जनता तक पहुंचाएं और उन्हें मुहैया कराएं परंतु अगर कहीं किसी स्थिति अराजकता है तो वहां कर्फ्यू लगाने की छूट भी जनपद स्तर पर दी गई है अगर कहीं जरूरत पड़ी तो कर्फ्यू ही लगा दिया जाए।

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस आपदा घोषित

लखनऊ। प्रदेश में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने में जुटी योगी सरकार ने एक माह के लिए कोविड-19 को आपदा घोषित कर दिया है। मंगलवार को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा इसे आपदा घोषित करने की मंजूरी दिए जाने के बाद अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार ने अधिसूचना जारी कर दी है। कोरोना वायरस महामारी को एक माह के लिए आपदा घोषित किये जाने के बाद इस स्थिति में आपदा के लिए बजट में आवंटित धनराशि का प्रयोग कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने में किया जा सकता है। इसमें किसी प्रकार की राहत सामग्री खरीदने के लिए टेंडर की जरूरत नहीं होगी। राहत सामग्री की खरीद में लागू शर्तों के शिथिल किया गया है। अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत सरकार के आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 की धारा-2 की उप धारा डी और उत्तर प्रदेश आपदा प्रबंध अधिनियम -2005 की धारा-2 की उप धारा जी में किए गए प्रावधन के क्रम में कोरोना वायरस के कारण फैल रही महामारी को आपदा घोषित किए जाने की राज्यपाल ने स्वीकृति दे दी है। बता दें कि देश में केरल और ओडिशा के बाद उत्तर प्रदेश ने इसे आपदा घोषित किया है।

कृषि मंत्री शाही ने सीएम कोष में दिया एक माह का वेतन

20 लाख रुपए विधायक निधि राहत कार्य के लिए दी

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेशवासियों की कोरोना जैसीमहामारी से रक्षा के लिए अपना एक माह का वेतन (भत्तों सहित) मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान किया गया है। इसके साथ ही कृषि मंत्री श्री शाही ने जिलाधिकारी देवरिया को प्रेषित पत्र में विधानसभा क्षेत्र पथरदेवा के अन्तर्गत आने वाले विकास खण्ड पथरदेवा, तरकुलवा, देसही देवरिया, बैतालपुर, रामपुर कारखाना एवं गौरीबाजार के निवासियों के सैनेटाइजेशन तथा उन्हें मास्क एवं दवायें उपलब्ध कराने के लिए विधायक निधि से 20 लाख रूपये निर्गत किये जाने का अनुरोध किया है।

मंत्री मोती सिंह ने 10 लाख रुपए विधायक निधि से राहत कार्य के लिए दिए: लखनऊ। ग्राम्य विकास एवं समग्र ग्राम्य विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह ने जनपद प्रतापगढ़ में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए विधायक निधि से दवा एवं उपकरण खरीदने के लिए 10 लाख रूपये की धनराशि अवमुक्त करने की संस्तुति करते हुए मुख्य विकास अधिकारी प्रतापगढ़ को पत्र प्रेषित किया है। उन्होंने कहा कि मुख्य विकास अधिकारी प्रतापगढ से अपेक्षा की है कि विधान सभा पट्टी की सभी जनता को इस धनराशि के माध्यम से कोरोना वायरस से निपटने के लिए आवश्यक समस्त सुविधाएं मुहैया कराई जाय। श्री सिंह ने प्रदेश की जनता से अपील की है कि वे स्वयं और अपने परिवारवालों के साथ घर पर या जहां कहीं भी हैं वहीं पर रहें, सतर्क रहें, जागरूक रहें। समस्त प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य तथा सुरक्षित भविष्य के लिए आप सबकी सहभागिता आवश्यक है। शासन-प्रशासन का सहयोग करें, सहयोग से ही हम इस वैश्विक महामारी को परास्त करने में सफल होंगे।

राजनीतिक मतभिन्नता छोड़ हर एक देशवासी की सहायता और रखवाली करने की आवश्यकता

● कांग्रेस महासचिव ने यूपी कांग्रेस के सभी जिला व शहर अध्यक्षों को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस से उत्पन्न खतरे के दृष्टिगत संकट की इस घड़ी में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी कांग्रेस के सभी जिला एवं शहर अध्यक्षों को पत्र लिखकर अपील की है कि राजनीतिक मत भिन्नता छोड़कर हर एक देशवासी की सहायता और रखवाली करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश के कई शहरों में इस वायरस से पीड़ित लोगों की पुष्टि हुई है। जरूरी है कि हम सब बहुत सतर्क और जागरुक रहें। इस विपत्ति से निपटने में एक दूसरे की मदद करें। चूंकि आपको अपने घरों में ही रहना है इसको ध्यान में रखते हुए मैं आपसे उम्मीद करती हूँ कि हर ब्लाक, वार्ड के चुनिंदा साथियों को लेकर एक व्हाट्सएप ग्रुप बना लें ताकि हर ब्लाक, वार्ड की स्थितियों की जानकारी मिलती रहे। किसी व्यक्ति में बीमारी के लक्षण दिखते ही उसे जांच करवाने के लिए प्रेरित करें। किसी भी पीड़ित की जानकारी मिलने पर तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें। जिससे किसी भी पीड़ित व्यक्ति को तत्काल मेडिकल सुविधा उपलब्ध करवाने में मदद की जा सके। पीड़ित और उसके परिवार को कोविड 19 से बचने के नियमों की जानकारी व्हाट्सएप या फोन कॉल द्वारा पहुंचाएं। ब्लॉक, वार्ड के बुजुर्ग और बीमार व्यक्तियों की लिस्ट बनायें और उनकी खास मदद कर। साथ ही अपने क्षेत्र के बेघर एवं अत्यंत गरीब लोगों तक प्रशासन के सहयोग से भोजन पहुंचाने की यथासंभव मदद करें। हर बलाक, वार्ड में कोरोना वायरस जनित इस महामारी के संदर्भ में सारी सावधानियां, जागरूकता और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए निर्देशों को आम लोगों तक ज्यादा से ज्यादा नियमित तरह से फोन या व्हाट्सएप आदि से पहुंचाएं। आपका प्रयास रहना चाहिए कि गलत जानकारी और अफवाहों द्वारा जनता में दहशत न फैल। आपकी सुविधा के लिए सरकार के हर निर्देश और अन्य वैज्ञानिक और स्वास्थ से सम्बंधित सही जानकरियाँ आप तक हमारी सोशल मीडिया की टीम लगातार पहुँचाती रहेगी। सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन, कपर्यु, सोशल डिस्टेंसिग और अन्य निर्देशों का सख्ती से पालन करें और इसे लागू करवाने में प्रशासन की पूरी मदद करें।

उन्होंने कहा है कि साथियों ये हमारे देश के लिए अभूतपूर्व संकट का समय है। ऐसे समय में हम सब को अपने-अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समस्त समाज की भलाई के लिए विभाजनों और राजनीतिक मतभिन्नता को पीछे छोड़ कर हर एक देशवासी की सहायता और रखवाली करने की आवश्यकता है। यह मानवता की सेवा और राष्ट्रभक्ति की सच्ची और सर्वोच्च भावना को जीवन में उतारने का वक्त है।

लॉक डाउन में जरूरतमंदों की मदद करें कार्यकर्ताः मायावती

पायनियर समाचार। लखनऊ

प्रवेश में कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन के बीच दैनिक मेहनतकश गरीब मजदूरों के प्रभावित हो रही रोजी-रोटी को देखते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने केंद्र व प्रदेश सरकार से आर्थिक सहायता मुहैया कराने की मांग की है। मंगलवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर लिखा कि महामारी को लेकर देश व यूपी में भी जबरदस्त लाक डाउन से आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। करोड़ों गरीब व दैनिक मेहनतकश लोगों के सामने भूखमरी जैसी विपत्ति का सामना है। अतः यह बहुत जरूरी है कि केन्द्र व राज्य सरकारें उनकी तत्काल समुचित आर्थिक मदद करें साथ ही मायावती ने अपनी पार्टी के सामर्थ्य वालों लोगों से अपील की है कि वे इस लॉकडाउन में अति-जरूरतमन्दों की भरसक मदद करने का पूरा-पूरा प्रयास करें।

राजधानी के रकाबगंज क्षेत्र में सब्जी खरीदते स्थानीय लोग

कोरोना वायरस को देखते हुए शिक्षक संघ देगा अपनी एक दिन की सैलरी

लखनऊ। प्रदेश में कोरोना वायरस के चलते उत्पन्न हुए संकट और इससे निपटने के सरकारी प्रयास के बीच सरकार की मदद के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ ने आगे हाथ बढ़ाया है। मंगलवार को शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री राहत कोष में अपने 1 दिन की सैलरी देने की घोषणा की है इस बाबत संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे ने सभी शिक्षकों से योगदान करने की अपील की है। इस बारे में संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय का कहना है कि विश्व के विकसित देश अभी भी इस संक्रमण से देश को बचाने के लिए सारे प्रयास कर रहे हैं लेकिन सुविधासंपन्न देशों के भयावह होते आंकड़े भारत जैसे देश के लिए और भी अधिक चुनौती पेश कर रहे हैं। चिकित्सा सुविधा मे हमारे देश का स्थान 100 से भी नीचे पायदान पर है। यद्यपि भारत में अभी संक्रमित लोगों की संख्या कम दिख रही है जो कि सुखद है लेकिन हमें याद रखना होगा कि अभी भी देश में सीमित परीक्षणए मेडिकल सुविधा उपलब्ध है। अतः अब जरूरी है हम सभी सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने बताया कि ऐसे में सरकार की तरफसे किए जा रहे हैं। इंतजाम को देखते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष में 1 दिन का वेतन दिए जाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों से अपील की है कि वे अपने एक दिन का वेतन जनहित में मुख्यमंत्री सुरक्षा कोष में दान करें।

सरकारी आदेशों के बाद भी नहीं रुक रही काला बाजारी: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि ट्रेन, बस सेवा बंद होने से लाखों गरीब अपने गांव-घर नहीं जा पा रहे हैं, वे रास्ते में फंसे हैं। गरीब की थाली भी खाली है। सरकारी आदेशों के बाद भी काला बाजारी करने वाले बाज नहीं आ रहे हैं। बाजार में कृत्रिम अभाव पैदा करने की कहीं-कहीं कोशिशें भी हो रही है।

राज्य सरकार को उन गरीबों की जिंदगी में आने वाली दिक्कतों का निराकरण करने के विशेष प्रयास करने होंगे जो कमजोर वर्ग के हैं तमाम प्रतिबंधों के कारण रोज की कमाई से वंचित हो गए हैं।

श्री यादव ने कहा कि गरीबों के खाने की तत्काल व्यवस्था के साथ मकान किरायों में तत्काल छूट मिलनी चाहिए। हास्टलों में फंसे छात्र-छात्राओं को घर जाने की व्यवस्था की जाए या फिर उन्हें किराया दिया जाए। उन्होंने कहा कि इस विपदा में फंसे लोगों की मदद में समाजवादी पार्टी के सदस्यों को भी आगे आना चाहिए। वे देखें कि उनके पड़ोस या आसपास कोई भूखा न सोए, बीमार को दवाएं और इलाज मिलें और जो दूसरी आवश्यकताएं हो उन्हें भी वे पूरा करें।

अखिलेश यादव ने कहा कि सभी नागरिकों को लॉकडाउन का पालन करना चाहिए, अस्पतालों में डाक्टरों को काम करने दें, मरीजों को परेशानी न हो। रोकथाम, उचित दूरी तथा सावधानी से ही इस खतरनाक कोरोना वायरस से लड़कर उसे पराजित किया जा सकता है। उन्होंने कहा समाजवादी सरकार में जो अस्पताल बने थे वहां आइसोलेशन वार्ड बनाया जा सकता है। समाजवादी पार्टी संकट के इस समय सरकार और जनता के साथ है।

राज्य कर्मचारियों को अबकी वेतन के लिए करना होगा थोड़ा इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस को देखते हुए राज्य कर्मचारियों को अपने वेतन के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा, अगर हालात सामन्य हो गए तो 6 से 7 अप्रैल के मध्य कर्मचारियों को वेतन मिल जाएगा। राज्य सरकार इस रणनीति पर काम कर रही है कि विभागों के सिर्फ लेखा अनुभाग से जुड़े लोगों को कार्यालय बुलाकर एक-दो दिन में वेतन मांग कोषागार भेज दी जाए। ताकि वहां से सीधे बैंक में वेतन मद में धनराशि ट्रांसफर कर दी जाए।

आमतौर पर क्लोजिंग महीना होने के कारण वेतन 4 से 5 अप्रैल के बीच ही राज्य कर्मचारियों के खाते में जाता है लेकिन इस बार हालात भिन्न हैं। लाकडाउन के कारण सभी सरकारी कार्यालय बंद है और लाकडाउन की स्थिति 27 मार्च तक रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 मार्च को हालात की फिर समीक्षा करेंगे और अगर स्थिति नियंत्रण में रही तो धीरे-धीरे ढील दी जाएगी। ऐसे में सरकार इस पर विचार कर रही है कि विभागों में लेखा अनुभाग से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों को कार्यालय बुलाकर डीडी कोषागार भेज दी जाए। अब आन लाइन ही डीडी भेजी जाती है। कोषागार से बैंक में धनराशि भी आनलाइन ही ट्रांसफ र होगी। ऐसी स्थिति में कर्मचारियों को वेतन के लिए ज्यादा संकट नहीं झेलना पड़ेगा बल्कि थोड़ा विलंब अवश्य होगा।

चार अप्रैल को होने वाला नियमित टीकाकरण स्थगित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● डीजी परिवार कल्याण ने सभी सीएमओ को जारी किये आदेश

बच्चों को बिमारियों से बचने के लिए हर माह आयोजित होने वाले टीकाकरण कार्यक्रम को इस बार प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए राज्य सरकार ने स्थगित करने का निर्णय लिया है। इस बावत डीजी परिवार कल्याण डॉ बद्री विशाल की तरफ से सभी जिलों के सीएमओ को आदेश जारी कर नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को निरस्त रखने को कहा गया है।

बेसिक शिक्षा व समाज कल्याण मंत्री ने दिए 25-25 लाख रूपये

प्रदेश में कोरोना वायरस से पैदा किये गए हालात को देखते हुए अपने अपने विधानसभा क्षेत्रों में सेनिटाइजर व मास्क के साथ ही प्रदेश की जनता की मदद को लेकर मंगलवार को प्रदेश के बेसिक शिक्षा राजयमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ सतीश चंद्र द्विवेदी और समाज कल्याण मंत्री रमापति शास्त्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 25-25 लाख रुपये देने की घोषणा की है।

पीएम के संकल्प को पूरा करने में योगदान दे जनता

विश्व टीबी दिवस पर मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने के पीएम नरेंद्र मोदी के संकल्प से जनता को जुड़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने आस पास टीबी मरीजों की ट्रेकिंग करके उन्हें उपचार दिलाकर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने फिर लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● कोरोना से युद्ध स्तर पर लड़ने के सुझाए उपाय, विशेष वार्ड बनाए जाने की मांग

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने यूपी सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कोरोना से युद्ध स्तर पर लड़ने के कुछ उपाय सुझाए हैं। इसमें जिले व ब्लॉक स्तर पर स्कूलों, होटलों व अस्पतालों को चिन्हित कर विशेष वार्ड बनाए जाने, मेडिकल स्टाफ की तैनाती व स्वयंसेवियों को प्रशिक्षण और सभी मेडिकल कर्मियों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने की बात कही गई है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में लल्लू ने कहा है कि प्रदेश की जनता कोरोना वायरस की महामारी से अत्यंत भयभीत है।

तमाम जिलों से चिंताजनक खबरें आ रही हैं। इस महामारी से लड़ने के लिए सरकार को और गम्भीर प्रयास करने की आवश्यकता है। मेरी राय है कि प्रत्येक जिले व हर ब्लाक स्तर पर विशेष वार्ड बनाए जाएं। इसके लिए प्राइवेट अस्पताल, स्कूलों-कालेजों, होटलों आदि का चिन्हीकरण किया जाये। डाक्टरों, नर्सों और बी फार्मा, डी फार्मा अन्य मेडिकल कर्मियों की तैनाती क्षेत्रवार की जाए । साथ ही साथ अन्य लोगों को भी प्रशिक्षित किया जाए और उनकी नियुक्ति की जाए । हर जिले में स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की जाए। कई जगहों से खबर आ रही है कि हमारे डाक्टरों, मेडिकल कर्मियों व सफाई कर्मियों के पास निजी सुरक्षा के उपकरण (मास्क, ग्लव्स) नहीं हैं। इस संकट की घडी में हमें अपने इन योद्धाओं का ख्याल रखना जरूरी है। इसलिए इन सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराई जाए। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी इस विपत्ति में जनता के साथ खड़ी है और जनता के जीवन की सुरक्षा के प्रयासों में हर सम्भव मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्पीकर ने दी नवरात्र की बधाई, की घर पर ही मनाने की अपील

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष दीक्षित ने नवसंवत्सर व चैत नवरात्र पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि नवसंवत्सर के आगमन के साथ ही प्रदेश व देश में कोरोना महामारी पर विजय प्राप्त होगी। संवत्सर सामान्य कैलेंडर वर्ष नहीं है यह सृष्टि सृजन की प्रथम मंगल मुहूर्त है। दीक्षित ने दुनिया के प्रथम प्राचीनतम इनसाइक्लोपीडिया ऋग्वेद के दसवें मंडल के 190 सूक्त का हवाला देते हुए कहा है कि संवत्सर के उदय के साथ ही नियम व सत्य का जन्म हुआ पहले दिन रात भी नहीं थे अंधकार आपूरित अथाह जलों-समुद्र से संवत्सर का उदभव हुआ। अध्यक्ष विधान सभा ने इस नवसंवत्सर को अपने घर परिवार के साथ घर पर ही मनाने की अपील की है। भारत का धर्म जड़ आचार संहिता नहीं है।

लॉकडाउन के चलते बिजली की मांग घटी

● राजधानी में बिजली की मांग करीब 50 प्रतिशत तक कम हुई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

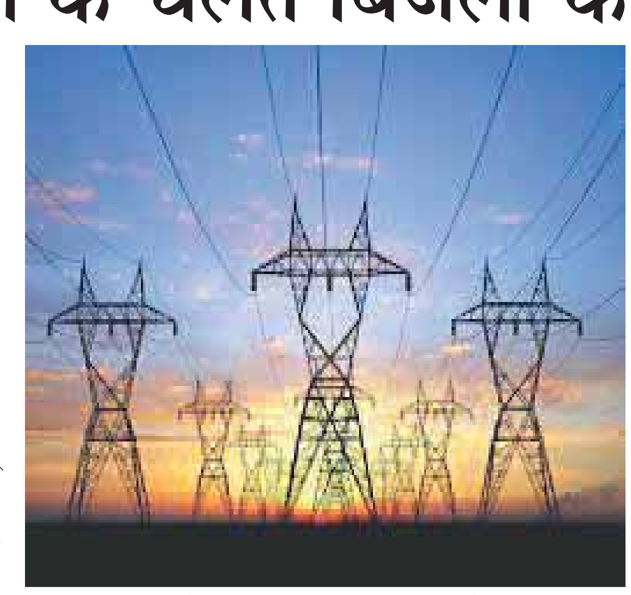

कोरोना वायरस के खौफ के कारण उप्र में लाकडाउन की स्थिति के कारण बिजली की खपत घट गई है। इसके पीछे मुख्य वजह माल, सिनेमा घर, निजी संस्थान, सरकारी कार्यालय, वाणिज्यिक संस्थान को बंद कर दिया गया है। हालांकि घरेलू क्षेत्र की खपत बढ़ गई है क्योंकि लोग अपने घरों से ही काम-काज को निपटा रहे हैं। अगले 27 मार्च तक यही स्थिति रहेगी।

दरअसल प्रदेश में पीक आवर के समय बिजली की डिमांड 13 से 14 हजार मेगावाट होती है। अब जब निजी और सरकारी कार्यालय बंद हैं साथ ही कामर्शियल गतिविधियां भी बंद हैं तो जाहिर है कि मांग घटेगी। अब करीब आठ से नौ हजार मेगावाट में पीक आवर में काम चल जा रहा है। जो इंडस्ट्री चल रही थी वहां पर मजदूरों के न होने से भी काम प्रभावित हुआ है। राजधानी में बिजली की मांग करीब 50 प्रतिशत तक कम हो गई है। पिछले एक हफ्ते से लखनऊ में बिजली की मांग 550 मेगावाट के आसपास है। जो सामान्य दिनों में लगभग 1200-1300 मेगावाट होती है। उप्र लोड डिस्पैच सेंटर के अनुसार लाकडाउन के कारण बिजली की मांग का घटना लाजिमी है। प्रदेश की राजधानी में भी मांग काफी कम हुई है। लखनऊ में कोरोना वायरस के कारण सभी सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय, निजी प्रतिष्ठान, होटल, मॉल, सिनेमाघर बंद हैं। इससे बिजली की मांग में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। मुख्य अभियंता प्रदीप कक्कड़ के अनुसार गर्मी अधिक न होने के कारण घरों में एयर कंडीशन भी चालू नहीं हुए है। जिससे बिजली की मांग में बढ़ोतरी नहीं हुई है जिससे सभी इलाकों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है।

विद्युत उपकेंद्रों पर अतिरिक्त कर्मचारी तैनात: बिजली उपभोक्ताओं पर किसी प्रकार की दिक्कत न हो। इसके लिए सभी उपकेंद्रों पर अतिरिक्त कर्मचारी ड्यूटी पर लगाये गए हैं। ब्रेकडाउन, केबल फाल्ट, ट्रांसफार्मर फुंकने पर तत्काल कर्मचारियों को मौके पर भेजकर फाल्ट दुरुस्त कराई जाती है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दवा व्यापारियों से मुखातिब हुए मुख्यमंत्री

लखनऊ। मंगलवार को प्रदेश में कोरोनावायरस के संकट से निपटने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दवा व्यापारियों को संबोधित किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मुख्यमंत्री ने महामारी से निपटने के लिए दवा की आपूर्ति को बिना किसी व्यवधान के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का आग्रह किया तथा समाज को जागरूक रखने हेतु आवश्यक जानकारी देने की बात कही। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी के कांफ्रेंस हाल में दवा व्यापारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान सीएम ने प्रदेश के हालात पर चर्चा की। चर्चा के दौरान दवा ले जाने वाले वाहनों हेतु पास जारी करने का अधिकारियों को निर्देश दिया। वहीं शाम को मुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में अमीनाबाद स्थित न्यू मेडिसिन मार्केट में दुकानदारों को पास वितरित किए गए।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 25 मार्च 2020

क्विक न्यूज

इकबाल सिंह बैस होंगे एमपी के नए मुख्य सचिव

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1985 बैच के अधिकारी इकबाल सिंह बैस को प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया है। एक अधिकारी ने बताया कि बैस को आज मध्यप्रदेश का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। इस संबंध में मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग की प्रमुख सचिव कार्मिक दीप्ति गौड मुखर्जी ने आज आदेश जारी कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि वह वर्तमान में मध्यप्रदेश के ग्वालियर राजस्व मंडल के अध्यक्ष हैं। बैस को एम गोपाल रेड्डी के स्थान पर मुख्य सचिव बनाया गया है। रेड्डी को तत्कालीन कमलनाथ की सरकार ने इसी महीने 16 मार्च को मुख्य सचिव बनाया था। शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में सोमवार रात बनी नई सरकार ने यह पहली नियुक्ति की है।

गुजरात के स्कूली छात्र बगैर परीक्षाओं के अगली कक्षा में जाएंगे

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने सभी स्कूलों को बंद रखने और राज्य बोर्ड की कक्षा एक से नौ तथा 11 वी के विद्यार्थियो को अगली कक्षा में भेजने का फैसला किया है क्योंकि इस साल कोरोना वायरस के कारण वार्षिक परीक्षाएं नही होंगी। गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड इस महीने पहले ही 10 वी और 12 वी कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं करा चुका है। हालांकि, अन्य कक्षाओं के लिए परीक्षाएं नही होंगी क्योंकि सरकार ने कोरोना वायरस के प्रसार के मद्देनजर 15 मार्च से स्कूलों को बंद कर दिया। गुजरात के मुख्यमंत्री कार्यालय में सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में प्रोन्नत करने का फैसला किया है। कुमार ने गांधीनगर में संवाददाताओं से कहा, चूंकि स्कूलों को बंद रखने को कहा गया है, ऐसे में मुख्यमंत्री ने कक्षा एक से नौ और 11 वी के छात्र-छात्राओं को प्रोन्नत करने का फैसला किया है। बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए यह जरूरी है। गुजरात सरकार ने सोमवार को इस महीने के अंत तक राज्यव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की है।

कोरोना वायरस का प्रसार रोकने संबंधी नियमों की अवहेलना करने के लिए कोच्चि में हवाई यात्री गिरफ्तार

कोच्चि। कोरोना वायरस के प्रसार पर लगाम लगाने के लिए डॉक्टरों की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने से कथित तौर पर इनकार करने के लिए कोच्चि हवाईअड्डे पर 54 वर्षीय एक घरेलू हवाई यात्री को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार की रात को नेदुमबासरी में कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरे एर्नाकुलम के लामी अराकल को स्वास्थ्य अधिकारियों की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया। हालांकि बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि अराकल ने मास्क पहनने और कोविड-19 को फैलने से रोकने के उपायों के तहत अन्य राज्य से आने वाले यात्रियों के लिए जारी निर्देशों का पालन करने से कथित तौर पर इनकार किया। उन्होने बताया कि अराकल ने चिकित्सा अधिकारियों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी भी की।

विदेशों से लौटे लोगों के परिवार के सदस्यों में फैल रहा है कोरोना वायरस : गृह राज्य मंत्री

नई दिल्ली। गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को लोगों से अपील की कि कोरोना वायरस का प्रसार रोकने के लिए वे सरकार के निर्देशों का पालन करें क्योंकि यह बीमारी अब विदेश से लौटे लोगो के परिवार के सदस्यो मे फैल रही है। रेड्डी ने संवाददाताओं से कहा कि लोगों को इस बीमारी को गंभीरता से लेना चाहिए और ऐहतियात बरतनी चाहिए क्योंकि संसाधनों एवं प्रौद्योगिकी के होने के बावजूद अमेरिका जैसा विकसित देश भी इसके फैलाव को नही रोक सका है। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक विभिन्न हवाई अड्डों पर 15.24 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई है और 69,436 लोगों को घर में ही पृथक रहने (क्वारंटाइन) की सलाह दी गई है जिनका मेडिकल एवं अर्द्ध चिकित्सा कर्मी उपचार कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा, अभी तक विदेश से लौटे ज्यादातर लोग वायरस से संक्रमित हैं। अब यह उनके परिवार के सदस्यों में फैलना शुरू हुआ है। इसलिए हम सावधानी बरत रहे हैं। लोगों को इस बीमारी को हल्के में नही लेना चाहिए और सामजिक दूरी सहित प्रतिबंधों का उल्लंघन नही करना चाहिए। गौरतलब है कि अब तक 32 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 560 जिलो में पूरी तरह से लाकडाउन है।

शिवराज सरकार ने सदन में ध्वनिमत से हासिल किया विश्वास मत

भाषा। भोपाल

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद, शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को विश्वास मत हासिल किया।विधानसभा में भाजपा सरकार ने विश्वास मत ध्वनिमत के जरिए हासिल किया। हालांकि इस दौरान सदन में विपक्षी दल कांग्रेस का कोई विधायक उपस्थित नहीं था। सदन की संक्षिप्त बैठक में चौहान ने एक पंक्ति का विश्वास प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन में उपस्थित सत्ता पक्ष भाजपा, निर्दलीय एवं अन्य विधायकों ने ध्वनिमत से अपना समर्थन दिया। स्पीकार की जिम्मेदारी संभाल रहे वरिष्ठ विधायक जगदीश देवड़ा ने सरकार द्वारा विश्वास मत हासिल किए जाने की घोषणा की जिसके बाद सदन की कार्यवाही 27 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले मंगलवार की सुबह भाजपा ने अपने विधायकों को व्हिप जारी कर विश्वास मत के पक्ष में मत देने का कहा था। भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष नर्मदा प्रसाद प्रजापति एवं उपाध्यक्ष हिना कांवरे द्वारा इस्तीफा देने के कारण भाजपा के वरिष्ठ विधायक जगदीश देवडा ने सदन की कार्यवाही का संचालन किया। उन्होंने दावा किया कि सदन में कुल 112 सदस्यों ने ध्वनि मत से चौहान का समर्थन किया। इनमें भाजपा के सदस्यों के अलावा, बसपा, सपा एवं निर्दलीय विधायक शामिल थे।

उन्होंने कहा कि इसके बाद सदन की कार्यवाही को 27 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।मिश्रा ने बताया कि 27 मार्च को लेखानुदान पेश किया जाएगा। विश्वास मत के दौरान सदन में उपस्थित बसपा के दो, सपा के एक और दो निर्दलीय विधायकों सुरेन्द्र सिंह शेरा :बुरहानपुर: और विक्रम सिंह राणा :सुसनेर: ने प्रदेश में नई भाजपा सरकार के विश्वास मत का समर्थन किया। प्रदेश विधानसभा में चार निर्दलीय विधायक हैं। इनमें से मंगलवार को दो निर्दलीय विधायक सदन में उपस्थित नहीं थे। विश्वास मत हासिल करने के बाद चौहान ने संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस ने जो किया वह अलोकतांत्रिक है। उसके विधायक सदन में अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी और प्रदेश के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक पीसी शर्मा ने कहा कि इस विश्वास मत का कोई मतलब नहीं है। शर्मा ने कहा, भाजपा सरकार को खाली पड़ी 24 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के बाद विश्वास मत मांगना चाहिए था। इससे पहले मंगलवार की सुबह भाजपा ने अपने विधायकों को व्हिप जारी कर विश्वास मत के पक्ष में मत देने का कहा था। सोमवार रात को 9 बजे राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में प्रदेश के राज्यपाल लालजी टंडन ने भाजपा के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। कांग्रेस के 22 विधायकों के त्यागपत्र देने के कारण प्रदेश की कांग्रेस सरकार बहुमत से पीछे रह गई और मुख्यमंत्री कमलनाथ को पिछले सप्ताह इस्तीफा देना। प्रदेश विधानसभा की कुल 230 सीटों में भाजपा के 107 विधायक हैं जबकि कांग्रेस के 22 विधायकों के त्यागपत्र देने के बाद उसकी संख्या घटकर 92 पर आ गई है। वर्तमान में विधानसभा की 24 सीटें रिक्त हैं। इस समय की प्रभावी संख्या 206 है तथा वर्तमान में सदन में बहुमत का आंकड़ा 104 है।

भोपाल में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से भेंट करते पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ

ब्रिटेन से लौटने पर घर में पृथक रहने संबंधी नियमों का उल्लंघन करने पर छात्र के खिलाफ मुकदमा

मुंबई। ब्रिटेन से लौटने पर महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अपने दोस्त से मिलने चले गए 24 वर्षीय छात्र पर कोरोना वायरस खतरे के मद्देनजर घर में पृथक रहने के संबंध में जारी परामर्श का उल्लंघन करने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि निकाय अधिकारियों को छात्र नवी मुंबई के सीवुड्स इलाके के एनआरआई कॉम्प्लेक्स स्थित अपने घर से सोमवार को नदारद मिला था जिसके बाद छात्र के खिलाफ पुलिस ने कार्वाई की। उन्होंने बताया कि छात्र कुछ दिन पहले ब्रिटेन से लौटा था। घर में पृथक रहने की निकाय अधिकारियों की सलाह के बावजूद वह पड़ोस के ठाणे के डोंबीवली में अपने दोस्त से मिलने चला गया। संक्रमण फैलने की आशंका के चलते नवी मुंबई महानगरपालिका (एनएमएमसी) स्वास्थ्य केंद्र ने एनआरआई पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारी ने बताया कि बाद में पुलिस ने छात्र के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (भादंसं) की धारा 269, 270 और 188 के तहत मामला दर्ज किया।

सिंधिया, उनके परिजन के खिलाफ फिर से खोला गया मामला ईओडब्ल्यू ने बंद किया

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा :ईओडब्ल्यू: ने भाजपा नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके परिजन के खिलाफ हाल ही में फिर से खोले गए कथित संपत्ति के दस्तावेजों में हेरफेर के मामले को बंद कर दिया है। सिंधिया द्वारा कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में जाने के बाद तत्कालीन कमलनाथ की सरकार के दौरान ईओडब्ल्यू ने ग्वालियर में शिकायतकर्ता सुरेन्द्र श्रीवास्तव की शिकायत पर 12 मार्च को यह मामला फिर से खोला था। ईओडब्ल्यू के एक आला अधिकारी ने मंगलवार को बताया, सुरेन्द्र श्रीवास्तव ने 12 मार्च को सिंधिया और उनके परिवार के खिलाफ फिर से शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्होंने एक रजिस्ट्री दस्तावेज में हेरफेर कर वर्ष 2009 में ग्वालियर के महलगांव में 6000 वर्ग फुट जमीन उन्हें बेची। उनकी शिकायत के बाद हमने तथ्यों को फिर से सत्यापित करने के लिए अपने ग्वालियर कार्यालय को आदेश दिए।

प्रधानमंत्री की ताली बजाओ अपील लॉकडाउन के प्रति लोगों के लापरवाह रवैए के लिए जिम्मेदार : शिवसेना

भाषा। मुंबई

शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस से निपटने के काम में लगे लोगों की सराहना करने के लिए ताली बजाने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के कारण लोग इस वैश्विक महामारी को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन की गंभीरता को समझ नहीं रहे। पार्टी के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में कहा गया है कि देश के लोग किसी चीज को तभी गंभीरता से लेते हैं जब उसे लेकर भय या आतंक महसूस हो। मराठी दैनिक में कहा गया, जब लोगों में डर बढ़ने लगा था, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से स्वास्थ्य कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए बालकनी में निकल कर ताली और थाली बजाने के लिए कहा।

इसमें कहा गया कि अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए लोग बड़ी संख्या में बाहर आए और सड़कों पर नाचने लगे जिससे स्थिति उत्सव जैसी लगने लगी।उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने कहा, इस पूरे मुद्दे को किसने गैर-गंभीर नजरिया दिया? राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और नारेबाजी करने लगे। हमने निषधाज्ञाओं का उल्लंघन किया। यह नागरिकों का कर्तव्य है कि वे बंद के संबंध में राज्य सरकार के आदेश का पालन करें। पार्टी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब लोगों से घर में रहने और बंद को गंभीरता से लेने की अपील की है। लेकिन लोगों को ताली बजाने और थाली बजाने की रविवार की घटना के बाद कोरोना वायरस से डर नहीं लग रहा। शिवसेना ने पूछा कि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री द्वारा चिंता जाहिर करने का क्या फायदा, जब लोग वर्तमान स्थिति के प्रति गंभीर या चिंतित ही नहीं रहेंगे? सामना में कहा गया कि जब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की सीमाएं सील कर दीं और कहा कि हवाईअड्डा भी बंद रहेगा। लेकिन तब नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि हवाईअड्डे खुले रहेंगे और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें उतरेंगी। पार्टी ने कहा, अगर राज्य सरकारों और केंद्र के बीच समन्वय नहीं रहेगा तो कोरोना वायरस महामारी को नहीं रोका जा सकता।

श्रीनगर में कोरोना वायरस से संक्रमण के दो और मामलों की पुष्टि, जम्मू कश्मीर में कुल छह मामले

श्रीनगर। श्रीनगर में कोरोना वायरस से संक्रमण के दो नए मामले सामने आने के बाद केंद्र शासित क्षेत्र जम्मू कश्मीर में कुल मामलों की संख्या बढ़ कर छह हो गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को इस बारे में बताया। सरकारी प्रवक्ता रोहित कंसल ने एक ट्वीट में कहा, श्रीनगर में दो और मामलों की पुष्टि हुई है। इसमें से एक व्यक्ति विदेश से आया था। दूसरे व्यक्ति के बारे में छानबीन की जा रही है। नए मामलों के साथ श्रीनगर शहर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ कर तीन हो गई है जबकि केंद्रशासित प्रदेश में संक्रमित लोगों की कुल संख्या छह हो चुकी है।

कोरोना वायरस के संकट को पहले ही गंभीरता से लेना चाहिए था : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कोरोना वायरस की वजह से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए सरकार की तैयारियों पर सवाल खड़े करते हुए मंगलवार को कहा कि इस वायरस के खतरे को पहले ही गंभीरता से लेना चाहिए था। उन्होंने मास्क एवं ग्लव्स की कमी से जुड़े, एक चिकित्सक के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कहा, मुझे दुख हो रहा है क्योंकि इस स्थिति से बचा जा सकता था। गांधी ने कहा, हमारे पास तैयारी का समय था। हमें इस खतरे को ज्यादा गंभीरता से लेना चाहिए था और बेहतर तैयारी कर लेनी चाहिए थी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इस चिकित्सक के ट्वीट का हवाला देते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी, कोरोना वायरस से लड़ने की आपकी रणनीति में यही गलती है।

पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट रात में की गोलाबारी, एक नागरिक घायल

भाषा। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट पाकिस्तान के रेंजरों ने रात भर गोलाबारी की जिसमें 45 वर्षीय एक नागरिक घायल हो गया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हीरानगर के मनयारी इलाके में देर रात मोर्टर का गोला आकर फटा जिसके छर्रे वहां रहने वाले बोध राज को लगे। उसे हीरानगर के उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया और उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। उन्होंने बताया कि सोमवार की रात करीब साढ़े नौ बजे से सीमापार से गोलीबारी और गोलाबारी शुरू हो गई थी जो रातभर जारी रही। इस पर सीमा सुरक्षा बल ने मुंहतोड़ जवाबी कार्वाई की।

सीमापार से हुए संघर्षविराम उल्लंघन के चलते सीमा के नजदीक रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई और उन्हें बंकरों में रात गुजारनी पड़ी। गोलाबारी की वजह से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और रेखा रानी नाम की महिला बेहोश हो गई। अधिकारियों ने बताया कि गोलाबारी तड़के पांच बजे बंद हुई। उन्होंने कहा कि इसमें पाकिस्तान को कितना नुकसान हुआ है, यह अभी पता नहीं चल पाया है। पाकिस्तान ने बीते एक हफ्ते से मानयारी और हीरानगर सेक्टर के नजदीकी इलाकों में बीएसएफ द्वारा किए जा रहे कुछ निर्माण कार्यों को बाधित करने के लिए गोलेबारी तेज कर दी है। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि सोमवार की शाम पुंछ जिले के मेंधार सेक्टर में पाकिस्तान की ओर से नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे का संघर्षविराम का उल्लंघन हुआ जिसमें छोटे हथियारों से गोलीबारी हुई और मोर्टार से गोले दागे गए। उन्होंने बताया कि गोलीबारी और गोलाबारी रात करीब सवा आठ बजे शुरू हुई और घंटों जारी रही। भारतीय सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया। प्रवक्ता ने कहा कि हमारी तरफ किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

पटियाला में कर्फ्यू न मानने वालों से पुलिस ने कराई उठक-बैठक

पृथक वार्ड में रखे गए व्यक्ति ने नर्स पर किया हमला, एक अन्य ने सामाजिक कार्यकर्ता को थप्पड़ मारा

भाषा। तिरूवनंतपुरम

केरल में चाय नहीं मिलने पर खाड़ी देश से लौटे एक व्यक्ति ने एक पृथक वार्ड में एक नर्स पर हमला कर दिया। वहीं, एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जब एक व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन करने की सूचना अधिकारी को दी तब उस व्यक्ति ने कार्यकर्ता को थप्पड़ जड़ दिया। पुलिस ने इन दोनों अलग-अलग घटनाओं में मामले दर्ज किए हैं।खाड़ी देश से लौटे व्यक्ति को कोल्लम के एक अस्पताल में पृथक वार्ड में रखा गया है, उसने एक कप चाय के लिए अपना आपा खो दिया। वह चाय पीना चाहता था, लेकिन उसकी देखभाल करने वाली नर्सों ने उसके परिवार को फोन पर इस बारे में बताया।

पुलिस के मुताबिक उसके परिवार के सदस्य जब चाय लेकर नहीं आए, तब यह युवक कथित तौर पर गुस्से में आ गया और एक स्वास्थ्यकर्मी तथा एक नर्स पर हमला कर दिया। मस्कट से लौटे इस व्यक्ति को रविवार को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दरअसल, स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी कि घर में पृथक रखा गया यह व्यक्ति बाहर घूमता पाया गया है। इस व्यक्ति को तिरूवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल ले जाया गया है। वहीं, एक अन्य मामले में खाड़ी देश से लौटा 27 वर्षीय एक व्यक्ति एक आशा कार्यकर्ता के घर में घुस गया और उसे थप्पड़ मारा तथा उस पर हमला किया। व्यक्ति का यह कहना था कि आशा कार्यकर्ता ने उसके बारे में स्वास्थ्य अधिकारियों को जानकारी दी है। महिला को काफी चोटें आई हैं और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोरोना वायरस के फैलने के बाद से महिला पिछले दो हफ्ते से बगैर किसी छुट्टी के काम पर थी। वहीं, नौ मई को केरल लौटा यह व्यक्ति 14 दिनों के स्व-पृथक नियम का पालन किए बगैर बाहर घूम रहा था।

महाराष्ट्र में 25 लाख एन-95 मास्क जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 के दौरान हो रही कालाबाजारी की जांच के दौरान पुलिस अभियान में 15 करोड़ रुपए मूल्य के लगभग 25 लाख एन-95 मास्क मिले हैं। मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की मौजूदगी में मीडिया को संबोधित करते हुए देशमुख ने कहा कि पुलिस को मास्क की कालाबाजारी की जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि अपराध शाखा की बांद्रा इकाई के अधिकारियों ने सोमवार को सहर इलाके में खरीदार बनकर कम से कम 25 लाख एन-95 मास्क ले जा रहे तीन ट्रकों को रोका। देशमुख ने कहा कि पुलिस ने इस संबंध में तीन गोदामों में भी छापेमारी की। मंत्री ने कहा कि जब्त किए गए सामान की कीमत 15 करोड़ रुपए है। इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोरोना वायरसः मणिपुर में संक्रमण का पहला मामला सामने आने के बाद लगाया गया कर्फ्यू

भाषा। इम्फाल

मणिपुर में 23 वर्षीय एक महिला में कोरोना वायरस से संक्रमण की पुष्टि होने के बाद राज्य में कर्फ्यू लगा दिया गया। पूर्वोत्तर राज्यों में संक्रमण का यह पहला मामला है। स्वास्थ्य विभाग के एक आला अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य सेवा निदेशक के राजो सिंह ने बताया कि संक्रमित महिला इम्फाल पश्चिमी जिले की रहने वाली है और वह हाल ही में यूनाइटेड किंगडम से लौटी थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उक्त महिला लंदन से 18 मार्च को दिल्ली पहुंची थी और अगले विमान से कोलकाता के लिए रवाना हुई थी। कोलकाता में उसे बुखार और गले में खराश की शिकायत थी। वहां से वह महिला विमान के जरिए अगरतला होते हुए 21 मार्च को इम्फाल पहुंची।

महिला की यात्रा के ब्यौरे के अनुसार जिस विमान से वह कोलकाता से इम्फाल अपने भाई के साथ आई थी उसमें 108 अन्य यात्री सवार थे। अस्पताल के निदेशक भीमो सिंह ने कहा, वह यहां स्थित जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा विज्ञान संस्थान आई थी। उसे सांस लेने में तकलीफ थी। उसके स्वैब और रक्त के नमूनों की जांच में कोरोना वायरस से संक्रमण की पुष्टि हुई। पुलिस कमांडो ने महिला के घर को घेर लिया है और सचल दस्ते लोगों से घरों में रहने की अपील कर रहे हैं। कोरोना वायरस का यह पहला मामला सामने आने के बाद मंगलवार को मणिपुर में कर्फ्यू लगा दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य में 31 मार्च तक लॉकडाउन की घोषणा सोमवार को की गई थी। अधिकारियों ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में कोविड-19 का पहला मामला सामने आने के बाद लोगों को इकठ्ठा होने से रोकने के लिए कर्फ्यू लगाया गया है।

आईआरसीटीसी ने यात्रियों से कहाः ट्रेन टिकटों को रद्द न करें, आपको खुद ही पूरा पैसा मिल जाएगा

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने लोगों से कहा है कि वे उन ट्रेनों के लिए ऑनलाइन बुक किए गए टिकटों को रद्द न करें जिन्हें रद्द कर दिया गया है और उन्हें आश्वासन दिया है कि उन्हें खुद ही पूरा पैसा मिल जाएगा। इससे पूर्व रेलवे ने काउंटर टिकट रद्द करने के लिए 21 जून तक का समय तीन महीने बढ़ा दिया था। आईआरसीटीसी ने एक बयान में कहा कि रेलवे यात्री ट्रेनों को बंद किए जाने के बाद ई-टिकट रद्द करने को लेकर संदेह जताया जा रहा है। इसमें कहा गया है, यात्री की ओर से कोई रद्द करने की आवश्यकता नहीं है। यदि यात्री अपनी टिकट को रद्द करता है, तो संभावना है कि उसे कम पैसा मिले। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे उन ट्रेनों के लिए ई-टिकट को रद्द न करें, जिन्हें रेलवे ने रद्द कर दिया है। बयान में कहा गया है, ई-टिकट की बुकिंग के लिए यात्री द्वारा इस्तेमाल किए गए खाते में उसका पैसा भेज दिया जाएगा।

चेन्नई में परीक्षा से पहले सेनेटाइजर से हाथ धुलती 12वीं कक्षा की छात्राएं

एदियुरप्पा ने गरीबों के लिए कई घोषणाएं कीं

● कोरोना वायरस के चलते प्रभावितों को दी जाएगी सहायता

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस एदियुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी संभव कदम उठा रही है जो एक राक्षस की तरह परेशान कर रहा है। मुख्यमंत्री एदियुरप्पा ने गरीबों के लिए पहलों की घोषणा की, जिनकी आजीविका राज्य व्यापी बंद की वजह से प्रभावित हुई है। उन्होंने इसे परीक्षा की घड़ी बताया और कहा कि बंद इसलिए किया गया है ताकि राज्य कोरोना वायरस के प्रसार के तीसरे चरण में प्रवेश नहीं करे। उन्होंने कई उपायों की घोषणा की। इसमें दो महीने की सामाजिक सुरक्षा पेंशन का अग्रिम भुगतान , करीब 21 लाख विनिर्माण श्रमिकों के लिए प्रति व्यक्ति एक हजार रुपए जारी करना, बदावरा बंधु योजना के तहत 13.20 करोड़ रुपए की ऋण माफी आदि शामिल है।

एदियुरप्पा ने विधानसभा में कहा, बजट पर चर्चा पर जवाब देने से पहले मुझे मुझे एक बात बतानी है। जब मैंने पदभार संभाला था, तब मुश्किल स्थिति (राज्य के कुछ हिस्सों में बाढ़) थी ... उसी तरह की स्थिति एक बार फिर उत्पन्न हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 वायरस राज्य के लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को एक राक्षस की तरह सता रहा है। उन्होंने कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों को सूचीबद्ध किया जिसमें 200 करोड़ रुपए जारी करना शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि देश में पहली कोरोना वायरस से पहली मौत कर्नाटक में हुई थी लेकिन सरकार वायरस के प्रसार को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी ने राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की है। हम कोविड-19 के दूसरे चरण में हैं और इसे तीसरे या चौथे चरण में नहीं जाना चाहिए। हमने उपाय किए हैं ताकि हम तीसरे चरण में न जाएं। मैं यह ईमानदारी से कह रहा हूं कि हमने कदम उठाए हैं ताकि वायरस हमारे लोगों को चिंतित न करें। मुझे विश्वास है कि हमारे लोग जल्द ही इस वायरस के डर से बाहर आ जाएंगे। कर्नाटक सरकार ने सोमवार रात को वायरस के प्रसार को रोकने के लिए पूरे राज्य में महीने के अंत तक बंद की घोषणा की थी।

एदि ने कहा कि दो महीने की सामाजिक सुरक्षा पेंशन गरीबों के लिए अग्रिम में जारी की जाएगी, मनरेगा योजना के तहत अतिरिक्त कार्य दिवसों की राशि अग्रिम में जारी की जाएगी और दो महीने के राशन की तुरंत आपूर्ति की जाएगी। 21 लाख निर्माण श्रमिकों को प्रति व्यक्ति 1,000 रुपए का भुगतान किया जाएगा। बदवारा बंधु (सड़क के किनारे विक्रेताओं को ब्याज मुक्त ऋण) योजना के तहत सरकार ने 13.20 करोड़ रुपए का ऋण माफ करने का फैसला किया है। 2018-19 में 9.10 करोड़ रुपए जिससे 15,120 लोगों को लाभ होगा और 2019-20 में 5.16 करोड़ रुपए जिससे 6,500 लोगों को लाभान्वित करना शामिल है। एदि ने उनके उत्तर का बहिष्कार करने के लिए विपक्षी दलों कांग्रेस और जदएस को भी आड़े हाथ लिया उन्होंने उम्मीद जताई थी कि वे कठिन समय में लोगों के बीच विश्वास पैदा करके एक स्पष्ट संदेश देंगे।

कांग्रेस ने सरकार पर विपक्ष की आवाज पर ध्यान नहीं देने और उसकी आपत्ति के बावजूद विधेयक पेश करके उसे पारित करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को सत्र का बहिष्कार किया। जदएस के सदस्यों ने भी बहिर्गमन किया क्योंकि विधानसभाध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने उन्हें बजट पर चर्चा का मुख्यमंत्री द्वारा जवाब देने से पहले एक मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं दी। पत्रकारों से बात करते हुए एदियुरप्पा ने लोगों से बुधवार को सरल तरीके से उगाडी (नया साल) मनाने का अनुरोध किया और उन्हें उत्सवों के लिए चीजें खरीदने के लिए बाजारों में नहीं जाने की सलाह दी। लोगों को बंद का उल्लंघन नहीं करने और अनावश्यक रूप से वाहनों में बाहर नहीं आने के लिए कहा। पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे स्थिति की गंभीरता को समझते हुए घर पर रहें। यदि आप निरोधात्मक आदेशों का उल्लंघन करते हुए पकड़े जाते हैं, तो मुझे या सरकार को दोष न दें। अपनी आजीविका के लिए दैनिक मजदूरी पर निर्भर गरीबों को इंदिरा कैंटीन के माध्यम से मुफ्त में भोजन उपलब्ध कराने की घोषणा करने के एक दिन बाद एदि ने कहा कि सरकार ने उन्हें खुला नहीं रखने का निर्णय किया है क्योंकि वहां बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होंगे।

केरल में लॉकडाउन से बेपरवाह शराब के लिए विक्रय केंद्र के आगे जुटी भीड़

कोच्चि। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए केरल में लॉकडाउन के बावजूद मंगलवार को राज्य बेवरेज निगम की दुकानों के आगे लंबी-लंबी कतारें लगी रही। कर्फ्यू से बेपरवाह लोग दुकानों के आगे इकट्ठा हुए। अधिकारियों ने संक्रमण की रोकथाम के लिए एक मीटर की दूरी पर खड़े होने को कहा है। वायरस के प्रसार को रोकने के लिए शराब बिक्री केंद्रों पर ऐहतियाती कदम उठाए गए हैं। केवल मास्क लगाए हुए लोगों को कतार में खड़े होने की इजाजत दी जा रही है। पुलिस भी यह सुनिश्चित करने के लिए तैनात है कि लोग कतार में एक मीटर की दूरी पर ही खड़े हों। विपक्षी कांग्रेस ने केरल राज्य पेय पदार्थ निगम (बेवको) की दुकानों के सामने भीड़ को रोकने के लिए कदम नहीं उठाने पर माकपा नीत एलडीएफ सरकार की आलोचना की। एर्नाकुलम जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव शेरीन वर्गीज ने दावा किया कि अगर सरकार केरल उच्च न्यायालय के 2017 के आदेश को लागू करती तो दुकानों के सामने इतनी लंबी कतारें नहीं लगती और ऐसी स्थिति पैदा ही नहीं होती। राज्य सरकार ने कतार में खड़े लोगों के बीच उचित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य में मौजूदा विशेष हालात का हवाला देते हुए शराब दुकानें खुला रखने के फैसले को सोमवार को उचित ठहराया। लिए केरल में सोमवार से ही 31 मार्च तक के लिए लॉकडाउन है।

केरल में कोरोना के 14 नए मामले सामने आए

तिरुवनंतपुरम। केरल में मंगलवार को कोरोना वायरस के 14 नए मामले सामने आने के बाद राज्य में इससे संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 105 हो गई। मुख्यमंत्री ने मंगलवार शाम कोविड-19 पर समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि एक स्वास्थ्यकर्मी भी संक्रमित पाया गया है। छह नए मामले मामले कासरगोड जबकि दो कोझीकोड़ से सामने आए हैं।

तमिलनाडु में कोरोना वायरस के तीन और मरीज मिले, कुल संक्रमितों की संख्या 15 हुई

चेन्नई। तमिलनाडु में तीन और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की मंगलवार को पुष्टि हुई है जिससे राज्य में कुल मरीजों की संख्या 15 हो गई है। इस बीच, सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करें और अपने घरों में ही रहें। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ.सी विजय भास्कर ने बताया कि नए मामलों में दो महिलाएं और 74 वर्षीय एक पुरुष को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है और उनका विदेश यात्रा का इतिहास है। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में 15,000 से अधिक लोग घरों में पृथक हैं जिनमें से 382 कोयंबटूर में है। भास्कर ने ट्वीट किया, नए मिले तीनों संक्रमितों ने विदेश यात्रा की थी। 74 वर्षीय पुरुष अमेरिका से लौटा था और स्टेनली अस्पताल में भर्ती है। दूसरी मरीज 52 वर्षीय महिला है और वह भी अमेरिका से लौटी थी और स्टेनली अस्पताल में भर्ती है। तीसरी मरीज 25 वर्षीय युवती है जो स्विट्जरलैंड से आई थी और अभी केएमसी अस्पताल में भर्ती है। उन्होंने बताया कि तीनों संक्रमितों की हालत स्थिर है और वे चेन्नई के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले हैं। मंत्री ने बताया कि इसके साथ ही राज्य में कुल कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 15 पहुंच गई है जिनमें से 45 वर्षीय एक मरीज के ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

लॉकडाउन तोड़ने वाले व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ाया-मै समाज का दुश्मन हूं छपा पर्चा

भाषा। इंदौर (मध्यप्रदेश)

कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे के कारण जिले में लॉकडाउन लागू होने के बावजूद सड़क पर बिना-वजह घूमते मिले कुछ लोगों को शर्मिंदा करने के लिए पुलिस ने मंगलवार को अनोखा तरीका अपनाया। पुलिस ने ऐसे लोगों को एक पर्चा थमाकर फोटो खिंचवाने पर कथित रूप से मजबूर किया जिस पर छपा था-मैं समाज का दुश्मन हूं। ना मैं मास्क लगाऊंगा और ना ही घर में रहूंगा। ऐसा ही दृश्य शहर के रीगल चौराहे पर नजर आया। इस वाकए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में एक वाहन चालक विवादास्पद इबारत वाला पर्चा थामे दिखाई दे रहा है, जबकि मास्क लगाकर ड्यूटी कर रहा एक पुलिस अधिकारी उसके पास खड़े होकर उस पर नाराजगी जता रहा है। वीडियो में पर्चा थामे खड़े व्यक्ति की ओर उंगली से इशारा करते हुए पुलिस अधिकारी कहता सुनाई दे रहा है-ए कार लेकर घूमने निकले हैं फालतू में।

वीडियो में पर्चा थामे खड़े व्यक्ति को ठीक से पोज देने की नसीहत के साथ पुलिस अधिकारी यह भी कहता सुनाई पड़ता है, (पर्चे को) थोड़ा नीचे करो। नेशनल न्यूज में आओगे आप। बहरहाल, पुलिस के इस तरीके पर सवाल भी उठ रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ता चिन्मय मिश्र ने कहा, संविधान और कानून के मुताबिक पुलिस आम लोगों को इस तरह के आपत्तिजनक पर्चे कतई नहीं थमा सकती। वह अपने हिसाब से आम लोगों को समाज के दुश्मन की उपमा देकर उन्हें सार्वजनिक रूप से जलील नहीं कर सकती।

मिश्र ने कहा, पुलिस द्वारा लोगों को इस तरह के पर्चे थमाकर उन्हें तस्वीरें खिंचवाने पर मजबूर करना नागरिकों की निजता और मानवीय गरिमा के भी खिलाफ है। इस बीच, लॉकडाउन के दौरान यहां खाकी वर्दी वालों का मानवीय चेहरा भी नजर आया जब कुछ पुलिस कर्मियों ने फुटपाथ पर रहने वाले बेघर लोगों के हाथ सेनेटाइजर से साफ कराए और उन्हें फल भी बांटे। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे के कारण प्रशासन ने जिले में सोमवार से तीन दिन का लॉकडाउन घोषित किया है। हालांकि, अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि इसे 31 मार्च तक बढ़ाया जा सकता है।

गुजरात में लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर करीब 400 लोग हिरासत में

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने कोरोना वायरस के चलते राज्य में घोषित लॉकडाउन का उल्लंघन करने के आरोप में गत 24 घंटे में 426 लोगों को हिरासत में लिया है। वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने बताया कि इनमें वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें घर में पृथक रहने की सलाह दी गई थी और वे बाहर घूम रहे थे। गांधीनगर में पत्रकारों को झा ने कहा, पूरे राज्य में बंदी 90 प्रतिशत सफल रही है और शेष 10-15 प्रतिशत को भी लागू करने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। हमने पुलिस अधिसूचना का उल्लंघन करने के आरोप में 238 प्राथमिकी दर्ज की है जबकि 127 मुकदमे पृथक नियम को तोड़ने से जुड़े हैं। इन सभी मामलों में पूरे राज्य से 426 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने कहा, बंदी को बेहतर तरीके से लागू करने और लोगों की चिंता को दूर करने के लिए 24 घंटे तक काम करने वाला विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है और दो उप महानिरीक्षण स्तर के अधिकारियों को परिचालन की निगरानी करने के लिए तैनात किया गया है। उनके अधीन तीन दल पूरे राज्य के मामलों को सुलझाएगी। झा ने बताया कि पुलिस आयुक्त और सभी जिले के पुलिस अधीक्षकों से बंदी को प्रभावी तरीके से लागू करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाएं जैसे सब्जी और दूध के दुकानों को खुला रखने की अनुमति दी जाएगी। राज्य के पुलिस प्रमुख ने लोगों को दुकान पर भीड़ नहीं लगाने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि राज्य में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 33 मामले सामने आए है जिनमें से एक की मौत हो गई है।

महाराष्ट्र में दिहाड़ी मजदूर व श्रमिक लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित

भाषा। मुंबई

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों से जूझ रहे महाराष्ट्र में लोग अपने घरों के अंदर रहने के लिए बाध्य हैं और इससे सबसे ज्यादा दिहाड़ी और अन्य मजदूर प्रभावित हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को राज्य में पूर्ण लॉकडाउन (बंद) की घोषणा की और कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए एहतियाती उपायों के तहत निषेधाज्ञा लागू की।

राज्य में अब तक 107 लोगों में इस घातक बीमारी की पुष्टि हुई है। हर दिन ऐसे मामलों की संख्या में वृद्धि हो रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उद्योग जगत ने कर्मचारियों को अपने घरों से काम करने की अनुमति दी है वहीं सरकारी कार्यालय पांच प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन श्रमिकों खासकर दैनिक मजदूरी करने वालों को ऐसी कोई राहत नहीं है। कोरोना वायरस के कारण लगे कर्फ्यू ने निर्माण कार्य में लगे श्रमिक रंजन मुखिया (25) की 450 रुपए की दैनिक मजूदरी छीन ली है। बिहार के दरभंगा के निवासी मुखिया उपनगरीय कलीना में एक निर्माणाधीन इमारत में काम करते हैं।

उन्होंने कहाकि मुझे पिछले कुछ दिनों से पैसे नहीं मिले हैं क्योंकि साइट पर काम बंद हो गया है। मेरे ठेकेदार मुझे कुछ आवश्यक चीजें मुहैया करा रहे हैं जिससे मैं बिना पैसे के रह सकूं। मुखिया के अनुसार सरकार द्वारा लॉकडाउन की घोषणा किए जाने के बाद से ही मजदूरों का सामूहिक पलायन जारी है। मुखिया जैसे कई दैनिक मजदूर साझा कमरों में रहते हैं और 500 रुपए प्रति माह किराया देते हैं। एक अन्य दिहाड़ी मजदूर रंजीत कुमार यादव ने कहा,हम जीवित रहने के लिए पैसे उधार ले रहे हैं। हम चाहते हैं कि सरकार कम से कम हमें अपने घर तक जाने में मदद करे।

किराए पर ऑटोरिक्शा चलाने वाले दिलीप बेनबांसी के अनुसार वह 15 साल से यहां रह रहे हैं लेकिन उन्होंने ऐसा लॉकडाउन नहीं देखा। उन्होंने कहाकि मुझे महीने का आवश्यक सामान खरीदने के लिए एक सहयोगी से 2,000 रुपए उधार लेना पड़ा। जितेंद्र यादव जैसे कई श्रमिक शहर छोड़ना चाहते हैं लेकिन वे फंसे हुए हैं क्योंकि रेलवे और बस सेवाएं बंद कर दी गई हैं। यादव के अनुसार, हमारे पास आमदनी का कोई अन्य स्रोत नहीं है और हमारे पास शहर में जीवित रहने के लिए पर्याप्त पैसे भी नहीं है। यदि यह लॉकडाउन जारी रहता है तो हम अपने पैतृक स्थान साइकिल या उससे भी खराब स्थिति में पैदल चलकर जाने के लिए मजबूर होंगे।

गुवाहाटी में कोरोना वायरस के लॉकडाउन में एलपीजी सिलेंडर ले जाती महिला।

घर में ही मनाएं नए साल के पर्व: वेंकैया नायडू

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने देश के विभिन्न भागों में भारतीय नव वर्ष के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले पर्व उगादि, गुड़ी पड़वा, चैत्र शुक्लादि, साजीबू चेराओबा, नवरेह तथा चेटीचंड की देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कोरोना वायरस जनित संकट की वजह से अपने घर में रहकर ही ए पर्व मनाने की लोगों से अपील की है। नायडू ने मंगलवार को अपने संदेश में कहा कि भारत के विभिन्न क्षेत्रों में नववर्ष के आगमन पर ए उत्सव मनाए जाते हैं। उन्होंने देशवासियों से स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनचर्या अपनाने तथा कोरोना वायरस के विरुद्ध सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को कारगर बनाने में सहयोग की अपील की। उगादि, गुड़ी पड़वा, चैत्र शुक्लादि, साजीबू चेराओबा, नवरेह तथा चेटीचंड के शुभ अवसर पर देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। हर्षोल्लास से मनाए जाने वाले ए पर्व बसंत तथा नववर्ष के आगमन का संकेत हैं। ए पर्व हमारी खुशहाली और समृद्धि को अभिव्यक्ति देते हैं।

नायडू ने कहा, आज जब हम इन पर्वों को बेहतर और खुशहाल भविष्य की आशा से मना रहे हैं, हमें यह स्मरण रहे कि आज हम वैश्विक स्तर पर एक अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपदा का सामना भी कर रहे हैं। हमें निरापद रहने के लिए सभी जरूरी सावधानियां और परहेज़ बरतने होंगे। देशवासियों से इन पर्वों को घर के अंदर ही रह कर मनाने और भीड़ भाड़ वाले सामुदायिक आयोजनों से बचने की अपील की। नायडू ने कोरोना वायरस के संक्रमण के विरुद्ध सरकार और चिकित्सा कर्मियों के प्रयासों को कारगर बनाने में सहयोग देने की अपील करते हुए कहा कि आपसी सहयोग और एकजुटता से ही इन प्रयासों को सफल बनाया जा सकेगा।

मुंबई में पृथक केन्द्रों से भागे तीन लोगों को पकड़ा गया

मुंबई। मुंबई के पश्चिमी उपनगरी इलाके में कथित रूप से पृथक केन्द्रों से भागे तीन लोगों को मंगलवार को पकड़ लिया गया। ए लोग दुबई से लौटे थे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि तीनों को दक्षिण-मध्य मुंबई के वडाला से पकड़ा गया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि ए लोग 14 दिन की अनिवार्य पृथकता से भागे थे। झारखंड के निवासी ए तीनों लोग बीते सप्ताह दुबई से लौटे थे और मुंबई में हुई शुरूआती स्क्रीनिंग में उन्हें मुहर लगाकर साकीनाका, अंधेरी और गोरेगांव में पृथक केन्द्रों में भेज दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि तीनों बिना अधिकारियों को बताए केन्द्रों से भाग गए और वडाला में अपने दोस्त के घर रहने लगे। कुछ निवासियों को इन तीनों लोगों के बारे में पता लगा और उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्हें पोवई में पृथक केन्द्र भेज दिया गया। उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि ऐसे ही एक अन्य मामले में नवी मुंबई में घर पर अलग रहने के आदेशों का उल्लंघन करने वाले दंपति के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। सनपाड़ा निवासी दंपति दुबई से लौटा था और उन्हें हवाई अड्डे पर मुहर लगाकर घर में अलग रहने की सलाह दी गई थी। हालांकि दोनों अपने घर के बाहर घूमते नजर आए।

पेज एक का शेष

डॉक्टरों को...

आयुक्त से बात की और इस तरह की किसी भी घटना को रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डाक्टरों ने गृह मंत्री को भेज अपने ज्ञापन में जानकारी दी कि उनके कुछ सहकर्मियों को दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है और खासतौर पर मकान मालिक उन्हें घर खाली करने को कह रहे हैं। डाक्टरों ने दावा किया कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि वे कोविड-19 के रोगियों का इलाज कर रहे हैं इसलिए उनसे संक्रमण फैल सकता है। इसके बाद से प्रताड़ना की घटनाएं सामने आ रही हैं।

देश में...

प्रभावित राज्य है। कर्नाटक में कोरोना वायरस के 37 मरीज हैं जबकि तेलंगाना में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है जिनमें 10 विदेशी हैं। राजस्थान में दो विदेशी सहित 32 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उत्तरप्रदेश में एक विदेशी सहित 37 मामले सामने आए हैं। गुजरात में भी एक विदेशी सहित 33 मामले सामने आए हैं। दिल्ली में एक विदेशी सहित 30 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। हरियाणा में 28 मामले सामने आए हैं जिनमें 14 विदेशी हैं। वहीं पंजाब में 29 मामले सामने आए हैं। लद्दाख में 13 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। तमिलनाडु में दो विदेशी सहित 15 संक्रमित हैं। पश्चिम बंगाल में नौ और आंध्र प्रदेश में आठ मरीज कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। मध्यप्रदेश और चंडीगढ़ में सात-सात मामले सामने आए हैं। जम्मू-कश्मीर में चार संक्रमितों की पुष्टि हुई है। उत्तराखंड में भी एक विदेशी सहित चार लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हैं। हिमाचल प्रदेश और बिहार में तीन-तीन मामले और ओडिशा में दो मामले सामने आए हैं। पुडुचेरी, मणिपुर और छत्तीसगढ़ में एक-एक व्यक्ति के कोरोना वायरस संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

नोएडा में...

बीएन सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमित मिलने के बाद सेक्टर.137 स्थित लॉजिक्स ब्लॉसम ग्रुप हाउसिंग के संपूर्ण परिसर को 26 मार्च तक के लिए सैनेटाइजन हेतु अस्थाई रूप से सीज किया गया है। इस दौरान सोसाइटी से लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही सोसायटी में वाहनों की आवाजाही पर भी रोक रहेगी। गौरतलब है कि बढ़ते कोरोना वायरस के केसों के मद्देनजर जनपद गौतमबुद्ध नगर को लॉकडाउन किया गया है। इस दौरान सभी नागरिकों से अपने-अपने घरों में रहने की अपील की जा रही है। वहीं, ग्रेटर नोएडा के जीटा वन सेक्टर में रहने वाला युवक हाल ही में किसी अफ्रीकी देश की यात्रा से वापस लौटा था। डीएम ने मंगलवार शाम को जीटा वन सोसाइटी को अस्थायी रूप से सील करने का आदेश दिा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें इन तीनों लोगों के संपर्क में आए अन्य लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। प्रशासन ने इनकी सोसाइटियों में किसी के भी अंदर और बाहर आने-जाने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें इन सोसाइटियों में सैनेटाइजेशन की योजना बना रही है।

आठ माह...

रखा गया था। उनके पिता और नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को 221 दिन की हिरासत में रखने के बाद 13 मार्च को रिहा कर दिया गया था। फारुख ने उमर की पीएसए के तहत हिरासत को समाप्त किए जाने पर खुशी जताई। यह भी कहा कि जब तक सभी राजनीतिक बंदियों को नहीं छोड़ा जाता तब तक इन हालात से पूरी तरह छुटकारा नहीं मिलेगा। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को रिहा करने का मंगलवार को स्वागत किया। जन सुरक्षा कानून के तहत इल्तिजा की मां महबूबा मुफ्ती अब भी हिरासत में हैं। उन्होंने अपनी मां के ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, वे भले ही नारी शक्ति और महिला उद्धार की बात करते हों लेकिन ऐसा लगता है कि केंद्र को सबसे ज्यादा डर भी महिलाओं से ही लगता है। उनका इशारा अपनी मां की ओर था जो अब भी हिरासत में हैं। जम्मू-कश्मीर में माकपा के वरिष्ठ नेता एम.वाई. तारीगामी व माकपा सचिव गुलाम नबी मलिक ने भी उमर अब्दुल्ला की रिहाई का स्वागत किया। तारीगामी ने केंद्र शासित प्रदेश में 4जी मोबाइल इंटरनेट सेवा बहाल करने और कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए सभी संसाधन मुहैया करवाने की भी मांग की। जम्मू कश्मीर पीपुल्स कान्फ्रेंस ने उमर की रिहाई का स्वागत करते हुए पार्टी अध्यक्ष सज्जाद लोन की रिहाई की मांग की।हाल ही में नई बनी जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष सैयद मोहम्मद अल्ताफ बुखारी ने भी पूर्व मुख्यमंत्री की रिहाई का स्वागत किया।

मजदूरों को...

इस पर सलाह देने के लिए उन्होंने पांच डॉक्टरों की एक टीम गठित की है। इस टीम को 24 घंटे के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। केजरीवाल ने कहा कि यह अच्छी खबर है कि कुछ मरीज स्वस्थ हो गए हैं लेकिन साथ ही उन्होंने जागरूक किया कि कोरोना वायरस के खिलाफ अभी आगे लंबी लड़ाई चलनी है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे इस मुश्किल घड़ी में एक-दूसरे की मदद करें। लोग कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में मोर्चा संभाले हुए पेशेवरों, यथा... डॉक्टरों, नर्सों, पायलटों और विमान परिचारिकाओं के साथ भेद-भाव नही करें।

राज्यसभा के...

लोकसभा सचिवालय की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया है कि आवश्यक काम पड़ने पर अतिरिक्त सचिव एवं संयुक्त सचिव अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय आने का निर्देश दे सकते हैं। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा को वित्त विधेयक पारित करने के बाद सोमवार को निर्धारित समय से पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। बजट सत्र 3 अप्रैल को समाप्त होना था। राज्यसभा चुनाव के बाबत जानकारी देते आयोग ने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 18 मार्च को नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद दस राज्यों की 37 सीटों के लिए एक-एक उम्मीदवार ने ही नामांकन दाखिल किया जिसके कारण उक्त उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। आयोग की अधिसूचना के मुताबिक आंध्र प्रदेश, गुजरात, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और राजस्थान की शेष 18 सीटों पर 26 मार्च को मतदान होना था। आयोग ने जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 के प्रावधानों के हवाले से कहा कि विशिष्ट परिस्थितियों के कारण चुनाव नहीं करा पाने की स्थिति में आयोग चुनाव की अधिसूचना में संशोधन कर निर्वाचन प्रक्रिया पूरी करने की समय सीमा बढ़ा सकता है। आयोग ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा की छह राज्यों की 18 सीटों के लिए संबद्ध निर्वाचन अधिकारियों द्वारा उम्मीदवारों की सूची पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है इसलिए इस सूची को ही अपरिवर्तित मानते हुए कोरोना से उत्पन्न हालात की समीक्षा करने के बाद ही मतदान और मतगणना की नई तारीख घोषित की जाएगी। आयोग ने बताया कि कोरोना वायरस के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 11 मार्च को वैश्विक महामारी की स्थिति घोषित किए जाने के बाद भारत सरकार ने भी इस वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए विभिन्न दिशानिर्देश जारी किए हैं। यातायात सहित अन्य सेवाओं पर अस्थाई रोक को देखते हुए राज्यसभा की सीटों पर होने वाले द्विवार्षिक चुनाव को संबद्ध राज्यों के निर्वाचन अधिकारियों से मिली रिपोर्ट के आधार पर 23 मार्च को स्थिति की समीक्षा करने के बाद यह फैसला किया है।

सरकार ने...

के तहत जाने से रोका जा सके। कई राज्यों और बड़े शहरों में 31 मार्च तक लॉकडाउन और कर्फ्यू लगा दिए जाने के दौरान लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई है। ऐसे में लोगों को बैंक शाखाओं तक भी कम से कम जाना पड़े इसके लिए उन्हें डिजिटल लेनदेन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बैंक बचत खातों में न्यूनतम शेष की शर्त को भी समाप्त कर दिया गया है। सीतारमण ने कहा कि व्यापार वित्त उपभोक्ताओं के लिए डिजिटल ट्रेड लेनदेन पर लगने वाले बैंक शुल्कों को भी कम कर दिया गया है। इससे डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा। वित्त राज्य मंत्री ने बताया कि कर विवाद निपटान योजना विवाद से विश्वास की अंतिम तिथि को भी बढ़ाकर 30 जून 2020 कर दिया गया है। इसके साथ ही पांच करोड़ रुपए से कम कारोबार करने वाली औद्योगिकी इकाइयों के लिए मार्च से मई के तीन महीने के लिए जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा भी बिना किसी विलंब शुल्क, जुर्माने और बयाज के जून के अंतिम सप्ताह तक बढ़ा दी गई है। इससे छोटे और मझौले उद्यमों को काफी राहत मिलेगी।

हॉकी आस्ट्रेलिया ने सारी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप रद्द की

मेलबर्न। हॉकी आस्ट्रेलिया ने कोविड 19 महामारी के चलते सभी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप रद्द कर दी लेकिन कहा कि स्थानीय चैम्पियनशिप इस साल के आखिर में होगी। सभी सदस्य संघों और मास्टर्स समिति से बातचीत के बाद यह फैसला लिया गया। हॉकी आस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा , आस्ट्रेलियाई मास्टर्स हॉकी चैम्पियनशिप जून और जुलाई में होनी थी जिसे रद्द कर दिया गया है। वही अक्टूबर में 35 प्लस और 40 प्लस की चैम्पियनशिप भी अब नही होगी।

युएफा ने मई में होने वाली चैम्पियंस लीग , यूरोपा लीग स्थगित की

नियोन। युएफा ने मई मे होने वाले चैम्पियंस लीग, यूरोपा लीग और महिला चैम्पियंस लीग फाइनल्स स्थगित करने का फैसला किया है लेकिन अभी नई तारीखो का ऐलान नही किया है। यूरोपीय फुटबाल की शीर्षईकाई पहले ही आगामी सूचना तक स्पर्धाएं स्थगित कर चुकी है। चैम्पियंस लीग फाइनल 30 मई से इस्तांबुल मे होना था जबकि यूरोपा लीग फाइनल 27 मई से पोलैड मे होने वाला था। महिला चैम्पियंस लीग फाइनल 24 मई से विएना मे खेला जाना था।

आयरलैंड फुटबाल टीम मैनेजर ने अलग किया

लंदन। आयरलैड फुटबाल के मैनेजर मिक मैकर्थी ने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण खुद को सबसे अलग कर लिया है। आयरलैड फुटबाल संघ की वेबसाइट पर उन्होने कहा कि हालात बहुत भयावह है। उन्होने बताया कि उनके दो पड़ोसी कोरोना वायरस टेस्ट मे पाजीटिव पाए गए है जिसके बाद उन्होने और उनकी पत्नी फियोना ने खुद को अलग कर लिया है।

घरों में रहे, सकारात्मकता बनाए रखें, बाइ ने अधिकारियों, खिलाड़ियों से कहा

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ ने अपने खिलाड़ियो और अधिकारियो से कोविड 19 के प्रकोप के बीच घरो मे रहने और सकारात्मकता बनाए रखने का आग्रह किया है। कोरेना वायरस संक्रमण के कारण अब तक दुनिया भर मे 16000 लोग मारे जा चुके है जबकि संक्रमित लोगों की संख्या चार लाख के पार है। भारत मे 500 पाजीटिव मामले आए है और नौ लोग मारे जा चुके है। बाइ सचिव अजय सिंघानिया ने एक विज्ञप्ति मे कहा , पूरी दुनिया कोविड 19 से लड़ रही है।

साओ पाउलो स्टेडियम बना ओपन एयर अस्पताल

साओ पाउलो। साओ पाउलो के पाकाएम्बू स्टेडियम को कोरेना वायरस संक्रमण के बीच ओपन एयर अस्पताल बना दिया गया है। इस 45000 की क्षमता वाले स्टेडियम मे 200 से अधिक बिस्तर लग सकते है।

तोक्यो ओलंपिक अगले साल

भाषा। तोक्यो

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि विश्व भर में फैली कोरोना वायरस महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेल 2020 को अगले साल गर्मियों तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पूर्व कार्यक्रम के अनुसार इन खेलों का आयोजन 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होना था लेकिन आईओसी अध्यक्ष थामस बाक और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे के बीच टेलीफोन पर बातचीत के बाद ओलंपिक को पहली बार शांतिकाल में भी स्थगित करने का ऐतिहासिक फैसला किया गया। आबे ने इससे पहले कहा था कि जापान ने आईओसी से खेलों को एक साल के लिए स्थगित करने के लिए कहा जिस पर बाक ने शत प्रतिशत सहमति जताई। एक संयुक्त बयान में इन दोनों ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नवीनतम जानकारी के आधार पर तोक्यो खेलों का कार्यक्रम 2020 से आगे की तारीख में तय करना होगा लेकिन यह 2021 की गर्मियों से आगे नहीं होगा।

ना मशाल, ना मशाल वाहक और ना ही दर्शक

तोक्यो। तोक्यो ओलंपिक मशाल रिले गुरूवार को फुकुशिमा से शुरू होगी लेकिन इसमें ना तो मशाल होगी, ना मशालवाहक और ना ही दर्शक। यूनान से 12 मार्च को ओलंपिक ज्योति यहां पहुंच गई है। इसे लालटेन में एक वाहन पर रखकर घुमाया जाएगा। कोविड 19 के चलते सड़कें सूनी पड़ी है क्योकि लोगों से सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए कहा गया है। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके और जापान की समाचार एजेंसी क्योदो ने यह जानकारी दी। आयोजन समिति के सीईओ तोशिरो मुतो ने कहा , काश कम से कम एक धावक मशाल रिले मे साथ रह पाता। इस बीच तोक्यो ओलंपिक के स्थगित होने की पूरी संभावना बन गईहै। दुनिया भर से खेल महासंघ , मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी इसके लिए दबाव बना रहे है जबकि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने चार सप्ताह के भीतर फैसला लेने की घोषणा की है।

ऐसे खिलाड़ियों, ओलंपिक खेलों में शामिल प्रत्एक व्यक्ति और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। बयान में कहा गया है, इन दोनों ने सहमति व्यक्त की कि तोक्यो में ओलंपिक खेल इस मुश्किल घड़ी में दुनिया के लिए आशा की किरण बन सकते हैं और दुनिया अभी खुद को जिस अंधेरे में पा रही है उसमें ओलंपिक मशाल प्रकाशपुंज का काम कर सकती है। इसके अनुसार, इसलिए इस पर सहमति बनी है कि ओलंपिक मशाल जापान में ही रहेगी। यह भी सहमति बनी है कि खेलों को पहले की तरह ओलंपिक और परालंपिक खेल तोक्यो 2020 के नाम से ही जाना जाएगा। यह तोक्यो शहर के लिए बड़ा झटका है जिसकी ओलंपिक खेलों की तैयारियों के लिए अब तक काफी सराहना हुई है। खेलों के लिए स्टेडियम काफी पहले तैयार हो गए थे और बड़ी संख्या में टिकट भी बिक गए थे। ओलंपिक को अब बहिष्कार, आतंकी हमले और विरोधों का सामना करना पड़ा है लेकिन 1948 के बाद इन्हें हर चार साल में आयोजित किया जाता रहा है। यह दुनिया भर में हजारों लोगों की जान लेने वाले कोरोना वायरस से प्रभावित सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता होगी। इस महामारी के कारण दुनिया भर की खेल प्रतियोगिता ठप्प पड़ी हुई हैं। आईओसी पर 24 जुलाई से शुरू होने वाले खेलों को स्थगित करने का दबाव लगातार बढ़ रहा था क्योंकि कोविड-19 के कारण पूरी दुनिया में एक अरब 70 करोड़ लोग घरों में बंद हैं। अधिकतर खिलाड़ियों के लिए ओलंपिक की तैयारियां करना मुश्किल हो गया था क्योंकि इससे उनके बीमारी से सक्रमित होने का खतरा था। विभिन्न प्रतियोगिताएं और क्वालीफायर्स रद्द कर दी गई थी और अंतरराष्ट्रीय यात्रा सीमित कर दी गई हैं। रविवार को आईओसी ने पहले खेलों को स्थगित करने के प्रस्ताव पर फैसला करने के लिए खुद के लिए चार सप्ताह की समयसीमा तय की थी। लेकिन कनाडा और आस्ट्रेलिया के बाद अमेरिका, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड ने भी इन्हें स्थगित करने की मांग की जिसके बाद आईओसी पर दबाव बढ़ गया था। तोक्यो ने खेलों की मेजबानी पर 12 अरब 60 करोड़ डालर खर्च किया है और इसके ताजा बजट को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि खेलों को स्थगित करने से छह अरब डालर का अतिरिक्त खर्चा होगा।

तोक्यो 2020 ही कहलाएगा

तोक्यो। ओलंपिक खेल स्थगित होने के बावजूद अगले साल भी तोक्यो 2020 ही कहलाएंगे। शहर के गर्वनर ने यह जानकारी दी। गर्वनर यूरिको कोइके ने कहा , इन खेलों का नाम तोक्यो 2020 ही रहेगा। इससे पहले जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के प्रमुख थामस बाक से बातचीत के बाद खेल एक साल के लिए स्थगित किए जाने की घोषणा की थी।

एथलीटों के मैदान के बाहर के कौशल को निखारने के लिए डिजिटल कक्षाओं का आयोजन: रीजीजू

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टाप्स) योजना में शामिल भारतीय खिलाड़ियों के मैदान के बाहर के कौशल को निखारने के लिए डिजिटल कक्षाएं शुरू करेगा। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को डिजिटल कक्षाओं के बारे में ट्वीट किया जबकि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के एक अधिकारी ने इस योजना के पीछे के उद्देशो को समझाया।रीजीजू ने ट्वीट किया, बहुत जल्द हम अपने एथलीटों के लिए डिजिटल कक्षाएं शुरू करेंगे। इसके साथ ही आप जहां भी हों, कृपया अपने सभी महत्वपूर्ण काम खुद ही करें। इसके बारे में विस्तार से पूछे जाने पर साइ के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, यह कार्यक्रम मूल रूप से टाप्स में शामिल एथलीटों के लिए शुरू किया गया। यह खिलाड़ियों के लिए विकास कार्यक्रम है जिसमे उन्हें कानूनी औपचारिकताएं, अनुबंध आदि पर हस्ताक्षर के अलावा मैदान के बाहर के शिष्टाचार जैसे कौशल के बारे मे बताया जाता है। उन्होने कहा कि, यह पहले कक्षाओं मे पढ़ाया जाता था, लेकिन चूंकि हमारे टाप्स एथलीट ज्यादातर बाहर प्रशिक्षण ले रहे हैं। इसलिए अब इसे डिजिटल रूप से पेश किया जा रहा है, जिससे वे दुनिया में कही से भी इसका लाभ उठा सकेंगे।

फीफा के अभियान से जुड़े छेत्री और मेसी

नई दिल्ली। करिश्माई भारतीय फुटबालर सुनील छेत्री को फीफा ने सोमवार को कोरेना वायरस के प्रसार को रोकने के अभियान के संचालन के लिए चुना है जिसमे उनके साथ दुनिया के मौजूदा और पूर्व 28 दिग्गज खिलाड़ी शामिल है। फीफा और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व-प्रसिद्ध फुटबालरों के नेतृत्व में कोरेना वायरस के खिलाफ एक नया जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान के जरिए दुनिया भर के लोगो से बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए पांच प्रमुख चरणो का पालन करने का आह्वान किया गया है। इस अभियान का नाम पास द मैसेज टू किक आउट कोरेना वायरस (कोरेना वायरस को हराने के लिए संदेश फैलाए) है जिसमे डब्ल्यूएचओ के मार्गदर्शन मे लोगो को लोगो के स्वास्थ्य के लिए पांच प्रमुख चरणो को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमे हाथ धोना, खांसने से जुड़ा शिष्टाचार, चेहरे को छूने से बचना, शारीरिक दूरी और अगर अस्वस्थ महसूस कर रहे है तो घर मे रहना शामिल है। इस वीडियो अभियान को 13 भाषाओ मे तैयार किया गया है जिसमे 28 खिलाड़ियो मे पूर्व भारतीय कप्तान छेत्री, अर्जेटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी के अलावा फिलिप लाहम, इकर कैसिलास और कार्ल्स पुयोल जैसे विश्व कप विजेता खिलाड़ी शामिल है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टी.ए. घेब्रेसस ने स्विट्जरलैड के जिनेवा मे डब्ल्यूएचओ मुख्यालय से अभियान की आभासी शुरूआत मे कहा, फीफा और उसके अध्यक्ष जियान्नी इन्फेंटिनो शुरू से ही इस महामारी के खिलाफ संदेश देने में सक्रिय रूप से शामिल रहे है। इन्फेंटिनो ने कहा, हमे कोरेनोवायरस का मुकाबला करने के लिए टीम वर्क की आवश्यकता है। फीफा ने डब्ल्यूएचओ के साथ मिलकर यह काम किया है क्योकि स्वास्थ्य पहले आता है। मै दुनिया भर के फुटबाल समुदाय का आह्वान करता हूं कि इस अभियान को आगे बढ़ाने और संदेश को प्रसारित करने मे हमारा साथ दे।

द.अफ्रीका के केंद्रीय अनुबंध से स्टेन बाहर, हेंडरिक्स शामिल

जोहानिसबर्ग। अनुभवी तेज गेंदबाज डेल स्टेन को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के वर्ष 2020- 21 के सालाना करार में जगह नही मिली है जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ब्यूरान हेंडरिक्स को 16 सदस्ईय सूची मे शामिल किया गया है। 36 वर्ष के स्टेन ने फरवरी मे चोटो से उबरकर वापसी की थी। उन्हे अक्टूबर मे होने वाले टी20 विश्व कप टीम मे जगह मिलने की उम्मीद थी। दक्षिण अफ्रीकी बोर्ड ने हालांकि युवा खिलाड़ियों मे भरोसा जताया और एनरिच नोर्जे, ड्वेन प्रिटोरियस तथा बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन को करार दिए है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी जाक फाउल ने एक बयान मे कहा , हमने 16 पुरूष और 14 महिला खिलाड़ियों को अनुबंध दिए है। इसमे टेस्ट और सीमित ओवरों के खिलाड़ी शामिल है। अनुबंधित पुरूष खिलाड़ी : तेम्बा बावुमा, क्विंटोन डिकाक, फाफ डु प्लेसी, डीन एल्गर, ब्यूरान हेडरिक्स, रीजा हेडरिक्स, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, लुंगी एंगिडि, एनरिच नार्जे, एंडिले फेलुक्वायो, ड्वेन प्रिटोरियस, कैगिसो रबाडा, तबरेज शम्सी, रासी वान डेर डुसेन। महिला खिलाड़ी : तृषा शेट्टी, नेडाइन डि क्लर्क, मिगनोन डु प्रीज, शबनम इस्माइल, सिनालो जाफ्टा, मरिजाने काप, आयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लस, लिजेले ली, सुने लुस, तुमी एस, चोले ट्रायोन, डेन वान नीकर्क, लौरा वोल्वार्ट।

पीसीबी हाई परफोर्मेंस केंद्र को पैरामेडिकल स्टाफ की आवसीय सुविधा के लिए देगा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सिंध प्रांत की सरकार के अनुरोध पर कोविड-19 महामारी के इलाज में शामिल पैरामेडिकल कर्मचारियों के लिए हनीफ मोहम्मद हाई परफोर्मेंस केंद्र को अस्थाई आवास सुविधा में बदलने के लिए सहमत हो गया है। पाकिस्तान में अब तक कोविड-19 के 803 मामलों की पुष्टि हुई है जिसमें छह की मौत हुई है। वैश्विक स्तर पर इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 16,000 को पार कर गई है। पीसीबी के मुख्य संचालन अधिकारी सलमान नसीर ने कहा, इस चुनौतीपूर्ण और कठिन समय में सभी पैरामेडिकल कर्मचारी हमारे नायक हैं, वे कोविड -19 से प्रभावित कई लोगों के जीवन को बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, पीसीबी को अपने अत्याधुनिक हनीफ मोहम्मद हाई परफोर्मेंस केंद्र को अस्थाई आवास के रूप में पेश करने की खुशी होगी। इसमें एक्सपो सेंटर अस्पताल में काम कर रहे पैरामेडिकल कर्मचारी प्रभावपूर्ण तरीके से पीड़ित लोगों की सेवा कर सकेंगे।

आईपीएल आयोजन को लेकर मेरे पास कोई जवाब नहीं :गांगुली

भाषा। नई दिल्ली

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने मंगलवार को कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण से मुकाबला करने के लिए देशव्यापी लाकडाउन (बंद) को देखते हुए इस साल के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन पर उनके पास कोई जवाब नहीं है। गांगुली ने विशेष साक्षात्कार में कहा, मैं फिलहाल कुछ नहीं कह सकता। हम उसी स्थान पर हैं जहां हम इसे निलंबित करने वाले फैसला लेते समय थे। पिछले 10 दिनों में कुछ भी नहीं बदला है। ऐसे में मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। यथास्थिति बनी हुई है। पूर्व भारतीय कप्तान ने दुनिया भर में मौजूदा स्थिति को देखते हुए अगले तीन चार महीने की योजना बनाने की किसी भी संभावना से इनकार कर दिया।आप कुछ भी योजना नहीं बना सकते हैं। एफटीपी (भविष्य दौरा कार्यक्रम) निर्धारित है। आप उसे बदल नहीं सकते। दुनिया भर में क्रिकेट और बहुत सारे खेल बंद हो गए हैं। उन्होंने इस बात पर भी संदेह व्यक्त किया कि सभी हितधारकों को होने वाले नुकसान के लिए मौजूदा स्थिति को बीमा द्वारा पूरा किया जा सकता है। मैं पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हूं कि हम बीमा राशि प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि यह एक सरकारी बंद है। मुझे पता नहीं है कि सरकारी लॉकडाउन बीमा के तहत आता है या नहीं। हमें इंतजार करना होगा। हमने इन सभी चीजों का आकलन नहीं किया है। इस समय, मेरे लिए कोई ठोस जवाब देना बहुत मुश्किल है। हमें अभी इंतजार करना होगा। हमने इन सभी चीजों का आकलन नहीं किया है। इस समय, मेरे लिए कोई ठोस जवाब देना बहुत मुश्किल है। दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड ने अभी तक कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए कोई दान नहीं दिया है। वह इस मामले पर बोर्ड के सचिव जय शाह के साथ चर्चा कर बेहतर विकल्प का पता लगाने की कोशिश करेंगे।

कभी सोचा नहीं था कि अपने शहर को ऐसे देखूंगा : गांगुली ने कोविड 19 लॉकडाउन पर कहा

कोलकाता। कोविड 19 महामारी के चलते राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन मे यहां सूनी सड़कें देखकर बीसीसीआई अध्यक्ष और भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी सोचा नही था कि अपने शहर मे ऐसा नजारा देखेगे। गांगुली ने वीरान सड़को की तस्वीरे ट्विटर पर डालकर लिखा , कभी नही सोचा था कि अपने शहर को ऐसे देखूंगा। सुरक्षित रहिए। जल्दी ही हालात बेहतर होंगे। सभी को प्यार। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण दुनिया भर मे खेल आयोजन स्थगित है या रद्द कर दिए गए है।

कोविड 19 के चलते सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप फिलहाल टली

भाषा। नई दिल्ली

लखनऊ में 27 अप्रैल से तीन मई तक होने वाली 84वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप कोविड 19 महामारी के कारण फिलहाल टाल दी गई है। भारतीय बैडमिंटन संघ ने सभी राज्य सचिवों से लखनऊ के टिकट नहीं कटाने के लिए कहा है। बाइ के अजय सिंघानिया ने कहा , हमने कोरोना वायरस संक्रमण के कारण फिलहाल 84वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप और 75वीं अंतर प्रांत, अंतर क्षेत्र चैम्पियनशिप टाल दी है। हमने राज्य सचिवों से लखनऊ के टिकट नहीं कटाने के लिए कहा है। देश में 31 मार्च तक लॉकडाउन है और हम अपने खिलाड़ियों या अधिकारियों को जोखिम में नहीं डाल सकते। हम एक अप्रैल को इस पर फैसला लेंगे। बाइ ने अपनी कार्यकारी परिषद के सदस्यों से इस पर राय मांगी थी और अधिकांश ने टूर्नामेंट स्थगित करने का सुझाव दिया है।

शेयर बाजार में सुधार से निवेशकों की संपत्ति 1.82 लाख करोड़ बढ़ी

भाषा। नई दिल्ली

शेयर बाजारों में मंगलवार को कुछ सुधार आने से निवेशकों की संपत्ति।,82,769.92 करोड़ रुपए बढ़ गई। शेयर बाजारों में सोमवार को आई बड़ी गिरावट के बाद बाजार मंगलवार को कुछ मजबूत हुए। वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी के साथ घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती रही। यह उम्मीद की जा रही है कि सरकारें कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन उपायों की घोषणा कर सकती हैं। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स मंगलवार को 692.79 अंक यानी 2.67 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,674.03 अंक पर बंद हुआ। इससे बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण।,82,769.92 करोड़ रुपए बढ़कर।,03,69,706.20 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सोमवार को सेंसेक्स 3,934.72 अंक यानी 13.15 प्रतिशत लुढ़क कर 25,981.24 अंक पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से इन्फोसिस सर्वाधिक लाभ में रहा। कंपनी का शेयर 12.69 प्रतिशत मजबूत हुआ। उसके बाद क्रमशः बजाज फाइनेंस, एचयूएल और आरआईएल का स्थान रहा।

पया 26 पैसे के उछाल के साथ प्रति डालर 75.94 रुपए पर

मुंबई। कोरोना वायरस की वजह से उत्पन्न संकटो से निपटने के लिए जल्द आर्थिक पैकेज लाने की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की मंगलवार की घोषणा के बाद रुपए मे पिछले चार दिन से चली आ रही गिरावट थम गई और यह 26 पैसो के लाभ के साथ 75.94 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सुबह शुरू मे डालर के मुकाबले रुपए मे मजबूती थी। लेकिन कोरेना वायरस का घरेलू अर्थव्यवस्था पर होने वाले प्रभावों की चिंताओ के बीच इसमे भारी उतार चढ़ाव देखा गया। बाद मे सरकार ने कहा कि कोरोना वायरस के असर से निपटने के लिए आर्थिक पैकेज पर काम हो रहा है। बाद मे रुपए मे सुधार आया। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजार में सुधार आने से भी रुपए को समर्थन प्राप्त हुआ। मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में 693 अंको की तेजी आई। अन्तरबैक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार मे रुपया 76.02 रुपए पर खुला। दिन के कारोबार मे यह 75.94 रुपए के उच्च स्तर और 76.40 रुपए के निम्न स्तर के बीच झूलता रहा। कारोबार के अंत मे रुपया 26 पैसे की तेजी के साथ 75.94 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर 76.20 रुपए प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने नकदी का खजाना खोला

● दुनिया के बाजारों का हौसला बढ़ा

भाषा। वाशिंगटन

फेडरल रिजर्व ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को कोरोना वायरस के प्रभाव से बचाने के लिए बैंकों को असीमित मात्रा में नकद धन उपलब्ध कराने के लिए बड़ा कदम उठाया है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक अधिक-से-अधिक बांड की खरीद करेगा और इस संकट से पार पाने में मदद के लिए छोटी एवं बड़ी कंपनियों तथा स्थानीय सरकारों को कर्ज देना शुरू करेगा। फेडरल रिजर्व की सोमवार की घोषणा में बांड खरीद की कोई सीमा तय नहीं की गई है। इस पहल का मकसद अर्थव्यवस्था में नकदी के प्रवाह को बनाए रखना है जो कारोनो वायरस महामारी के कारण संकट में है। केंद्रीय बैंक का यह कदम 2008 में आर्थिक संकट के दौरान किए गए उपायों से भी व्यापक है। फेडरल रिजर्व ने एक बयान में कहा, कोरोना वायरस महामारी से अमेरिका और दुनिया के अन्य देशों में संकट गहरा गया है। इसमें कहा गया है, हमारे देश की पहली प्राथमिकता उन क्षेत्रों की मदद करना है जो इससे प्रभावित हैं तथा वायरस को फैलने से रोकना है। अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है, यह साफ है कि अर्थव्यवस्था के समक्ष गंभीर बाधाएं आएंगी। सावजनिक एवं निजी दोनों क्षेत्रों में आक्रमक कदम उठाने की जरूरत होगी ताकि नौकरी से निकाले जाने और आय में कमी को रोका जा सके तथा संकट टलने पर तेजी से चीजों को पटरी पर लाई जा सके।

गंगवार ने निर्माण मजदूरों को उपकर कोष से सहातया उपलब्ध कराने को कहा

नई दिल्ली। श्रम मंत्री संतोष गंगवार ने मंगलवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से निर्माण क्षेत्र में काम कर रहे 3.5 करोड़ से अधिक कर्मचारियों को 52,000 करोड़ रुपए के निर्माण श्रमिक उपकर कोषसे वित्तीय मदद उपलब्ध कराने को कहा है। कोरोना वायरस महामारी के कारण निर्माण क्षेत्र पर पड़ रहे असर के बीच उन्होंने यह बात कही है। गंगवार ने सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और लेफ्टिनेंट गवर्नर को इस संदर्भ में 24 मार्च को परामर्श जारी किया।

उत्तराखण्ड राज्य भण्डारण निगम

दूरभाष/फैक्स नं0-05944-240251, ई-मेल- ukswcho@gmail.com

पत्रांक : उत्तराखण्ड/910/निर्माण/सम्मत/सूचना/2019-20 दिनांक : 24.03.2020

निविदा विस्तार सूचना

दिनांक 11.03.2020 को दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित निविदा जो दिनांक 25.03.2020 को आमंत्रित की गयी है, को कोरोना वायरस के दृष्टिगत संशोधित किया जाता है। उक्त मुहरबन्द निविदा दिनांक 27.04.2020 को आमंत्रित की जाती है तथा दिनांक 23.04.2020 से 25.04.2020 तक प्रधान कार्यालय रूद्रपुर में बेची जायेगी। शेष शर्तें यथावत रहेंगी। प्रबन्ध निदेशक

मायलैब का दावा, उसकी कोरोना वायरस टेस्ट किट से जांच में लगेगा कम समय

मुंबई। बीमारियों की जांच समा के समाधान बनाने वाली पुणे की मायलैब डिस्कवरी सॉल्युशंस ने मंगलवार को दावा किया कि उसके कोरोना वायरस जांच किट से जांच में लगने वाला समय घटकर ढाई घंटा रह जाएगा। अभी इस जांच में छह से सात घंटे का समय लग रहा है। कंपनी की जांच किट को सोमवार देर रात वाणिज्यिक उत्पादन के लिए वैधानिक अनुमति मिल गई। कंपनी के सह - संस्थापक श्रीकांत पटोले ने पीटीआई - भाषा से कहा कि कंपनी की मायलैब पैथोडिटेक्ट कोविड-19 क्वालिटेटिव पीसीआर किट से कोरोना वायरस की जांच में ढाई घंटे का समय लगता है क्योंकि इसमें स्क्रीनिंग और पुष्टि का काम साथ - साथ होता है। जबकि मौजूदा समय में इस जांच में छह से सात घंटे का वक्त लगता है। उन्होंने कहा कि उसके लोनावला स्थित संयंत्र में प्रतिदिन ऐसी 15,000 किट बना सकती है जिसे बढ़ाकर 25,000 किट प्रतिदिन तक किया जाएगा। कंपनी की मायलैब पैथोडिटेक्ट कोविड-19 क्वालिटेटिव पीसीआर किट को सोमवार देर रात राष्ट्रीय वायरोलॉजी संस्थान, भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएसको) से वाणिज्यिक उत्पादन की अनुमति मिल गई है। पटोले ने कहा कि 25 वैज्ञानिकों की टीम ने इस किट पर छह हफ्ते पहले ही काम शुरू कर दिया था।

एन्मी ने सेबी से दो दिन के लिए शेयर बाजारों को बंद करने को कहा

नई दिल्ली। शेयर ब्रोकरों के संगठन एन्मी ने मंगलवार को बाजार नियामक सेबी से कम से कम दो दिन के लिए शेयर बाजारों को बंद करने के लिए कहा। एन्मी का कहना है कि इससे सभी राज्यों द्वारा शेयर ब्रोकिंग को आवश्यक सेवा घोषित नहीं करने की स्थिति में ब्रोकरेज फर्मों को अपनी पूरी बकाया पोजिशन को नक्की करने का समय मिल जाएगा। इसबीच, केंद्र सरकार ने सोमवार को सभी राज्यों के मुख्य सचिवों से सेबी विनियमित शेयर बाजारों की गतिविधियों और उनके कार्यबल को कारोना वायर संक्रमण से बचाव के लिए लागू पाबंदी से छूट देने का अनुरोध किया।

खुदरा दुकानदारों ने किराना दुकानें खोलने की अनुमति देने का आग्रह किया

मुंबई। खुदरा दुकानदारों के संगठन (आरएआई) ने राज्य प्रशासनों से लॉकडाउन के दौरान देश भर में खाने-पीने और किराना दुकानों को खोलने की अनुमति देने का आग्रह किया है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात में कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद यह आग्रह किया है। इन राज्यों में पुलिस से खुदरा दुकानदारों के कर्मचारियों और समान पहुंचाने का काम करने वालों की पिटाई की तथा उन्हें पुलिस स्टेशन ले गए। एसोसिएशन ने घरों तक सामान पहुंचाने की अनुमति देने का भी आग्रह किया है ताकि लोग घरों से बाहर नहीं निकले तथा कोरोना वायरसको फैलने से रोका जा सके। संगठन ने कहा, मॉल या जहां कहीं भी खुदरा किराने की दुकानें हैं और चाहे वे छोटी हो या फिर एयर कंडीशनर, उसे खोले रखने की अनुमति दी जाए। आरएआई के अनुसार ज्यादातर राज्य पहले ही इस विचार से सहमत हैं कि आटा, चावल जैसे सामान बेचने वाली किराना दुकानों को बंद करने से जरूरी जिंसों की बिक्री प्रभावित होगी तथा इससे नाागरिकों की समस्या बढ़ेगी। इससे लोग घबराकर अधिक समान खरीदेंग, इससे बाजार में सामान की कमी होगी। संगठन ने यह भी कहा कि इस काम से जुड़े कर्मचारी अपना जीवन जोखिम में डालकर लोगों की सेवा कर रहे हैं।

प्रधान ने सार्वजनिक उपक्रमों से जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने मंगलवार को अपने मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाले सार्वजनिक उपक्रमों के शीर्ष प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की। यह बैठक कोरोना वायरस महामारी के बीच स्थिति का जायजा लेने के लिए हुई। सूत्रों के अनुसार मंत्री ने वीडियो कांफ्रेन्सिंग के जरिए बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में ओएनजीसी, गेल, सेल, आरआईएनएल, एनएमडीसी, मॉयल और केआईओसीएल समेत अन्य उपक्रमों के प्रमुख शामिल हुए।

लापता व्यक्ति की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह व्यक्ति जिसका **नाम:** जबीर उर्फ जबर, **पुत्र:** अबदुल हुसैन, **पता:** मकान नं. ई-1134, जे. जे. कॉलोनी बवाना, दिल्ली **उम्र:** 33 साल, **कद:** 5 फीट, **रंग:** गेहुँआ, **चेहरा:** अंडाकार, **बाल:** काले, **शरीर:** साधारण, **पहनावा:** काले रंग की जिन्स व खाकी जैकेट पहने हुए है, जो दिनांक 03.02.2020 समय प्रातः 04:00 से लापता हो गया है।

इस संदर्भ में DD No. 16A, दिनांक 06.02.2020, थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली में दर्ज है।

पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अबतक इस लापता व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है। यदि किसी भी व्यक्ति को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

ईमेल : cic@cbi.gov.in
वेबसाइट : http://cbi.nic.in
फैक्स : 011-24368639
दूरभाष : 011-24368638, 24368641

थाना प्रभारी
थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली
फोन: 011-27787592, 27787593
DP/40/ON/2020

परीक्षण के दौरान हुई गलतियों से अमेरिका में वायरस के रोकथाम की प्रक्रिया हुई बाधित

कोरेना वायरस के मामले पाए जाने के बाद आपातकाल की घोषणा के बाद सुपर मार्केट से जरूरी सामानों की खरीदारी करते लोग

एपी। वाशिंगटन

एसोसिएट प्रेस की समीक्षा में पाया गया कि देश की शीर्ष स्वास्थ्य एजेंसी में एक के बाद एक कई गलत कदमों की वजह से कोरोना वायरस के विश्वसनीय प्रयोगशाला परीक्षणों की कमी आई जिससे समूचे अमेरिका में इस महामारी के प्रसार को रोकने के संघीय प्रयासों में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने के शुरू में अमेरिकी लोगों को आश्वस्त किया था कि रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) द्वारा विकसित कोविड-19 टेस्ट बिल्कुल सही है और कोई भी जो जांच करना चाहता है करा सकता है। हकीकत यह है कि अमेरिका में इस बीमारी का पहला मामला सामने आने के दो महीने से ज्यादा बीतने के बाद भी कई लोगों की जांच अब भी नहीं हो सकी है।फरवरी के महीने में जब वायरस ने अमेरिकी जनसंख्या में जड़ें जमानी शुरू कर दी थीं तब सीडीसी के आंकड़ों के मुताबिक सरकारी प्रयोगशालाओं ने कोविड-19 के 352 परीक्षण ही किए थे- यानी औसतन रोजाना 12 परीक्षण।विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस एधोनोम घेब्रेएसस ने हाल में कहा था, आप आंख पर पट्टी बांध कर आग बुझाने का काम नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, अगर हमें यह नहीं पता कि इस बीमारी से कौन संक्रमित है तो हम इस महामारी को नहीं रोक सकते। स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के तहत ही सीडीसी आता है और अब विभाग ने अपनी गलतियों के आकलन के लिए आंतरिक समीक्षा शुरू कर दी है। बाहरी पर्यवेक्षकों और संघीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने हालांकि चार प्राथमिक मुद्दे बताएं हैं जिन्होंने मिलकर राष्ट्रीय प्रक्रिया को बाधित किया- विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अपनाए गए परीक्षण को स्वीकार नहीं करना, सीडीसी द्वारा विकसित और जटिल टेस्ट की कमियां, किसका परीक्षण किया जा सकता है इसे सीमित करने वाले सरकारी दिशानिर्देश और जांच की सुविधा को बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को इसमें जोड़ने में हुई देरी। हॉवर्ड के ग्लोबल हेल्थ इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. आशीष के झा ने एपी को बताया, कई मौके थे, जिनकी वजह से आज की स्थिति से बच सकते थे। उन्होंने कहा, असल में उन्होंने इसे सामान्य तौर पर लिया [8230] और ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि व्हाइट हाउस से संदेश था कि यह कोई बड़ी बात नहीं है, यह फ्लू से बुरा नहीं है। इस संदेश ने वास्तव में एफडीए और सीडीसी के अंदर ऐसा माहौल बनाया कि इसके इलाज में अत्यावश्यक जैसी कोई चीज नहीं है।

निजी प्रयोगशालाओं को भी दो हफ्ते पहले ही सरकारी नियामकों से मंजूरी मिली है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि देश में अब भी जांच की पर्याप्त क्षमता नहीं है जिससे इस बेहद संक्रामक वायरस से आगे निपटा जा सके।

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 76 नए मामले सामने आए

एपी। सियोल

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 76 नए मामले सामने आने के साथ ही नौ लोगों की मौत हो गई है। देश में इस घातक वायरस से अब तक 120 लोगों की मौत हो चुकी है और संक्रमित लोगों की संख्या 9,037 पर पहुंच गई है।

दक्षिण कोरिया के रोग नियंत्रण एवं बचाव केद्र ने मंगलवार को कहा कि अब तक 171 मामले ऐसे हैं जो विदेश से संक्रमण लेकर देश आए हैं। यूरोप, उत्तरी अमेरिका और अन्य देशों में प्रकोप के भयावह रूप लेने के बीच अधिकारियों ने संक्रमित लोगों के देश में प्रवेश को रोकने के लिए सीमा नियंत्रण गतिविधि तेज कर दी है।

देश के करीब 7,700 मामले दक्षिणपूर्वी शहर दाएगू और पड़ोस के इलाकों से सामने आए हैं जहां हजारों संक्रमित लोग रहस्यमई चर्च संप्रदाय से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं।

चीन में कोरोना वायरस के 78 नए मामले सामने आए

भाषा। बीजिंग

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के 78 नए मामले सामने आए हैं जिनमें से 74 मामले ऐसे हैं जो विदेशों से संक्रमण लेकर आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि कोविड-19 से सात और लोगों की मौत की बाद मृतकों की संख्या 3,277 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने मंगलवार को बताया कि चीनी मुख्यभूमि पर सोमवार तक कुल 81,171 लोग संक्रमित थे। इनमें बीमारी से मरने वाले 3,277 लोग, अभी भी इलाज करा रहे 4,735 मरीज और सेहत में सुधार होने के बाद अस्पताल से जाने दिए गए 73,159 मरीज शामिल हैं। आयोग ने बताया कि सोमवार को चीन मुख्यभूमि पर कोविड-19 के 78 नए मामले सामने आए जिनमें से 74 विदेशों से संक्रमण लेकर आए लोग हैं। ऐसे मामलों की संख्या अब 427 हो गई है। इसके अलावा सोमवार को सात मौत और 35 नए संदिग्ध मामले भी सामने आए। ए सातों मौत हुबेई

● बाहर से आए संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ी

प्रांत में हुई।बीजिंग में कोविड-19 के कुल मामले आठ मौत के साथ 522 पर पहुंच गए हैं जिसके बाद बीजिंग और शंघाई की स्थानीय सरकारों ने विदेशों से आने वाले सभी लोगों का न्यूक्लिक एसिड परीक्षण कराने की घोषणा की है ताकि उचित जांच हो सके।आयोग ने बताया कि विदेशों से संक्रमित होकर आए 74 नए मामलों में से 31 बीजिंग से, 14 गुआंगदोंग से, नौ शंघाई से, पांच फुजियान से, चार तियानजिन से, तीन जियांगसु से, दो झेजियांग से और एक-एक मामला शानशी, लिएओनिंग, शानदोंग और चोंगकिंग से सामने आए हैं।बीजिंग ने पहले ही सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर विभिन्न शहरों में भेजना शुरू कर दिया है जहां यात्रियों को शहर में आने से पहले 14 दिन अलग रहना होगा। आयोग ने कहा कि 132 लोगों में अब भी संक्रमण का संदेह है।कोरोना वायरस से सर्वाधिक प्रभावित वुहान में पांच दिन के अंतराल के बाद एक मामले की पुष्टि हुई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने खबर दी कि सोमवार तक हांग कांग में चार मौत समेत 356 लोग संक्रमित पाए गए। मकाउ में 25 और ताइवान में दो मौत समेत 195 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

चीन में वायरस के मामलों में कमी आने के बाद अधिकारियों ने प्रतिबंधों में ढील देना शुरू कर दिया है। वायरस के प्रसार को रोकने के प्रयासों में समन्वय कर रही प्रधानमंत्री ली क्विंग के अध्यक्षता वाले सेंट्रल लीडिंग ग्रुप (सीएलपी) ने कहा कि वुहान समेत पूरे देश में वायरस के प्रसार को नियंत्रित कर लिया गया है।

एक आधिकारिक बयान में सोमवार को बताया गया कि बैठक में देश भर में वायरस के प्रसार को रोक लिया गया है। हालांकि बैठक में आगाह किया गया कि संक्रमण के इक्के-दुक्के मामले और स्थानीय स्तर पर प्रकोप फैलने का खतरा अभी कम नहीं हुआ है। दुनिया भर में वैश्विक महामारी का प्रकोप जारी रहने के बीच स्थिति अभी भी जटिल एवं चनौतीपूर्ण बनी हुई है।

ईरान में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 1,934 हुई

तेहरान, एएफपी

ईरान ने मंगलवार को ऐलान किया कि देश में कोरोना वायरस से 122 और लोगों की मौत हो गई है, जिसके बाद, देश में इस महामारी से जान गंवाने लोगों की संख्या बढकर।,934 हो गई है। ईरान कोरोना वायरस से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में से एक है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता कियानूश जहानपुर ने कहा कि ईरान में 24 घंटे में कोरोना वायरस के रिकॉर्ड।,762 नए मामले सामने आए हैं, जिसके साथ ही संक्रमितों की संख्या बढ़कर 24,811 हो गई है।

कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए ब्रिटेन में तीन हफ्ते का बंद

भाषा। लंदन

बोरिस जॉनसन ने देश में कोविड-19 के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लोगों की आवाजाही पर कम से कम तीन हफ्ते के लिए सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। वायरस के चलते देश में मृतकों की संख्या 335 पर पहुंच गई है।

सोमवार शाम को टेलीविजन पर प्रसारित देश के नाम संबोधन में उन्होंने कहा कि कोई भी प्रधानमंत्री अपने लोगों पर इस तरह का दबाव नहीं बनाना चाहता लेकिन हालात इस तरह के हैं कि उन्हें लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित करने और दो से अधिक लोगों के जुटने पर उनके खिलाफ कार्वाई करने को मजबूर होना पड़ा है।

लोगों को अपने घर से केवल बहुत जरूरी सामानों के लिए बाहर निकलने का संदेश देते हुए जॉनसन ने कहा, आज शाम से मैं ब्रिटेन के लोगों को बहुत साधारण निर्देश दे रहा हूं - आप घर पर ही रहें। लोगों को केवल जरूरी सामान खरीदने, किसी चिकित्सीय जरूरत, किसी जरूरतमंद व्यक्ति की देखभाल या मदद के लिए तथा काम के सिलसिले में आने-जाने की इजाजत होगी लेकिन उसी सूरत में जब काम घर से नहीं हो सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आपको दोस्तों से मुलाकात नहीं करनी है। अगर आपके दोस्त आपको मिलने के लिए बुलाते हैं तो आपको न कहना होगा। जो परिवार के सदस्य आपके घर में नहीं रहते हैं उनसे आपको मुलाकात नहीं करनी है। जॉनसन ने चेताया कि जो भी इन सख्त नियमों का उल्लंघन करेगा उसे पुलिस की कार्वाई का सामना करना होगा। इसी तरह की सख्ती दुनिया के अन्य देशों में भी देखने को मिल रही है।

फ्रांस भी इस वायरस से निपटने के लिए लॉकडाउन (बंद) के नियमों को सख्त करने वाला है जिसके तहत वह व्यायाम को सीमित करेगा तथा खुले में लगने वाले बाजारों को बंद करेगा। प्रधानमंत्री एडवर्ड फिलिप ने सोमवार को एक साक्षात्कार में कहा कि वह एक किलोमीटर से ज्यादा की जॉगिंग और खुले में लगने वाले बाजारों को बंद करने के लिए मंगलवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। हालांकि स्थानीय अधिकारी कुछ मामलों में राहत देने की मांग कर सकते हैं।

वहीं अफ्रीका की सबसे औद्योगिकृत अर्थव्यवस्था और 5.7 करोड़ की आबादी वाले देश दक्षिण अफ्रीका में बृहस्पतिवार से 21 दिन के लिए राष्ट्रव्यापी बंद प्रभावी होगा। देश में कोविड-19 के मामले 402 पर पहुंचने के बाद राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने सोमवार को इसकी घोषणा की। रवांडा और ट्यूनीशिया के बाद दक्षिण अफ्रीका तीसरा अफ्रीकी देश है जिसने जरूरी आर्थिक गतिविधियों के अलावा सब काम रोक दिए हैं।

पमें साथ ही पहली बार कोरोना वायरस के कारण एक दिन में 130 से अधिक लेते श्रमिक

अमेरिका में एक दिन में कोरोना वायरस के 10,000 मामले सामने आए

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में कोरोना वायरस के एक ही दिन में 10,000 से अधिक पुष्ट मामले सामने आए हैं जिससे देश में ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 43,734 हो गई है।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महत्वपूर्ण चिकित्सा सामान की आपूर्ति और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की जमाखोरी रोकने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

अमेरिका में साथ ही पहली बार कोरोना वायरस के कारण एक दिन में 130 से अधिक मौतें हुईं जिससे सोमवार रात तक इस घातक बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 550 हो गई।

विश्व में कोविड.. 19 मामलों को संकलित करने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार सोमवार तक अमेरिका में कोरोना वायरस के 43,734 पुष्ट मामले सामने आए। इनमें से 10,000 से अधिक एक दिन

● ट्रंप ने दी चेतावनी

में बढ़े। कोरोना वायरस प्रकोप के बीच सोमवार को ट्रंप ने महत्वपूर्ण चिकित्सा आपूर्ति की जमाखोरी को रोकने के उद्देश्य से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी सरकार महत्वपूर्ण चिकित्सा और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की जमाखोरी और अत्यधिक मूल्य निर्धारण करने वालों पर कार्वाई करेगी। उन्होंने कहा, हम किसी को भी अमेरिकी नागरिकों की पीड़ा का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल नहीं करने देंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि न्याय विभाग दुनिया भर में 15,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाली इस महामारी से संबंधित धोखाधड़ी की योजनाओं पर आक्रामक रूप से अभियोजन चलाएगा। न्यूयॉर्क प्रांत, विशेष रूप से न्यूयॉर्क सिटी हाल के कुछ समय में अमेरिका में सबसे खराब सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट में से एक का केंद्र बन गया है। कोरोना वायरस से संक्रमित हर दो अमेरिकियों में से लगभग एक न्यूयॉर्क शहर से है। वहां सोमवार को 5,085 नए मामले सामने आए जिससे वहां कुल मामले बढ़कर 20,875 हो गए। न्यूयॉर्क के अभी तक 157 निवासियों की कोरोना वायरस से मृत्यु हो चुकी है। शहर में अब तक हुई कुल मौतों में से 43 मौतें सोमवार को हुई।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में न्यूयॉर्क में कोविड-19 से मरने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होने की आशंका है। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि न्यूयॉर्क के साथ ही वाशिंगटन प्रांत और कैलिफोर्निया जैसे अन्य कोरोना वायरस प्रभावित क्षेत्र उनके प्रशासन के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा, आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति और आपातकालीन उपकरणों को न्यूयॉर्क ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा, संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी देशभर में 80 लाख एन -95 मास्क और 1.33 करोड़ सर्जिकल मास्क वितरित कर रही है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि मौजूदा दवाओं के लिए नैदानिक परीक्षण न्यूयॉर्क में शुरू होंगे जो इस वायरस के खिलाफ प्रभावी साबित हो सकती हैं।ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, संघीय सरकार बड़ी मात्रा में क्लोरोक्वीन प्राप्त करने के लिए काम कर रही है। यह एक बड़ा बदलाव होगा। इसलिए, हम न्यूयॉर्क में कल (मंगलवार) सुबह से वितरण शुरू करेंगे। मुझे लगता है कि बहुत सारे लोग परिणामों से बहुत खुश होंगे। हम सभी इस पर करीब से नजर रखेंगे।

कोरोना वायरसः संक्रमण की रोकथाम के लिए थाईलैंड में आपातकाल को मंजूरी

बैंकाक। थाईलैंड सरकार ने कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए कड़े कदम उठाते हुए मंगलवार को आपातकाल की घोषणा को मंजूरी दी। दक्षिण एशियाई देश थाईलैंड में सैकड़ों लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं। प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओचा ने कहा उनके मंत्रिमंडल ने गुरुवार से एक महीने तक चलने वाले आपातकाल को मंजूरी दी। इस कदम से सरकार को वह सारे अधिकार मिल जाएंगे जो सामान्य रूप से उसके पास नहीं होते। इनमें कर्फ्यू लगाना, मीडिया पर अंकुश, जनसभा को तितर बितर करना और आदेश का पालन कराने के लिए सेना की तैनाती शामिल है। प्रयुथ ने एक संक्षिप्त टीवी संबोधन में जनता से शांत रहने का आग्रह किया और सोशल मीडिया का दुरुपयोग और जमाखोरी न करने की चेतावनी दी। थाईलैंड में मंगलवार को संक्रमण के 106 नए मामले सामने आए जिसके बाद संक्रमित व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 827 हो गई।

कोरोना वायरस : स्पेन के सैनिकों को सेवानिवृत्ति गृहों में मिले शव

एएफपी। मैड्रिड,

स्पेन में कोरोना वायरस से निपटने के लिए तैनात किए गए सैनिकों को सेवानिवृत्ति गृहों में त्याग दिए गए बुजुर्ग मरीज और कुछ शव भी मिले हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना वायरस की महामारी के बढ़ते मामलों के चलते मैड्रिड के एक शॉपिंग मॉल में आइस रिंक को अस्थाई शवगृह में तब्दील कर दिया गया है। स्पेन में सेना को सेवानिवृत्ति गृहों को संक्रमणमुक्त बनाने में मदद का दायित्व सौंपा गया है। स्पेन महामारी से बुरी तरह प्रभावित देशों में से एक है जहां कोविड-19 के चलते अनेक लोगों की मौत हुई है।

देश की रक्षा मंत्री मार्गरीटा रोब्लेस ने टेलेसिंको टेलीविजन चैनल से कहा, इन केंद्रों में बुजुर्ग लोगों के साथ हुए व्यवहार को लेकर हम कड़ा रुख अख्तियार करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सेना को इन केंद्रों में कुछ पूरी तरह से छोड़ दिए गए लोग मिले और कुछ व्यक्ति मृत अवस्था में मिले। देश के अभियोजक ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे के भीतर 462 लोगों की मौत के साथ ही देश में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या सोमवार को 2,182 तक पहुंच गई। इस बीच, मैड्रिड के पैलेसियो डे हीलो, या आइस पैलेस मॉल के भीतर आइस रिंक को अस्थाई मुर्दाघर में तब्दील कर दिया गया है।

वायरस मामलों की सुनामी से न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य प्रणाली चरमरा जाएगीः क्योमो

न्यूयार्क। न्यूयार्क के गवर्नर एंड्रयू क्योमो ने चेतावनी दी है कि कोरोना वायरस मामलों की सुनामी के कारण अगले दो से तीन सप्ताह में राज्य की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली चरमरा जाएगी।गौरतलब है कि अमेरिका में कोविड-19 के सर्वाधिक मामले न्यूयॉर्क से सामने आए हैं जहां इस संक्रमण के कारण 157 लोगों की मौत हो चुकी है।क्योमो ने कहा, न्यूयार्क शहर में हर ढाई दिन में संक्रमण के मामलों की संख्या दोगुनी होती जा रही है जो सकते में डालने वाला आंकड़ा है। हमें तेजी से बढ़ते उस वक्राकार ग्राफ को समतल करना होगा, यह वक्र लहर की तरह नहीं बल्कि सुनामी की तरह है। उन्होंने सीएनएन के शो में कहा, यह लहर दस दिन से लेकर तीन सप्ताह के भीतर हमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को चरमरा देगी।

अमेरिका में एक ही दिन में कोरोना वायरस के 10,000 से अधिक मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कोविड-19 से पीड़ित मरीजों की संख्या 43,700 तक पहुंच गई। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चिकित्सा आपूर्ति और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों की जमाखोरी को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है।

अमेरिका में पहली बार कोरोना वायरस के कारण एक दिन में 130 से अधिक लोगों की मौत हो गई और सोमवार की रात तक मृतकों की संख्या बढ़कर 550 तक पहुंच गई।

चीन कोरोना वायरस के केंद्र हुबेई प्रांत, वुहान शहर से लॉकडाउन हटाएगा

भाषा। बीजिंगा वुहान,

चीन ने मंगलवार को घोषणा की कि वह घातक कोरोना वायरस के केंद्र बने हुबेई प्रांत में पांच करोड़ से ज्यादा आबादी पर लागू लॉकडाउन को बुधवार को खत्म करेगा। हुबेई की राजधानी वुहान में चल रहा लॉकडाउन आठ अप्रैल को खत्म होगा। इससे 1.1 करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले शहर में लोगों पर लगी पाबंदी खत्म हो जाएगी। पिछले साल दिसंबर में सबसे पहले वुहान में ही वायरस का पहला मामला सामने आया था। लगातार पांच दिनों तक एक भी मामला सामने नहीं आने के बाद सोमवार को एक मामले की पुष्टि हुई। हुबेई प्रांत और वुहान शहर की कुल 5.6 करोड़ की आबादी को 23 जनवरी से कड़े लॉकडाउन में रखा गया है। लोगों की आवाजाही पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई। अखबार पीपुल्स डेली के मुताबिक एक सरकारी नोटिस में कहा गया है कि हुबेई प्रांत के अन्य हिस्से में रह रहे लोग बुधवार से ग्रीन हेल्थ कोड के साथ यात्रा कर सकेंगे। हुबेई स्वास्थ्य आयोग ने मंगलवार को घोषणा की है कि वुहान के लोग आठ अप्रैल से शहर के बाहर यात्रा कर सकेंगे। हालिया दिनों में मामलों में गिरावट के बाद स्थानीय अधिकारियों ने कड़े प्रावधानों में ढील देने की घोषणा की है। हालांकि, हुबेई में सात लोगों की मौत के बाद प्रांत में कुल मृतकों की संख्या 3160 हो चुकी है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक प्रांत में 4200 मरीजों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इसमें से 1203 की हालत गंभीर है और 336 लोगों की स्थिति अति गंभीर है।

भारत में कोरोना वायरस महामारी के उन्मूलन की जबरदस्त क्षमता है : डब्ल्यूएचओ

भाषा। जिनेवा

चेचक और पोलियो के उन्मूलन में विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने वाले भारत में कोरोना वायरस संक्रमण से पैदा हुई घातक वैश्विक महामारी से पार पाने की भी जबरदस्त क्षमता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक शीर्ष अधिकारी ने यह कहा।गौरतलब है कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण दुनियाभर में लगभग 15,000 लोगों की जान जा चुकी है।विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कार्यकारी निदेशक माइकल रेयान ने कहा कि दुनिया का दूसरा सर्वाधिक आबादी वाला देश भारत कोरोना वायरस महामारी से निपटने की जबरदस्त क्षमता रखता है क्योंकि उसे चेचक और पोलियो से लक्षित वर्ग को लेकर किए गए प्रयासों के साथ निपटने का अनुभव है।वैश्विक महामारी कोविड-19 पर सोमवार को जिनेवा में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा, इन दो रोगों के उन्मूलन में भारत ने दुनिया का नेतृत्व किया और देश से उनका खात्मा किया। उन्होंने कहा लक्षित वर्ग को लेकर किए गए प्रयासों के साथ भारत ने चेचक को मात दी और दुनिया को इस तरह एक बड़ा उपहार दिया। भारत ने पोलियो को भी जड़ से उखाड़ फेंका। रेयान ने कहा, यह खास तौर पर महत्वपूर्ण है कि भारत जैसे देश अपने अनुभव के आधार पर दुनिया को बताएं कि क्या किया जा सकता है। डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कोरोना वायरस के कारण मरने वालों की संख्या 14,652 हो गई है और 3,34,000 से अधिक लोग दुनिया भर में इससे प्रभावित हैं। महानिदेशक ने बताया कि चीन में इसके का पता लगने के बाद प्रभावितों की संख्या एक लाख पहुंचने में 67 दिन लगे थे, जबकि इसमें एक लाख और जुड़ने में महज 11 दिन लगे और इसके चार दिन बाद एक लाख और लोग इससे संक्रमित मिले।

अमेरिका में अवैध रूप से घुसने के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका के सीमा अधिकारियों ने देश में अवैध रूप से घुसने के आरोप में दो भारतीयों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने कहा कि इन लोगों को तस्करी के प्रयास के दौरान गिरफ्तार किया गया।यूएस बॉर्डर पैट्रोल एजेंट्स और मैसेना बॉर्डर पैट्रोल स्टेशन्स ने गत सप्ताह तस्करी के प्रयास के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने एक वाहन को रोकने की कोशिश की। वाहन के रुकने पर तीन लोग नीचे उतरे और इसके चालक ने भागने की कोशिश की। यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन ने एक बयान में कहा कि अधिकारियों ने तीन लोगों को पकड़ लिया जिनमें से दो भारतीय और एक इतालवी नागरिक था।

‘मेरे लिए कंटेंट और मेरा चरित्र ही मुख्य आकर्षण’

अमित सिंह ने कई टीवी शोज़ में काम किया है और अब आप उन्हें हॉरर जॉनर वाली ९० मिनट की एक वेब सीरीज़ में देख पाएंगे जो पहली बार स्मार्ट फोन पर शूट की गई है। **पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना** ने उनसे उनकी इस फिल्म सहित अभिनय क्षेत्र में आने के बारे में भी कई प्रश्न पूछे -

■ आपका अभिनय कॅरियर किस प्रकार से आरंभ हुआ ?

मैं वाराणसी का रहने वाला हूं लेकिन अभी मेरा घर दिल्ली में ही है। मैं दिल्ली में था लेकिन मेरी शूटिंग निरस्त हो गई। अभी मैं एकांतवास (क्वारंटीन) में हूं। अभिनय क्षेत्र में मेरा कॅरियर स्कूल से ही प्रारंभ हो चुका था। मैं स्कूल और कॉलेज की सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में सम्मिलित हुआ करता था। मैं सदा से ही अभिनय क्षेत्र में आना चाहता था लेकिन मुझे पता नहीं था कि कैसे इसमें आया जा सकता है। मैंने निफ्ट से स्नातक किया था और बंगलुरू की एक कंपनी में काम करने लगा था। बाद में मेरा स्थानांतरण मुंबई में हो गया और कुछ समय तक मैं अभिनय क्षेत्र के अपने मित्रों के अपार्टमेंट में उनके साथ रहा। मैं उनके साथ शूटिंग पर जाया करता था और यहीं से मेरे भीतर इंडस्ट्री के प्रति आकर्षण पैदा हो गया। बाद में ऑडिषन देकर मैं एक टीवी शो में चयनित कर लिया गया। बस यहीं से मैं व्यस्त हो गया। मैंने नीरज कबि के सानिध्य में अभिनय का प्रशिक्षण लिया था।

■ आपको वेब आधारित हॉरर फिल्म ‘काव्या’ में कैसे शामिल किया गया ?

पहले पहले मैं लीड रोल के लिए नहीं लिया गया था लेकिन निर्देशक को मेरा मुखड़ा अच्छा लगा और उन्होंने बाद में लीड रोल के लिए मेरा ऑडिशन लिया। ये फिल्म अनूठी है। ये आई-फोन आईफोन पर शूट की गई पहली फिल्म है। कई हॉलिवुड निर्देशक ये पहले भी करते रहते थे लेकिन भारत में ये पहली बार है कि किसी फिल्म को मोबाईल पर शूट किया गया है। ये एक चुनौती भी है क्योंकि हम कैमरा फेस करने के आदी हो चुके होते हैं। इसके लिए टीम को भी प्रशिक्षण दिलवाया गया था। हमनें एक महीने तक वर्कशाफ्स की और फिर दो सप्ताह में फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली। इस पूरे काम में बहुत मज़ा आया और हमारा अनुभव शानदार रहा।

■ आपके पास मिश्रित प्रकार का काम है। क्या आपने ये निर्णय जानबूझकर किया था ?

मैं स्वयं को चुनौती देना पसंद करता हूं। यही कारण है कि मैं अपने चरित्रों को दोहराते रहने से बचता हूं ताकि मैं स्टीरियोटाइप्ड होने से बच सकूं। मैंने कॉमेडी भी की है। इसके बाद मैंने वेब सीरीज़ के शो ‘भौकाल’ में भी काम किया जो एक पुलिस वाले की वास्तविक कहानी पर आधारित है। मैंने इस रोल के लिए उस अधिकारी के पोस्टिंग के स्थानों पर जाकर उस वास्तविक चरित्र की बॉडी लैंग्वेज़ तथा अन्य विषेषताओं का अध्ययन किया। इसके बाद मैंने हॉरर आधारित प्रोजेक्ट पर काम किया। मैं विविध प्रकार के जानर्स में काम करके देखना चाहता हूं।

■ आपने टीवी, फिल्म और वेब सीरीज़ में काम किया है। तो क्या ये मान लिया जाए कि आप प्लेटफॉर्म्स के साथ भी प्रयोग करना चाहते हैं ?

मेरे लिए मुझे मिले चरित्र और कंटेंट ही मुख्य आकर्षण होते हैं। प्लेटफॉर्म्स का अधिक महत्व नहीं रह जाता। लेकिन वेब सीरीज़ पर आर बाल्की और हरमन बवेजा के साथ काम करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मैं मुझे मिले हर प्रोजेक्ट से स्नेह रखता हूं क्योंकि ये सदा से ही अलग प्रकार के रहे हैं।

■ डिजिटल माध्यम के लिए प्रोजेक्ट स्वीकार करने के पीछे क्या आकर्षण है?

डिजिटल माध्यम पर कंटेंट अत्यधिक बोल्ड होती है। आप जितना कर सकते हैं उससे अधिक काम भी उपलब्ध है। किसी प्रकार का प्रतिबंध भी नहीं है। में ये नहीं कह रहा कि इसमें अष्लीलता है लेकिन कंटेंट बहुत ही बोल्ड है। किसी भी विषय में प्रयोग करने का डर भी नहीं है। हमें अपनी अभिव्यक्ति की पूरी स्वतंत्रता है। टीवी पर आपको चैनल और अन्य दिषा निर्देषों का पालन करना होता है। फिल्मों में भी सेंसरबोर्ड आपकी फिल्म के उन दृष्यों को काट सकता है जो उनके अनुसार अनुचित है।

■ अब तक की आपकी यात्रा कैसी रही ?

ये वास्तव में बहुत अच्छी रही है। मैंने इस बीच इंडस्ट्री के सर्वश्रेष्ठ लोगों के साथ काम किया है। कॅरियर को देखें तो मैं वर्तमान में काफी अच्छी स्थिति में हूं। मेरा अभिनय कॅरियर तो बस प्रारंभ ही हो रहा है।

■ आपने जब अपना जॉब छोड़ा था, आपके माता-पिता की क्या प्रतिक्रिया थी ?

पहले तो मैंने उन्हें काफी समय तक कुछ बताया ही नहीं। मैंने एक शो की तीन महीने की शूटिंग के लिए जॉब छोड़ा था। इस शूटिंग के बारे में मैंने उन्हें कभी नहीं बताया। लेकिन जिस दिन शो प्रसारित होने वाला था उसी दिन मैंने उन्हें फोन करके शो देखने को कहा। ये उनके लिए एक सुखद आष्चर्य था और उन्होंने मेरा पूरा समर्थन किया। मैं परिवार में सबसे छोटा हूं। संभवत: यही कारण था कि उन्होंने मेरा समर्थन किया। अब मेरी मां मेरा हालचाल जानने के लिए हर दिन फोन करती हैं।

■ अपनी आगे की योजनाओं के बारे में कुछ बताइये ?

पहले तो काव्या है ही। एक वेब सीरीज़ में भी में लीड रोल कर रहा हूं। एक दूसरे शो में भी मैं काम कर रहा हूं लेकिन अभी आपको इसके बारे में नहीं बता सकता। इसमें मेरी लुक ऐसी है जिसमें मैं गंजा हूं और मेरी दाढ़ी बढ़ी हुई है। मैंने इसे लेते समय काफी समय लगा क्योकि इसे लेनेपर इसकी लुक के कारण कोई दूसरा रोल नहीं कर या ले सकता। ये साहसिक निर्णय था और मुझे प्रसन्नता है कि मैंने ये निर्णय लिया।

कंगना को प्रिय है अपनी फिल्म ‘पंगा’

बॉलिवुड अभिनेत्री कंगना रानौत का कहना है कि उनकी हाल की फिल्म पंगा उनके मन में बसी है।

उन्हें प्रसन्नता है कि वर्तमान वैष्विक समस्या बन चुके कोरोना वायरस के इस कठिन समय में इसे हॉटस्टार वीआईपी प्लेटफॉर्म से प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ‘पंगा आपकी धुन और दायित्व के बीच की रस्साकसी को आदर्षवादी ढंग से प्रस्तुत करती है।’

इसमें एक प्रष्न का उत्तर देने का प्रयास किया गया है - ‘एक महिला को अपने परिवार को संवारने के चक्कर में कब तक अपने सपनों की बलि चढ़ानी होगी ? और कौन कहता है कि हम वो सब कर नहीं सकते ? ये फिल्म मेरे ह्रदय के अत्यधिक निकट है और पूरे देष की स्त्रियां इससे जुड़ाव का अनुभव करेंगी।’

व्यक्तिगत जीवन सफलता-असफलता अलग विषय: रानी

रानी मुखर्जी का कहना है कि ‘जब आप किसी फिल्म में काम करते हैं तो आपको उस समय नहीं पता होता कि आपकी फिल्म क्या कर सकती है लेकिन फिल्म हिचकी ने लोगों को सही ढंग से समझा दिया है कि एक अभिनेता के व्यक्तिगत जीवन से किसी प्रकार की सफलता या असफलता का कोई लेना-देना नहीं है। ये पूरी तरह से कंटेंट और आपकी इच्छा पर निर्भर करता है। हिचकी विषुद्ध इच्छाषक्ति के बल पर बनाई गई थी और इसमें इस बात को देखा भी जा सकता है।’

पहली फिल्म के अनुभवों में खोईं मानुषी छिल्लर

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर अभिनेता अक्षय कुमार के साथ फिल्म पृथ्वीराज से बॉलिवुड में पदार्पण करने जा रही हैं। उनका कहना है कि संयोगिता के उनके चरित्र को सही ढंग से परदे पर प्रस्तुत करना उनकी बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, ‘पृथ्वीराज मेरे लिए परदे पर एक बड़ा अनुभव है। इसे बड़े स्केल पर किया जा रहा है और हमनें हाल ही में राजस्थान में इसका शिड्यूल पूरा किया है। मेरे लिए राज्य में फिल्म की शूटिंग पूरा करना अविश्वसनीय अनुभव था क्योंकि हमनें यहां कुछ अद्भुत दृश्य शूट किये हैं। ये मेरे पदार्पण के दौरान पहला आउटडोर शिड्यूल था और मैं इसके अनुभव में खोई थी।’

एरियाना ने प्रशंसक के विरुद्ध मांगी सुरक्षा

गायिका एरियाना ग्रैंड ने अपने एक प्रषंसक को निषिद्ध करने के लिए एक आदेष के लिए आवेदन किया है।

उन्होंने एक 20 साल के युवक से स्वयं को सुरक्षा देने के लिए कानूनी प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। इस युवक को लॉस एंजेलिस में उनके घर के निकट से बंदी बनाया गया था।

इसने चुपके से उनके सुरक्षाकर्मियों को धता बताते हुए एरियाना के मुख्यद्वार तक घुसने का दुस्साहस किया था। उसपर दुर्व्यवहार सहित विभिन्नधाराओं में केस दर्ज किया गया। इस व्यक्ति ने उसे गिरफ्तार करने वाले अधिकारी पर थूक दिया था।

इसी महीने एरियाना को एक और धमकी वाली टेलीफोन कॉल मिली

लॉकडाउन न मानने वालों को अक्षय कुमार की फटकार

भाषा। मुम्बई

चारों तरफ कोरोना ने हाहाकार मचा रखा है और ऐसे में हम सभी को अपने-अपने घरों में रहने की सतर्कता बरतनी है। सरकार की ओर से लॉकडाउन घोषित किए जाने के बावजूद देश में कई लोग इस आदेश का उल्लंघन करते दिखे। पिछले दिनों लॉकडाउन के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आईं जो इस बात का खुलासा करती है कि हम अब भी इस बीमारी को हल्के में लिए जा रहे हैं। बॉलिवुड ऐक्टर अक्षय कुमार ने इस वक्त लॉकडाउन वाले नियम का उल्लंघन करने वालों को कड़े शब्दों में समझाने की कोशिश की है और कहा है कि इस वक्त उनकी भी जान सूखी हुई है। अक्षय ने विडियो पोस्ट करते हुए कहा है कि लॉकडाउन के इस समय में घर से बाहर निकल कर आप अपने साथ-साथ दूसरों की जिंदगी भी रिस्क में डाल रहे। अक्षय कुमार ने यह विडियो शेयर करते हुए कहा है कि हर बार मैं आपसे दिल की बात प्यार से बोलता हूं पर आज कसम से इतनी खुंदक आ रही है कि कुछ गलत शब्द अगर मुंह से निकल जाए तो मुझे माफ कीजिएगा।

कोरोना से लड़ाई में मदद को आगे आए रजनीकांत

भाषा। मुम्बई

कोरोना का कहर भारत समेत दुनियाभर में जारी है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे अपने घरों से बाहर न निकलें। कोरोना के कारण तमाम लोगों की रोजी-रोटी पर भी असर पड़ा है। खासतौर पर दिहाड़ी पर काम करनेवाले लोगों को इससे ज्यादा दिक्कतें हो रही हैं। हालांकि सरकारें इस पर काम कर रही हैं और धीर-धीरे सिलेब्रिटीज भी मदद को आगे आ रहे हैं। इस लिस्ट में ताजा नाम सुपरस्टार रजनीकांत का जुड़ गया है। साउथ के मशहूर ऐक्टर रजनीकांत ने फिल्म इम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ साउथ इंडिया यूनियन वर्कर्स को 50 लाख का डोनेशन दिया है। कोरोना के कारण वर्कर्स काम पर नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में रजनी की यह आर्थिक मदद काफी मायने रखती है। बता देंए इस समय फिल्म इंडस्ट्री में सारे काम ठप पड़े हैं और सबसे बड़ी समस्या दिहाड़ी मजदूरी पर काम करनेवालों पर बन आई है। कुछ दिनों पहले फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने इम्प्लॉइज ने यह निर्णय लिया था कि वह अपने जरूरतमंद साथियों को राशन का वितरण करेगी। यही नहीं, बॉलिवुड के कई बड़े नाम इस मदद में अपना साथ देने के लिए आगे आ गए हैं। इनमें सोनम कपूर, जावेद अख्तर, मधुर भंडारकर, सलीम मर्चेंट, संजय गुप्ता, विवेक अग्निहोत्री और करणवीर वोहरा सहित तमाम हस्तियां शामिल हैं। फेडरेशन और बॉलिवुड की बड़ी हस्तियों द्वारा यह मदद सेट पर मेकअप आर्टिस्ट, ड्राइवर, स्पॉटबॉय, लाइट मैन, कैमरा असिस्टेंट, सेट डिजाइन करने के दौरान काम करने वाले तकनीकी कलाकार और मजदूरों सहित अन्य जरूरतमंद टेक्निशन के लिए की जा रही है। बॉलिवुड ही नहीं हॉलिवुड सिलेब्रिटीज भी इस जानलेवा वायरस से पीड़ित लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। बीते दिनों खबर आई थी कि अमेरिकन पॉप स्टार और ऐक्ट्रेस रिहाना के एनजीओ क्लैरा लियोनेल फाउंडेशन ने कोरोना वायरस पीड़ितों की मदद कर रही संस्थाओं को लगभग 38 करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की है। रिहाना के अलावा ऐक्ट्रेस इवा मेन्डेस ने लॉस ऐंजिलिस के रीजनल फूड बैंक को मदद दी है। मॉडल और टीवी सिलेब्रिटी किम कार्दशियां ने अपने एक ब्रैंड के कुल लाभ का 20 पर्सेंट कोरोना वायरस के पीड़ितों के लिए दान देने का फैसला किया है। ऐक्ट्रेस और सिंगर माइली साइरस ने एक एनजीओ के लिए कैंपेन करने का फैसला किया है जिसका पूरा प्रॉफिट दान में जाएगा। मशहूर ऐक्टर रायन रेनॉल्ड्स ने 10 लाख डॉलर की सहायता दी है। पॉप स्टार लेडी गागा ने अपने एक ब्रैंड का 20 पर्सेंट प्रॉफिट डोनेट करने का फैसला किया है।

सन्नी देओल ने लोगों को भीड़ से बचने की दी सलाह

भाषा। चंडीगढ़

गुरदासपुर से सांसद और अभिनेता सन्नी देओल ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लोगों से अलग रहने और भीड़ से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस विश्व में बहुत तेजी से फैल रहा है और अब भारत में प्रवेश कर गया है। देओल ने ट्विटर पर दो मिनट का वीडियो पोस्ट कर कहा, कोरोना वायरस से लड़ने का एक ही तरीका है कि परिवार के साथ सभी लोग खुद को अलग थलग कर लें। देओल ने लोगों से कहा है कि वे उसी तरह खुद को अलग थलग कर लें जैसे उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 22 मार्च को जनता कर्फ्यू के दौरान किया था। देओल ने संदेश में कहा, हमें इकठ्ठा नहीं होना चाहिए और भीड़ से दूर रहना चाहिए। भाजपा सांसद ने कहा, हम अपने बारे में क्यों नहीं सोच रहे हैं ? यदि हम स्वस्थ रहेंगे तो हमारे परिजन भी स्वस्थ रहेंगे, वे भी इस संक्रमण से बचे रहेंगे, विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग। यह (कोविड-19) वृद्धों के लिए बहुत घातक है। देओल ने लोगों को सचेत किया और कहा कि इस समय घर पर दोस्तों और रिश्तेदारों को बुलाकर उत्सव न मनाएं क्योंकि यह पता नहीं चलता कि कौन संक्रमित है।

जिम में पसीना बहा रहे हैं अमिताभ

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर एक फोटो शेयर की है जिसमें वह जिम में पसीना बहा रहे हैं। कोरोना वायरस की वजह से देश के कई शहरों को लॉकडाउन कर दिया गया है जिसमें मुंबई भी शामिल है। आम लोग हों या सेलेब्स सभी घर में क्वारंटाइन यानी बंद हैं। सेलेब्स ने घर को वर्कआउट का अड्डा बना लिया है। क्वारंटाइन के दौरान सेलेब्स अपनी तरह.तरह की फोटो और वीडियोज़ सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। ज्यादातर सेलेब्स ने अपने वर्कआउट करते हुए वीडियो और फोटो शेयर किए हैं। इस लिस्ट में अब महानायक अमिताभ बच्चन का भी नाम शामिल हो गया है। अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की है जिसमें वह जिम में नजर आ रहे हैं।

अमिताभ के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करेंगी कैटरीना!

मुंबई। बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कैटरीना कैफ महानायक अमिताभ बच्चन के साथ कॉमेडी फिल्म में काम करती नजर आ सकती है। सुपर 30 और क्वीन जैसी फिल्में बना चुके विकास बहल कॉमेडी फिल्म ‘डेडली’ बनाने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि कैटरीना को इस फिल्म की स्टोरी पसंद आई है और उन्होंने इस फिल्म में काम करने के लिए हामी भरी है। इस फिल्म में पिता का भी रोल महत्वपूर्ण हैए ऐसे में विकास और कैटरीना ने अमिताभ बच्चन के साथ इस रोल को डिस्कस किया है। हालांकि अमिताभ ने अब तक इस फिल्म को लेकर कंफर्मेशन नहीं दी है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म को इसी साल मई में फ्लोर्स पर जाना था लेकिन कोरोना वायरस के चलते फिल्म की शूटिंग को आगे बढ़ा दिया गया है।